पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536
मार्च 2021
मूल्य : बीस रुपए

माहेश्वरी महिला

वर्ष : 20, अंक : 5

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

जिंदगी में कभी कोई हारता नहीं
या तो जीतता है, या सीखता है

बधाई.... बधाई.... बधाई....

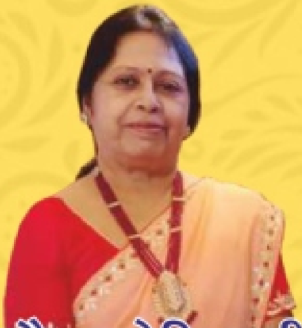

सौ. ज्योति राठी
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

राठी परिवार का गौरव हो आप।
गांधी परिवार का गर्व हो आप।
परिवार का नाम समाज में बढ़ाया, ऐसी परिवार की ज्योत हो आप।
अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन
में **कोषाध्यक्ष** पद पर हुई नियुक्ति पर
समस्त राठी परिवार एवं गांधी परिवार की ओर से

सौ. ज्योति राठी

को अनगिनत बधाईयाँ...
और आपके उज्जवल भविष्य के लिये अनेक शुभकामनाएँ...

गोविंद–लीला राठी, गीतादेवी राठी, मनोहर–पुष्पा राठी, अशोक–चित्रा राठी, प्रफुल्ल–सोनाली राठी, राजेश–प्रेमा राठी
राधेश्याम–शोभा राठी, प्रभादेवी राठी, गोपाल–सरोज गाँधी, डॉ. प्रकाश–रेखा गाँधी, राजेश–ममता गाँधी
सूर्यकांत टावरी, भागीरथी सोनी, लता–जुगलकिशोर जी चांडक, पुष्पा–नंदलालजी चांडक, जगदीश–श्रद्धा चांडक

- M/s. Kamal Rathi (Advocate), Raipur (C.G.)
- M/s. Deepak Rathi & Co. Raipur (C.G.)
- M/s. Shri Rathi sales, Sauser (M.P.)
- M/s. Vishal Electrochem, Sauser (M.P.)
- M/s. Anshul Agencies, Raipur (C.G.)

"Jyotimai", Near Hotel Midtown, Yamaha Showroom Gali, Jawahar Nagar, Raipur (C.G.)
Ph.: 0771-2537741, 2226999 Mob.: 99261-70021, 94255-13041

पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन
अनिता जावंधिया
प्रदेश अध्यक्ष
प्रतिभा झंवर
कार्य समिति सदस्य
रंजना बाहेती
सचिव
राजश्री राठी
प्रकल्प प्रखर
रेणु झंवर
पदमा कासट
शशि क़ाबरा
शोभा लाहोटी
उर्मिला सादानी
मंगला मूंदड़ा
सुनीता नागोरी
संध्या गांधी
रेखा भूतड़ा
ममता गट्टानी
संगीता राठी
पूनम लड्डा
अनिता राठी
रेखा डांगरा
रश्मि मालू
मंगला लखोटिया

श्रद्धांजलि

छपते छपते

श्रीमती पदमा देवी मूंदड़ा

(पूर्व अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन)

जन्म 09-07-1935 ❊ देहावसान 25-03-2021

आज अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का वटवृक्ष के रूप में जो स्वरूप हम देख रहे हैं उसकी नींव में **आदरणीय पद्मादेवीजी मून्दड़ा** का नाम चिर स्मरणीय रहेगा। सादा जीवन-उच्च विचार की साक्षात् प्रतिमूर्ति, मां शारदा की उपासक, महिलाओं में आत्मविश्वास व जागृति बढ़ाने का गुरुत्तर दायित्व आपने बखूबी निभाया। सन् 1985 में महासभा के इन्दौर महाधिवेशन में आपको राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया। आप दो सत्र तक अध्यक्ष रही। भ्रमण व व्यवस्थित कार्य प्रणाली से संगठन को सुदृढ़ किया।

राजस्थान के एक छोटे से गांव सांभर में आपका जन्म हुआ। शाहपुरा जिला भीलवाड़ा के मूल निवासी प्राध्यापक श्रीमान् रामनिवास जी मूंदड़ा के साथ परिणय सूत्र में बंधी तथा अमरावती को अपना कर्म क्षेत्र बनाया। आपने बृजलाल बियाणी कॉलेज में 14 वर्ष तक प्राध्यापिका के रूप में विद्यादान जैसा पुनीत कर्तव्य निभाया।

आपका दैदीप्यमान जीवन हम सब के लिए प्रेरणा स्रोत रहा।

हम सभी आपके श्री चरणों में हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

❊ पूर्व अध्यक्ष ❊

सौ. मनोरमा लढ़ा, सौ. लता लाहोटी, सौ. गीता मूंदड़ा, सौ. विमला साबू, सौ. शोभा सादानी,
श्रीमती सुशीला काबरा, सौ. कल्पना गगडानी, संरक्षक-मां रत्नीदेवी काबरा

❊ सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी ❊

सौ. आशा माहेश्वरी, सौ. मंजू बांगड़, सौ. ज्योति राठी, सौ. शैला कलंत्री,
सौ. किरण लड्ढा, सौ. ममता मोदानी, सौ. मंजू कोठारी, सौ. मंगल मर्दा, सौ. कलावती जाजू, सौ. शशि नेवर,
सौ. सविता पटवारी, सौ. गिरिजा सारड़ा, श्रीमती उषा करवा, सौ. पुष्पा तोषनीवाल, सौ. मधु बाहेती
सभी समिति प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य एवं कार्यकारी मंडल के सभी सदस्य

माहेश्वरी महिला पत्रिका एवं अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट के सभी सदस्यगण

माहेश्वरी महिला

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

✲ प्रकाशक ✲

माहेश्वरी महिला समिति

22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
ईमेल : maheshwarimahilaind@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती मनोरमा लड्ढा

उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू

सचिव
श्रीमती लता लाहोटी

संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी

सदस्य
श्रीमती पद्मा देवी मूंदड़ा
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा
श्रीमती रत्नीदेवी काबरा
श्रीमती कल्पना गगरानी
डॉ. श्रीमती तारा माहेश्वरी
श्रीमती निर्मला जेठा

संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ.लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी
अध्यक्ष-सौ. सरला काबरा
उपाध्यक्ष-सौ. कांता गगरानी
सचिव-सौ. उर्मिला झंवर
सदस्य-सौ. विनिता लाहोटी

संपादकीय

सस्नेही बहनों,

महिला दिवस, शिवरात्रि, होली, नव संवत्सर व गणगौर पर्व की बधाई।

''नारी तुम प्रेम हो, साहस हो, विश्वास हो, तुम सिर्फ एक दिन ही नहीं, सदैव खास हो, तुम ही शक्ति, तुम ही भक्ति, तुम ही प्रेरणा व प्रयास हो, अकेले पथ की ज्योति पुंजमय प्रकाश हो।''

हर क्षेत्र में सशक्त, आत्मविश्वास से लबरेज, स्नेह व ममता से सिक्त, त्याग व समर्पण से परिपूर्ण है नारी। घर को अकेले ही स्वर्ग बनाने के लिए काफी है नारी, विश्व की आधी आबादी है नारी, फिर भी सम्मान, समानता व सुरक्षा की अधिकारी होते हुए भी उसे उतना महत्व नहीं दिया जाता है। आज भी अस्मिता और मान की रक्षा के लिए प्रेरित करना पड़ता है।

समय इतनी द्रुत गति से दौड़ रहा है, परिवर्तन भी बहुत तेजी से हो रहा है अतः इस हाई टेकनिक युग में जो समय के साथ दौड़ रहा है वही सफल हो रहा है। समय के साथ विचारों का मेल होना बड़ा मुश्किल हो रहा है। लॉकडाउन में भी नारी ने अन्नपूर्णा, लक्ष्मी, दुर्गा सभी का स्वरूप दर्शा भी दिया है। फिर भी मनुष्य की जन्मदात्री नारी को अपनी इच्छाओं का संसार बनाने में हर कदम पर बंदिशों का सैलाब पार करना पड़ता है। परिवार की खुशी के लिये बिना किसी अपेक्षा के सदैव तैयार रहती है, समर्पण भाव से, फिर भी स्वनिर्णय नहीं ले सकती है।

गृह से लेकर गगन ही नही अंतरिक्ष तक, शिक्षा से लेकर सेना व युद्ध के लडाकू विमान की पायलट तक, लघु उद्योग से लेकर कार्पोरेट हाउस तक, खेल से लेकर पर्वतारोहण व बॉक्सिंग में ओलंपिक तक और तो और मंगल ग्रह पर माहेश्वरी समाज की चिप भेजकर संपूर्ण विश्व में भारत का नाम रोशन करने में हर किरदार को निभाकर साबित कर दिया है, नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं, फिर भी सम्मान, सुरक्षा व समानता जो उसका हक है उसे बराबरी का महत्व नहींदिया जा रहा है।

भारतीय संस्कृति पर्व व त्योहारों का एक बगीचा है, जिसमें हर मौसम में विभिन्न पर्वों के रूप में विभिन्न पुष्प खिलते रहते हैं एवं हमारी संस्कृति व संस्कारों की खुशबू महकाते रहते हैं व संदेश भी प्रसारित करते रहते हैं। परंतु आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों की कमी आती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति का अनुगमन हो रहा है, अतः शिक्षा के साथ संस्कारों का बीजारोपण बचपन से ही महिलाओं को करना होगा। आज हमारी सुदृढ़ पारिवारिक व्यवस्था डगमगा रही है, परिवारों का विघटन व दाम्पत्य विच्छेद बढ़ते जा रहे हैं, विचारणीय स्थिति है, इस पर ध्यान देना आवश्यक है। गीता परिवार एवं अध्यात्म व स्वाध्याय समिति के माध्यम से प्रयास जारी है, पर सभी को अपना दायित्व निभाना होगा। ''हम सुधरेंगे, तब जग सुधरेगा।' स्वयं को अपनाना होगा।

शिव-पार्वती जैसा बनना होगा, हलाहल विष भी पीना होगा।
ममतामयी मूर्त भी बनाना होगा।

सुशीला काबरा, संपादक

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

राष्ट्रीय अध्यक्ष
सौ. आशा माहेश्वरी
कोटा

✻

महामंत्री
सौ. मंजू बांगड
कानपुर

✻

कोषाध्यक्ष
सौ. ज्योति राठी
रायपुर

✻

संगठन मंत्री
सौ. शैला कलंत्री
येवला

✻

निवर्तमान अध्यक्ष
सौ. कल्पना गगरानी
मुम्बई

✻

उपाध्यक्ष
सौ. किरण लड्ढा, दिल्ली
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा
सौ. मंजूकोठारी, कोलकाता
सौ. मंगल मर्दा, वापी
सौ. कलावती जाजू, हैदराबाद

✻

संयुक्त मंत्री
सौ. शशि नेवर, वाराणसी
सौ. सविता पटवारी, जयपुर
सौ. गिरिजा सारडा, नेपाल
सौ. उषा करवा, अमरावती
सौ. पुष्पा तोषनीवाल, पुणे

✻

कार्यालय मंत्री
सौ. मधु बाहेती कोटा

अध्यक्षीय

प्रिय बहनों,

इस लोक में हम सभी समय के महत्व को स्वीकार करते आ रहे हैं। कालचक्र अपनी निर्धारित गति से प्रतिपल आगे बढ़ रहा है और यह भी शाश्वत सत्य है कि बीता हुआ कल कभी भी वापस लौटकर नहीं ाता। इस वर्ष यानी 2020 के 365 दिन व्यतीत हो गये। हम 2021 में जोर-शोर से उत्साह-उमंग के साथ प्रवेश कर गये। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विगत 12 माह काल गतिविधियों से परिपूर्ण रहा।

संगठन के सभी मण्डलों ने अपने-अपने संसाधनों से विवेकपूर्ण उपयोग कर समाज में रूट लेवल की बहनों को संगठन से जोड़ने का भरपूर प्रयास किया और किसी हद तक हम सफल भी रहें। बहनों 2021 के हमारे कार्यक्रमों में आंचलिक पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने प्रदेशों में पदाधिकारियों को जोड़कर अंचल का भ्रमण और अधिवेशन श्रृंखलाबद्ध संगठनों के तहत राष्ट्र के दिशा-निर्देश के अनुरूप किये जा रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य जन जागृति लाना। नये-नये कार्यक्रम बनाकर कुशल सक्रिय प्रतिभावान कार्यकर्ताओं को जोड़ने में युवा बहनों का जीवन उपलब्धियों से परिपूर्ण थे उनकी योग्यता का सही उपयोग राष्ट्र व समाज में जो संगठनों में गतिशीलता आये। समाज का एक बड़ा हिस्सा गांवों में निवास करता है। वे आज भी अनेक सुविधाओं से वंचित हैं। उच्च शिक्षा, स्वावलम्बन के अभाव में उनके सामने अनेक कठिनाइयां हैं तथा अगणित रीति-रिवाज भी उनकी प्रगति में बाधक बने हुए हैं। भ्रमण एवं आंचलिक अधिवेशनों के माध्यम से पदाधिकारी, कार्यसमिति, कार्यकारी मंडल सदस्य, प्रदेशिक, जिला, तहसील, स्थानीय के सदस्य राष्ट्रीय कार्ययोजना से पूर्णतया अवगत हो तता अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर कार्यकर्ताओं को सक्रियता प्रदान करे इनका आपसी सामंजस्य होकर निराकरण होना आवश्यक है।

संगठन के समाज सेवा कार्यों को गति प्रदान करने हेतु धन संग्रह कार्यक्रम में भी सभी का सामूहिक प्रयासों से संगठन को सहयोग प्रदान कर रहे हैं और आगे भी सभी कार्यों का समयबद्ध तरीके से पूर्ण करते हैं जो की राहृष्ट्र का आह्वान हो उसमें आपको तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करना है। यह सब भी आपकी रिपोर्ट मूल्यांकन में शामिल रहेगा। बहनों कोरोना महामारी का प्रकोप धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। हम आशान्वित होकर बहुत शीघ्र ही इस महामारी से निजात पा लेंगे। विस्तृत सूचना आपको राष्ट्र से समय-समय पर अग्रिम रूप से प्रेषित कर दी जाएगी, जिससे सभी सक्रिय रूप से सहयोग देन सकेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है।

आइये हम सभी द्रुत गति से अपने-अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में पुनः जुट जाएं और एक खुशहाल समाज का निर्माण करें।

आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष

नारी है नई जिंदगी को जन्म देने वाली, उसे ही करना होगा शिक्षित के साथ दीक्षित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की सभी को बधाई शुभकामनाएं

'कोमल है कमजोर नहीं तू शक्ति का नाम ही नारी है नई जिंदगी को जन्म देने वाली' मौत भी तुम से हारी है। रानी लक्ष्मीबाई हो या पद्मिनी या फिर आप और हम औरत का दूसरा नाम ही योद्धा है ।

कोरोना महामारी के समय भारत हो या अन्य देश की सामान्य महिला जिस तरह से अपने अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कामकाजी हो या होममेकर सबने वॉरियर्स की भांति कठिन परिस्थितियों में कोरोना सुनामी का डटकर मुकाबला किया।

नजर आया स्त्री का नया रूप आज हर क्षेत्र में समाज की बेटियां ,महिलाएं आगे आ रही है यहां तक कि अंतरिक्ष, पायलट, सेना, पुलिस ,प्रशासन ,चिकित्सा खेल जगत ,सामाजिक, राजनीतिक, व्यवसाय सभी क्षेत्रों में महिलाओं ने झंडे गाड़े हैं ।समाज में असंख्य ऐसी महिलाएं हैं जो निस्वार्थ भाव से समाज और देश के लिए काम कर रही हैअपने–अपने क्षेत्रों में देश का गौरव बढ़ा रही है परंतु भारत एवं हमारे समाज की संस्कृति में महिलाएं परिवार की इकाई एवं धूरी है सम्बल भी .... आज आर्थिक रूप से चाहे हम कितने भी समृद्ध हो जाएं परंतु आज जो रिश्तो में गिरावट आई है उसके पीछे कहीं न कहीं पारिवारिक जीवन मूल्यों एवं नैतिकता का विघटन और संस्कारों का ना होना जिम्मेदार है इस टूट रही डोर को हम महिलाएं ही पुनः स्थापित कर सकती हैं महिलाओं को जीवन में जीजाबाई, लक्ष्मीबाई के जैसे आदर्शों को अपनाना होगा और वीर शिवाजी की तरह संतान पैदा करनी होगी बचपन से ही बच्चों को अच्छे संस्कार देने होंगे सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश आदरणीय श्री आर .सी . लाहोटी साहब की टैग लाइन भाषा ,भूषा, भजन और भोजन को आंदोलन के रूप में लेना होगा ।

बच्चे की प्रथम पाठशाला उसका अपना घर होता है माता पिता उसके गुरु । बच्चों को हमें खूब पढ़ाना है डॉक्टर, इंजीनियर बनाना है परंतु शिक्षित के साथ दीक्षित भी करना होगा उन्हें सामाजिक, व्यावहारिक, पारिवारिक, नैतिकता का पाठ पढ़ाना है परिवार में संस्कारों को प्राथमिकता देनी होगी परंतु उसके पहले माता–पिता को भी संस्कारित होना पड़ेगा क्योंकि बच्चा घर परिवार में जो देखता है उन्हीं बातों का अनुसरण करता है आज हमारे भारत देश की संस्कृति एवं आर्देशों के स्थान पर धन पैसा महत्वपूर्ण हो गया है यह समाज के संस्कार नहीं है पूर्वजो का अपमान है आज मैं इस मंच के माध्यम से सभी महिलाओं को आह्वान करती हूं कि बच्चे हमारे परिवार, समाज, देश का भविष्य है उन्हें हमेशा सजाना है , सवाँरना है

पढ़ी हुई शिक्षा भूली जा सकती है परंतु संस्कार जीवन पर्यंत के साथी होते हैं अच्छे, संस्कारित कर्णधार बच्चे ही समाज देश के उत्थान के लिए कार्य कर सकते हैं अतः समाज की सभी बहनों को आगे आकर एकता के भाव जागृत करने होंगे एवं पारिवारिक इकाई में संस्कारों को प्राथमिकता देनी होगी तभी हमारे देश ,समाज के आदर्श स्थापित हो सकेंगे क्योंकि हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा सबसे पहले स्वयं को सुधारना होगा ।

आशा माहेश्वरी

अध्यक्ष ,अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

शिक्षित स्त्री पर ही राष्ट्र की उन्नति निर्भर होती हैं.

स्त्रियाँ पुरुषों से अधिक बुद्धिमान होती हैं, क्योंकि वे पुरुष से कम जानती हैं, किन्तु उससे अधिक समझती हैं।

मैं नारी हूँ मैं आर्या हूँ

लावण्यमयी अप्सरा!

कर्तव्य में भार्या हूँ!!

धैर्य में धरा!

समर में शौर्या हूँ!!

गर्व से कहती हूँ!

मैं नारी हूं मैं आर्या हूँ!!

अंधकार को प्रकाश देने वाली ,नवजीवन प्रदान करने वाली, घर परिवार में रहकर भी अपने अस्तित्व का वजूद रखने वाली कर्मठ नारी जब भी रचनात्मक एवं निर्णयात्मक गतिशीलता लाई है ,वही इतिहास बन गया है और 8 मार्च यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक ऐसा ही ऐतिहासिक दिन है जिसके लिए राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में आप सभी को मेरी हार्दिक बधाई तथा अविरल शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं...

सर्व विदित है कि कोई भी युग हो या कोई भी काल

स्त्री के बिना संभव नहीं है यह संसार

प्राचीन काल से ही प्रतिभा ,चातुर्य, स्नेह शीलता, ममता , समर्पण, धैर्य आदि विभिन्न गुणों के कारण नारी ने अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है, परंतु वर्तमान में तो नारी की प्रासंगिकता और अधिक मुखरित हो रही है जिसमें उसके व्यक्तित्व की अद्वितीय प्रतिभा ,कार्य कौशल की उत्कृष्ट झलक परिलक्षित हो रही है। आज समाज में प्रगति के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता सिद्ध हो रही है चाहे वह सेवा का क्षेत्र हो या सामाजिक सुधार का, चाहे राजनीति का हो या साहित्य का, खेल का हो ,कला का हो, चाहे मीडिया का क्षेत्र या प्रशासन का... हर जगह नारी के पदचाप गूंज रहे हैं। कोरोना महामारी और लॉकडाउन के दौरान तो प्रत्येक स्तर पर महिलाओं की नवीन, अकल्पनीय तथा सर्वोत्कृष्ट भूमिका रही। बहुआयामी व्यक्तित्व की स्वामिनी हमारे समाज की बहने ना सिर्फ घर की जिम्मेदारियों, व्यवस्था का संचालन कुशलतापूर्वक कर रही हैं अपितु स्वाबलंबी बनकर आर्थिक गतिविधियों में भी अपनी सकारात्मक उपस्थिति प्रदर्शित कर परिवार और समाज को सुदृढ़ आधार प्रदान कर रही हैं श्र गांवों कस्बों और छोटे बड़े शहरों में बहुत सी ऐसी बहनें हैं जो छोटे-मोटे व्यवसाय से जुड़ी है पर अधिकतर के साथ समस्या यह है कि वे यह नहीं जानती कि डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से घर बैठे ही अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती हैं। इसी दृष्टि से हमारे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने वर्चुअल सखी एक्सपो 2021 का आयोजन कर एक नई पहल की है। जिस से जुड़कर बहने आर्थिक रूप से तो समुन्नत होंगी ही तकनीकी ज्ञान में भी पूर्णतः पारंगत होकर आत्मविश्वास से समृद्ध होगी। दोहरा दायित्व घर और बाहर निभाते हुए भी यदि प्रयत्न की दिशा सही हो तो स्वप्न जरूर साकार होते हैं। अतः मैं तो सभी महिलाओं से यही अपील करती हूं संस्कार और संस्कृति के साथ समयोचित नवीन बहुउपयोगी मूल्यों को जोड़ने का प्रयास भी अवश्य करें।

इण्टरनेट के इस युग में जब परस्पर दूरियां हो चुकी है कम।

तकनीकी ज्ञान में अनिवार्य रूप से दक्षता हासिल कर

आओ बढ़ाएं आत्मनिर्भरता की ओर एक और कदम!!

आत्मविश्वास की उन्नत लौ जलाए!

महिला दिवस की अनंत शुभकामनाएं..!!

मंजू बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्री

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

जिस परिवार, समाज और देश में औरत का सम्मान नही होता हैं,

उस परिवार, समाज और देश का पतन निश्चित है।

अपनी बात

दुनियादारी/समझदारी

महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की धूम पूरे संसार में मची हुई है। 8 मार्च सब जगह विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा महिलाओं के सम्मान में स्वयं अनेकों महिला संगठनों द्वारा अपने अभिमान में मनाया जा रहा है। महिलाओं को वस्तु से व्यक्ति समझने का यह बदला भाव समारोहित करने का विषय निश्चित रूप से है।

भारत वर्ष में पिछले कुछ दशकों में महिलाओं की व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, व्यावसायिक जीवन शैली में बहुत अधिक अंतर आया। विकास पथ की ये यात्रा प्रशंसनीय है। भारतीय समाज संस्कार और संस्कृति को सर्वोपरि मानने वाला रूढ़ी और परम्परा में विश्वास रखने वाला धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं से घिरा समाज है। वह अपने घर की बहू-बेटियों को उच्च शिक्षा दिला रहा है, उन्हें देश-विदेश में नौकरी में उचित अवसर खोजने के लिये भेज रहा है, विवाह संबंधों में कुछ हद तक अपनी मान्यताओं को बदल रहा है, लेकिन फिर भी भयाक्रान्त है। बहुत कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी बदलाव की दौड़ उसकी चाल से कहीं तेज रफ्तार की है और वह उसे आत्मसात नहीं कर पा रहा। दुःखी मन से यह कह अब तो सब के घरों में ये ही हो रहा है वह घटनाओं को अंगीकार कर रहा है।

समाज का एक वर्ग यदि कुंठित होता है तो ये सामाजिक परिप्रेक्ष्य में घातक है आने वाली पीढ़ी के लिए भी त्रासदायक है।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में आइये इस विषय पर मनन चिंतन करें। कुछ दुनियादारी को समझें और कुछ अपनी समझदारी से समन्वय का सुंदर मार्ग निकालें। महिलाओं को लेकर या बदलते परिवेश को लेकर जो कुछ नागवार सी चीजें सामने आ रही हैं वे हैं सामाजिक सुरक्षा, बढ़ता हुआ शिक्षा दर, नौकरी पेशा महिलाएं, आर्थिक आत्मनिर्भरता से बढ़ती विवाह संबंधों की अड़चनें, बढ़ती उम्र, विवाह विच्छेद, विवाहोत्तर संबंध, लिव इन कल्चर, पारिवारिक संबंधों में तनाव, सिंगल पैरेंटिंग आदि।

निश्चित ही ये बातें हमारे संस्कार, संस्कृति और परम्परा में नहीं है। इसे हम आत्मसात नहीं कर सकते, परन्तु हमें यह समझना होगा कि जब हम किसी व्यवस्था को स्वीकार करते हैं तो वह अपने गुण-दोषों के साथ आती हैं। झाड़ के फल और झाड़ी के फूल का आनंद लेते समय ऊंचाई का भय और कांटे की चुभन भी झेलनी पड़ती है।

सभ्यता एवं संस्कृति सदैव से परिवर्तनशील होती है। अब तक इस परिवर्तन की रफ्तार बहुत धीमी थी इसलिए व्यक्ति भी धीरे इसे आत्मसात करता रहा। लंहगे ओढ़ने से साड़ी पहनने तक की यात्रा या पाँछ-छः दादाओं के संयुक्त परिवार से आज के एकल परिवार की यात्रा हो सहजता से स्वीकार होने लगी, किंतु विकास के इस क्रांतिकारी दौर में बदलाव की रफ्तार बहुत तेज हो गई है। हमारी सोच की रफ्तार से बदलाव की रफ्तार का मेल नहीं हो पा रहा है। परिस्थितिजन्य परिस्थितियां हमें कष्टप्रद होने लगी हैं।

समस्या गहन है। शिक्षा को क्या रोक दें? क्यों रोकें और क्या आपके कहने से भावी पीढ़ी रूक जाएगी? शिक्षा ग्रहण करना, उसके अनुरूप काम ढूंढना उस कार्य में अपने को सिद्धहस्त बनाने में विवाह की उम्र आगे बढ़ना स्वाभाविक है। क्या यह कह कर बालिकाओं को रोक देना चाहिये कि इतना पढ़ा-लिखा लड़का नहीं मिल पायेगा।

पति-पत्नी संबंधों एवं पारिवारिक संबधों में सहनशीलता का अनुपात पहले से भी बहुत कम ज्यादा था। हर घर में अनेकों महिलाएं मन मारकर समझौता कर लेती थी, क्योंकि वे जानती थी कि इस घर को छोड़ मायके जाएंगी तो वहां भी पारिवारिक एवं सामाजिक

जलालत सहनी पड़ेगी। आर्थिक आत्मनिर्भरता ने यह भय खत्म कर दिया।

बढ़ता हुआ नशा सेवन, तलाक, विवाहेत्तर संबंध, लिव इन, नौकरी के बहाने बड़े शहरों में अकेले रहना, कारपोरेट कल्चर, पीअर प्रेशर इसे और अधिक भयाक्रांत बना रहा है।

इस दुनियादारी को समझदारी से बचाना होगा। बाजार की इस चमकीली चमचमाहट को हम रोक नहीं सकते, परंतु आने वाली पीढ़ी को अपने घर के युवाओं को वस्तुस्थिति से अवगत करा सकते हैं। छुपाने से सच छुपता नहीं, बल्कि युवा मन में और जिज्ञासा व चोरी छुपे सब देखने करने का भाव जगा जाता है।

यार-दोस्तों का पीअर प्रेशर भी उकासाता है। अकेले या साथी दोस्तों के साथ रहने में निर्बाध स्वतंत्रता सर चढ़ बोलने लगती है। हम बचपन से परवरिश के तोर तरीके यथायोग्य करें। बच्चों में जीवन मूल्यों का अहसास जगवाएं। भौतिक दुनिया की हर सच्चाई से उन्हें अवगत कराएं। दिखावट और वास्तविकता के अंतर को पहचानने का विवेक जाग्रत करवायें। रात दिन संस्कार और परम्परा का ढोल न पीटें उन्हें आधुनिकता को समझ से स्वीकारने योग्य अवसर प्रदान करें।

महिलाओं से जुड़ी प्राचीन मान्यताओं में आये बदलाव को भी ग्राह्य करना होगा। साथ ही उन्हें भी समझना और समझाना होगा कि क्षणिक सुख, क्षणिक आवेश, क्षणिक खुशी से दूरदृष्टि से, बहुत सोच विचार कर पक्ष के हर पहलू के दूरगामी परिणामों पर ध्यान रखते हुए अपने सब निर्णय लेना चाहिये।

दुनियादारी निभाने के लिए समझदारी जरूरी है।

-प्रा. कल्पना गगड़ानी

राष्ट्रीय भावी कार्यक्रमों की सूचना

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी गणसम्मानीय संरक्षक मंडल, समस्त राष्ट्रीय समिति प्रभारी, कार्यसमिति, प्रदेश नेतृत्व एवं कार्यकारी मंडल की बहनों....

राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा मंडल के आगामी 2021 के टेंटेटिव (प्रस्तावित) कार्यक्रमों की रूपरेखा संयोजित की गई है जिसकी जानकारी आपके समक्ष प्रस्तुत हैं :-

1. 4,5,6,7,8,9,10 अप्रैल वर्चुअल अधिवेशन पूर्वांचल एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक।
2. 16 से 24 अप्रैल सखी एक्सपो 2021 वर्चुअल मेला।
3. जून माह के प्रथम सप्ताह में वर्चुअल अधिवेशन मध्यांचल।
4. 8,9,10,11,12 अगस्त वर्चुअल अधिवेशन उत्तरांचल एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक।
5. 24,2526 सितंबर फिजिकल अधिवेशन दक्षिणांचल एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक रामेश्वरम धाम।
6. 7,8,9 जनवरी 2022 कोटा में महाधिवेशन।

इस प्रकार वर्चुअल मेलाराष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक, पांचों अंचल के आंचलिक अधिवेशन एवं महा अधिवेशन की फाइनल डेट आप सभी की सुविधा हेतु पूर्व मे प्रेषित है ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राष्ट्रीय संगठन मंत्री
आशा माहेश्वरी	मंजू बांगड	ज्योति राठी	शैला कलंत्री

महिला महा अधिवेशन एवम सखी वर्चुअल एक्सपो का डिजिटल शुभारंभ

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओमकृष्ण बिरला से भेंट कर महिलाओं द्वारा अप्रैल में लगाए जाने वाले वर्चुअल एक्सपो के प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया । महिला सशक्तिकरण डिजिटल इंडिया एवम मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए इस 9 दिवसीय ऑनलाइन एक्सपो में सभी स्टाल्स महिलाओं द्वारा ही लगाई जाएगी एवं हर समय खुली रहेगी, समस्त लेनदेन ऑनलाइन किये जायेंगे । एक्सपो का शुभारंभ प्रोजेक्ट पर क्लिक करके किया गया । साथ ही जनवरी 22 में कोटा में होने वाले महा अधिवेशन जिसमे 2500 महिलाओं की सहभागिता रहेगी के पत्रक भी रिलीज़ किये । सुश्री अंजलि बिरला के आईएएस बनने पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी एवम राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री मधु ललित बाहेती ने अंजलि बिरला का अभिनंदन किया । इस अवसर पर महा सभा के पश्चिमांचल उपाध्यक्ष एवम माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला पूर्व अध्यक्ष विशाल माहेश्वरी, माहेश्वरी सेवा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष ललित बाहेती ने भी अंजलि बिरला का अभिनंदन किया।

दादी – नानी का पिटारा सीरीज

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत महिला अधिकार, उत्थान, सुरक्षा और सशक्तिकरण समिति द्वारा दादी – नानी का पिटारा सीरीज आरंभ हो चुकी है। हर महीने पंद्रह दिन के अंतराल मे ये वीडियो लगातार प्रेषित होते रहेंगे। आंचलिक स्तर पर हर प्रदेश को वीडियो बनाने का मौका दिया जाएगा।

अभी तक विदर्भ, उत्तरी राजस्थान, मुंबई, दिल्ली से क्रमशः चार एपिसोड के वीडियो प्रसारित किए गए हैं। प्रदेश से आए हुए सभी वीडियो मे से एक वीडियो को सिलेक्ट करके राष्ट्र मे प्रसारित किया जाता है साथ ही प्रशस्ति पत्र भी दिया जाता है।

1.विदर्भ–श्रीमती आशा जी मुंदड़ा, 2. उत्तरी राजस्थान–श्रीमती स्नेहलता जी कोठारी, श्रीमती शैलजा चित्तलांगया, 3. मुंबइ–श्रीमती सुरेखा जी बियानी, 4..दिल्ली.. श्रीमती सरोज जी दम्मानी, आशा करते हैं कि ये आप सबको जरूर पसंद आए होंगे।

इस सीरीज़ को आरम्भ करने के पीछे समिति का मुख्य उद्देश्य यह है कि हम रूबरू कराना चाहते है आप सबसे – हमारी सीनियर सिटीजन बहनो के जीवन के खट्टे मीठे संस्मरण, उनके ऐसे अनुभव जो प्रेरणादायक हों उनकी ऐसी प्रतिभा जिससे आज की पीढ़ी अनभिज्ञ हो ऐसे विषय जो लुप्त प्रायः होती संस्कृति को पुनः मुखरित करे ये विडीओ एक ओर जहां उनमे आत्मविश्र्वास की सुखद अनुभूति देंगे, वही दूसरी ओर युवा पीढ़ी के लिए संस्कृतिक धरोहर बनेंगे। इस सीरीज से संबंधित विशेष जानकारी आप सबको देना चाहूँगी – कृपया विशेष ध्यान दे कि विडीओ ऐसा हो कि जिसे देखकर महिलाएं सशक्त हो,प्रेरणादायक हो एवं कोई सकारात्मक विचार आए। लुप्त होती प्रतिभा एवं सांस्कृतिक घटनाओं वाले विडीओज़ को प्राथमिकता दी जायेगी।

उषा मोहन्ता, समिति प्रभारी, महिला अधिकार व उत्थान समिति

''बढ़ते क़दम'' कार्यशाला सम्पन्न

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत कम्प्यूटर नेटवर्किंग एंड एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति द्वारा आयोजित त्रि-दिवसीय बी स्मार्ट विथ ए स्मार्ट फोन वर्कशाप बढ़ते क़दम दिनांक 16-17-18 जनवरी,2021 के प्रथम दिवस उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापतिजी माननीय श्रीमान श्यामजी सोनी, प्रमुख अतिथि अ.भा.माहे. म. संगठन की अध्यक्ष श्रीमती आशाजी माहेश्वरी, विशेष अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्राणी श्रीमती मंजुजी बांगड, समस्त पदाधिकारीगण, सभी भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षाएँ, सभी राष्ट्रीय समिति प्रभारी, सभी प्रदेश अध्यक्ष व सचिव, समिति प्रदेश संयोजिकाएँ, ज़िला सह संयोजिकाएँ, स्थानीय संगठन समिति सदस्यायें एवं सभी प्रदेशों से पधारी बहनों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री ने सभी का स्वागत किया और समिति के कार्यों की एक झलक प्रस्तुत की।सभापतिजी ने समिति के कार्यों की सराहना के साथ बहुमूल्य मार्गदर्शन भी दिया। आपने सम्पर्क ऐप की महत्त्वता को भी सविस्तार बताया। राष्ट्रीय अध्यक्षा आशाजी ने समिति द्वारा प्रदेश संयोजिकाओं को साथ लेकर उनके द्वारा कार्यशालायें लेने पर बधाई देते हुए अपनी शुभकामनायें प्रकट की। राष्ट्रीय महामंत्राणी मंजुजी बांगड ने सभी प्रदेश संयोजिकाओं एवं आंचलिक सह प्रभारियों द्वारा दिये प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि ये प्रशिक्षक किसी प्रोफ़ेसनल से कम नहीं है।कार्यशाला में हमारी टीम के प्रशिक्षकों ने महा सभा के सम्पर्क ऐप एवं ज़ूम ऐप के बारे में बहुत ही अच्छी तरह से सभी को बताया। दर्शकों के प्रश्रनों के उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। महासभा की टेक्निकल टीम के श्री दिनेशजी राठी ने सम्पर्क ऐप से सम्बन्धित प्रश्नों का निवारण किया।575 बहनें जुड़कर इस तकनीकी ज्ञानशाला से लाभान्वित हुई। हम हमारे सभी अतिथियों के अंतर्मन से शुक्रगुज़ार हैं जिनकी उपस्थिति ने बढ़ते क़दम कार्यक्रम की शोभा में अभिवृद्धि कर दी।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस की अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योतिजी राठी ने समिति की कार्यशाला में सम्मिलित किये सभी विषयों के बारे में बताते हुए कहा कि ये सारे विषय के बारे में सभी को सीखना आज के समय अति आवश्यक है।द्वितीय दिवस में हमारे प्रशिक्षकों ने प्रेज़ेंटेशन एवं रिपोर्ट प्रेज़ेंटेशन फ़ॉर्मेट में पर कार्यशाला बहुत ही अच्छी तरह से ली। सभी बहनों के प्रश्नों के उत्तर भी देकर उनकी शंका का समाधान किया। राष्ट्रीय भूतपूर्व अध्यक्षा श्रीमती गीताजी मूँदड़ा एवं श्रीमती सुशीलाजी काबरा ने बहुत ही सुंदर शब्दों में कार्यशाला की समीक्षा की।

तृतीय दिवस के विषय थे यू-ट्यूब चैनल कैसे बनायें व कैसे चलायें टेलीग्राम एप पर विद्या ई-लर्निंग, फोटो कोलाज आडियो-वीडियो के साथ बनाना, इन्विटेशन कार्ड बनाना एवं एक्सेल शीट में डेटा कैसे भरना विषयों पर बहुत ही आसान तरीक़े से सिखाया और सभी के प्रश्नों का उचित उत्तर भी दिया। राष्ट्रीय महामंत्राणी मंजूजी बांगड ने मन की बात सभी से साझा की और राष्ट्रीय अध्यक्ष आशाजी माहेश्वरी ने कार्यशाला पर अपनी समीक्षा प्रस्तुत की। समिति प्रमुख श्रीमती ममताजी मोदानी ने अपना मनोगत प्रस्तुत किया। समिति आंचलिक सह प्रभारी श्रीमती भाग्यश्रीजी चांडक, श्रीमती शोभाजी लखोटिया, श्रीमती विनीताजी डाड, श्रीमती सुशीलाजी माहेश्वरी, श्रीमती अंकिताजी राठी, श्रीमती करुणाजी अट्टल एवं समिति की सभी प्रदेश संयोजिकाओं के अथक प्रयासों का ही परिणाम था त्रि-दिवसीय कार्यशाला ''बढ़ते क़दम''।

उर्मिला कलंत्री, रा. समिति प्रभारी, तकनीक शिक्षा

16 से 24 अप्रैल 2021 को राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा आयोजित ''सखी-2021'' वर्चुअल एक्सपो नई तकनीक से परिपूर्ण होगा जिसकी तैयारी पर विशेष जानकारी

जहां कोरोना काल में बहुत से लोगों ने बहुत कुछ खोया, वहीं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने अपने साथ आबद्ध बहनों के साथ इंटरनेट के माध्यम से एक नई पहल की, और अपनी सभी सदस्यों को कंप्यूटर शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए तरह-तरह की वर्कशॉप ऑनलाइन कि जिससे महिलाएं इंटरनेट फ्रेंडली हो कर सशक्त हो गई। इसी क्रम में अब पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी एवं महामंत्री मंजू बागड़ के कुशल नेतृत्व में संगठन एक कदम आगे बढ़ाते हुए फिर से लाया है, महिलाओं के लिए एक नई योजना जिसके तहत वह अपनी बहनों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं, और यह आत्मनिर्भर योजना शुरू हुई थी 'सखी' फेसबुक ग्रुप के नाम से और अब दूसरे चरण में एक वर्चुअल 'एक्सपो' के माध्यम से इसको आगे बढ़ा रहे हैं जिससे संगठन के साथ जुड़ी हुई महिलाएं वर्चुअल वर्ल्ड में अपनी उपस्थिति पूर्ण रूप से दर्शा सकें और अपने आप को आत्मनिर्भर बना सकें।

इसके लिए इस वर्चुअल एक्सपो को, जो कि वेबसाइट की मदद से ना करते हुए एक 3ऊ वर्चुअल प्लेटफार्म जो 360 डिग्री इन्वायरमेंट पर बनाया गया है, के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा ताकि आने वाले ग्राहक या विजिटर की रुचि इस एक्सपो में बनी रहे।

3डी वर्चुअल प्लेटफॉर्म एनीमेटेड होता है जिसमें हर चीज असल जैसी दिखती है और लोगों की रूचि उसमें बनी रहती है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन पूरे भारत और नेपाल जो कि एक चैप्टर के रूप में संगठन से जुड़ा हुआ है, इस एक्सपो को पैन इंडिया से 100 से उपर स्टॉल लाकर आयोजित कर रहा है। महिला संगठन ग्लोबल रूप से विजिबल इस एक्सपो को और भी रोचक बनाने के लिए महिला संगठन की एक्सपो संयोजक नेपाल निवासी श्रीमती गिरिजा सारडा और एक्सपो टीम कोई भी रास्ता खाली नहीं छोड़ रही, चाहे फिर एक्सपो में स्थित ऑडिटोरियम में बड़े-बड़े स्पीकर्स द्वारा महिला सशक्तिकरण के विभिन्न मुद्दे हों, या फिर महिलाओं के भारत और नेपाल से आये स्टॉल्स, मेले में स्थित सप्लायर्स लाउंज के रूप में महिलाओं को व्यापार में जोड़ने की कोशिश हो, जिससे सीधे मैन्युफैक्चरर्स से महिलाएं जुड़ सकें और साथ साथ बहनों को स्पॉन्सर्स के रूप में जुड़कर ब्रांडिंग और एडवरटाइजिंग का मौका बहुत ही कम मूल्य में देना हो।

इस मेले के माध्यम से अपनी महिलाओं को आने वाले समय में कोई भी वर्चुअल प्लेटफार्म पर अपने सामान को बेच पाने के लिए ट्रेनिंग देना भी एक उद्देश्य है।

इस वर्चुअल एक्सपो की मदद से महिलाओं की आल राउंड ट्रेनिंग होगी जिसमें वर्चुअल वर्ल्ड में अपने आप को एक बिजनेसवुमन की तरह किस तरह स्थापित किया जा सके उसके लिए प्रयोग होने वाले सारे तरीके बताए जाएंगे तथा सीखने के लिए एक मौका भी मिलेगा। एक्सपो की खास बात यह रहेगी कि, यह एक्सपो ऑनलाइन है इसमें ग्लोबल ऑडियंस मिलेंगे और किसी भी तरह का ट्रैवलिंग खर्च स्टॉल लगाने का खर्च, सामान ट्रांसपोर्टेशन का खर्च स्टाफ और उसके रहने खाने का खर्च इत्यादि विभिन्न खर्चों से बचकर कम से कम कीमत पर अपने आपको स्थापित करने का मौका मिलेगा।

उषा मोहन्ता, रायपुर महिला उत्थान अधिकार समिति प्रभारी

पारिवारिक समरसता

काउंसलिंग सेंटर की आवश्यकता व कार्य योजना

आज संयुक्त परिवार के स्थान पर बढ़ते एकल परिवारों में दो पीढ़ी के बीच पर्याप्त संवाद न होने के कारण अनेक सामाजिक समस्याओं ने जन्म लिया है ।

अतः सामाजिक स्तर पर काउंसलिंग सेंटर का होना आवश्यक हो गया है । इन सेंटर्स पर व्यक्ति अपने मन की बात कह कर बीज रूप में पनपी समस्या का समाधान प्राप्त कर सकता है । कुछ विषय स्पेशल ग्रुप्स में चर्चा परिचर्चा के माध्यम से मानसिक बदलाव लाने में सहायक हो सकते हैं और कुछ समस्याये व्यक्तिगत चर्चा के बाद ।

काउंसलिंग सेंटर की रूपरेखा–प्रत्येक गांव या शहर में 4–5 व्यक्तियों की टीम पूर्व निर्धारित समय स्थान व दिन नियमित रूप से बैठना प्रारंभ करें । इसकी जानकारी नगर के प्रत्येक परिवार तक किसी भी प्रचार माध्यम से पहुंचे। जिसमें उस समूह के सदस्यों के नाम व मोबाइल नंबर रहे।

टीम के सदस्यों की अर्हताएँ

1 समय दान

2 स्वभाव में संयम

3 चर्चा को गुप्त रखने की क्षमता

4 अपने अनुभव के आधार पर समझाने की कला

5 धैर्य

6 किसी भी समस्या को सुनकर समूह के सभी सदस्य पहले परस्पर चर्चा करें फिर सलाह दें ।

कुछ विषयों पर वकील, मनोचिकित्सक, डॉक्टर आदि से परामर्श कर सकते हैं इन विशेषज्ञों को टीम का सदस्य माने।*

क्रियान्वयन–1. प्रार्थी की समस्या को ध्यान से सुने ।

2. उससे लिखित में आवेदन ले अथवा टीम सदस्य उसकी बात को लिखकर उसके हस्ताक्षर करवा ले।

3. एक–दो दिन बाद उसे बुलाकर सलाह या सुझाव दें तथा उसे सोचने का समय दें ।

4. समस्या के स्वरूप के अनुसार प्रार्थी द्वारा बताए गए व्यक्तियों की बात भी सुनेउनके बयानों पर हस्ताक्षर ले ले।

5. टीम प्रत्येक प्रार्थी की अलग–अलग फाइल बनावे।

6. चर्चा को सार्वजनिक ना करें ।

7. टीम सदस्य गहनता से विचार–विमर्श करके उचित राय देंगे तो बहुत संभव है कि छोटी–छोटी समस्याएं प्रारंभिक रूप से ही सुलझ जाएगी।

ग्रुप डिस्कशन

किसी भी विषय पर भाषण देना एक औपचारिकता है, परंतु छोटी–छोटी समूह चर्चा अधिक प्रभावी होगी।यह मानसिक परिवर्तन की ओर एक छोटा सा कदम होगा।

1. विवाह पूर्व मानसिक तैयारी ।
2. जीवनसाथी कैसा हो।
3. परिवार में समरसता लाने में मेरी भूमिका ।
4. करियर व परिवार में सामंजस्य ।
5. जीवन संध्या को खुशहाल कैसे बनाएं।
6. लड़कों की उच्च शिक्षा की आवश्यकता।
7. टेक्नोलोजी के कारण बेहतर ग्राम जीवन संभव।
8.संबंध विच्छेद के कारण व निवारण।
9.परंपरा व परिवर्तन कहां तक स्वीकार्य हो।

इस प्रकार और भी सुझाव प्राप्त हो सकते हैं ।मेरा आग्रह है कि इसके लिए रुचि रखने वाले सदस्यों की एक समिति बनाई जाए तथा हर शहर में अनुभवी व्यक्तियों का सहयोग लेकर इसे आगे बढ़ाया जाए।

सौ. गीता मून्दड़ा, इन्दौर

कुछ लोग कहते हैं औरत का कोई घर नही होता हैं लेकिन मेरा यह अनुभव हैं कि औरत के बिना कोई घर, घर नही होता है।

शहर की युवतियों की सोच बदलने की पहल **गठबंधन समिति**

शादी बाद गांव में भी बना सकते हैं करियर

माहेश्वरी समाज ने विवाह योग्य युवतियों को गांव में विवाह के लिए प्रेरित करने के लिए एक अनूठी पहल 'चले गांव की ओर' शुरू की है। इसमें देशभर के विभिन्न गांवों से ऐसी युवतियों के वीडियो मंगवाए गए थे जो उच्च शिक्षित होने के साथ बड़े शहरों में पली-बढ़ी और शादी के बाद गांव में जाकर बसीं। ऐसी 180 युवतियों ने दो-दो मिनट के वीडियो भेजे हैं। इसमें उन्होंने अपने करियर को आधार देने के साथ सुखी वैवाहिक जीवन के अनुभव सांझा किए हैं।

पहल के पीछे मंशा युवतियों में विवाह के लिए जीवनसाथी के चुनाव में बड़े शहर को मुख्य आधार बनाने के चलन से रोकना है। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने बताया कि समाज में बड़ी संख्या में ऐसे युवक हैं जिनका व्यवसाय और पारिवारिक स्थिति अच्छी होने के बाद भी विवाह की उम्र गुजर गई, क्योंकि लड़कियां गांव में विवाह नहीं करना चाहती हैं। गांव में विवाह न करने का कारण जब युवतियों से पूछा जाता है तो वे कहती हैं वहां उनका करियर बच्चों की अच्छी शिक्षा के अवसर और मनोरंजन के साधनों का अभाव होना है। हम उन्हें समझाना चाहते हैं कि अब गांवों की स्थितियां बदल चुकी हैं। इंटरनेट के समय में वे अपना करियर गांव में भी बना सकती हैं।

शादी से पहले नाम भी नहीं सुना था

मैं कानपुर में पली-बढ़ी, शादी से पहले तक मैंने सुजानगढ़ जो राजस्थान में है, उसका नाम भी नहीं सुना था। पापा ने जब यहां से रिश्ता आने की जानकारी दी तो मैं चौंक गई, लेकिन उनके कहने पर मिली और अपनी बात रखी। आज मैं यहां परिवार के सहयोग से अपना करियर बना चुकी हूं।

-राधिका माहेश्वरी

जगह महत्वपूर्ण नहीं, लोग अच्छे होना चाहिए

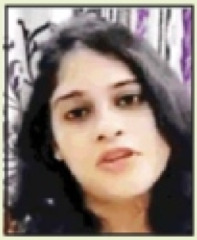

मेरी परवरिश चेन्नई में हुई। शादी के बाद सिक्किम की एक छोटी जगह पर पिछले ढाई साल से रह रही हूं। यहां के लोग और रहन-सहन व उनसे मिले प्यार-सम्मान ने मेरी सोच बदलकर रख दी। शादी में जगह महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि लोग अच्छे होने चाहिए। अब गांव तेजी से विकास कर रहे हैं। यहां भी लोग अपना करियर बना रहे हैं।

-अर्पणा लखोटिया

पहले ख्याल आया वहां कैसे रहूंगी, अब फैसले पर खुश

मेरी परवरिश विशाखापट्टनम में हुई और हैदराबाद-बैंगलुरु में नौकरी की। जब मेरे सामने दुमका झारखंड में रहने की बात आई तो ख्याल आया वहां कैसे रहूंगी, लेकिन अब दो साल बाद मैं अपने फैसले से खुश हूं। यहां के लोग और उनकी मिलनसारिता के साथ रहना अच्छा अनुभव है।

-साक्षी मंत्री

मानसिकता बदलें

समाज की राष्ट्रीय ग्रामीण समिति की राष्ट्रीय प्रभारी निर्मला बाहेती का कहना है कि गांवों में विवाह न करने की सोच इन वीडियो के माध्यम से बदलने का प्रयास किया जा रहा है। इन वीडियो को समाज के आयोजनों में दिखाने की शुरुआत की गई है। साथ ही युवतियों को बताएंगे कि लड़का सिर्फ छोटे शहर या गांव में रहता है इसलिए विवाह से इन्कार न करें।

छोटे शहरों के युवकों को आती है परेशानी

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी का कहना है कि लड़कों को समाज में शादी के लिए लड़कियां तलाशने में काफी मुश्किलें आती हैं। यह समस्या ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले युवाओं के लिए कई गुना अधिक है। इसके चलते योग्य होने के बावजूद कई युवाओं की शादी की उम्र गुजर गई। इसके लिए महिला संगठन के बैनर तले चले गांव की ओर अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के जरिए पिछले कुछ सालों में गांव की बदली हुई तस्वीर भी समाज के सामने रख रहे हैं।

– **शर्मिला राठी**, समिति प्रभारी

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति

परवरिश : संस्कार से संसार तक

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति और बाल संस्कार एवं किशोरी विकास समिति के अंतर्गत परवरिश : संस्कार से संसार तक कार्यक्रम का शुभारंभ महेश वंदना से किया गया तत्पश्रचात राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजू जी बांगड़ ने समाज हित में ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन प्रतिबद्धता हेतु शुभकामना संदेश प्रेषित किया पश्रचात राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा जी महेश्रवरी ने स्वागत उद्बोधन दिया जिसमें उन्होंने उपस्थित अतिथियों को संस्था के कार्यो की जानकारी भी प्रदान की । अतिथि लायंस क्लब इंटरनेशनल के पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन श्याम मालपानी जी ने लायंस क्वेस्ट के कार्यक्रमों की जानकारी दी । उसके पश्चात श्रीमती शोभा जी भूतड़ा ने मुख्य वक्ता लायंस क्वेस्ट की प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुनीता जी मालपानी का परिचय दिया श्रीमती मालपानी ने बड़े ही सुंदर ढंग से एवं अत्यंत सरल भाषा में परवरिश कैसी होनी चाहिए विषय पर प्रकाश डाला।घर में कुछ नियम बनाए जिन्हे हम भी अपनाए। बच्चों की कभी भी तुलना ना करें उनकी labelling भी ना करें और ना ही उनसे किसी काम की जबर्दस्ती करें। हम बच्चों को कम से कम टोका टाकी करें साथ ही उन्होंने बताया कि हमारे चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट होनी चाहिए ताकि बच्चे भी बदले में मुस्कुराए जब भी मौका मिले बच्चों की सराहना करेंबच्चों के साथ खेलें, उन्हें कहानी सुनाएं ये कुछ ऐसे टिप्स है जिन को फॉलो कर दादी नानी भी बच्चों के विकास में सहायक बन सकती हैं। उसके पश्चात व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति की राष्ट्रीय प्रभारी जो की लायंस क्वेस्ट कार्यक्रम की नेशनल ट्रेनर भी हैं श्रीमती नम्रता बियानी ने कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की बाल संस्कार समिति की ज्योति जी बाहेती एवं नीतू जी सोमानी ने प्रश्रन उत्तर पूछ कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया अंत में आभार ज्ञापन का कार्य बाल संस्कार एवं किशोरी विकास समिति की प्रभारी श्रीमती निर्मला जी मारू ने किया। कार्यक्रम का संचालन व्यक्तित्व विकास समिति की उत्तरांचल सह प्रभारी डॉक्टर उर्वशी जी साबू ने किया।

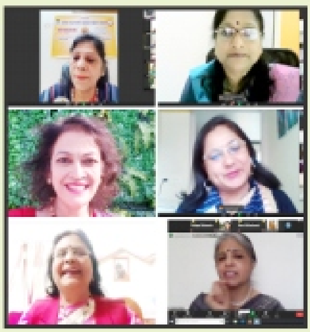

सौ. नम्रता बियाणी

राष्ट्रीय व्यक्तित्व विकास समिति प्रभारी

प्रेरणा से प्रतिभा तक

समाज के गौरव

सौ. अर्चना मूंदड़ा, मैराथन धाविका

47वर्ष की आयु में बेटे का कहा एक वाक्य ''मां आप मोटी हो रही हैं'' आपका प्रेरणा स्त्रोत बन गया, और आप अपनी फिटनेस की ओर ध्यान देने लगी, आपने जिम ज्वाइन किया साथ ही रनिंग की शुरुआत भी कर दी और फिर अपनी लगन और नियमित प्रयास से आपने पहली ऑफिशियल रन 10 किलोमीटर की दिसंबर 2016 में जयपुर में तय की ।

पति बच्चों और परिवार की हौसला अफजाई ने आपका मनोबल बढ़ाया ओर आपकी लगन ने आपको आगे ही आगे बढ़ाया, फिर आपने पीछे मुड़कर नहीं देखा। ओर फिर शुरू हो गया लगातार मेराथन में भाग लेने का सिलसिला। अभी तक आपने 30 से अधिक हाफ मैराथन (21.9 किलोमीटर) एक फूल मैराथन जो कि विश्व की सबसे ऊंचाई वाली मैराथन, (11700 फीट जहां ऑक्सीजन लेवल बहुत कम मात्रा में रहता है) पूरी की । इसमें दो बार टाटा मुंबई मैराथन, अदानी अहमदाबाद आदि मैराथन प्रमुख रूप से शामिल है । हाल ही में 26

जनवरी 2021 को 72 किलोमीटर की अल्ट्रा नेशनल फ्लैग रन में राजस्थान की एकमात्र धावक के रूप में आपने भाग लिया व निर्धारित समय से पूर्व ही 11 घंटे 53 मिनट में अपनी दौड़ पूरी की। 1 फरवरी से 6 फरवरी 2021 को केदारकंठ में आपने ट्रैकिंग भी की है। आपका मानना है कि महिलाओं में बहुत कुछ करने की क्षमता होती है जिसे वे परिवार के सहयोग से निखार सकती है, बस आप में जुनून होना चाहिए।

"Age is just numbar" यह आपका कहना है।

सौ. रुपाली गाँधी गृहमंत्री द्वारा ''नारी सम्मान'' से विभूषित

आज की जरूरत ''गर्भ संस्कार''

सौ. रुपाली हरीश गाँधी, डोंगरगांव, सुपुत्री– श्री शोभालाल जी गांधी, ''गर्भ संस्कार'' पुस्तिका की लेखिका है तथा संयोजिका– बाल एवं किशोरी विकास समिति छ.ग. है। Management member and value education department gayatri vidya peeth cbse school Co ordinator Member n speaker in "National level garbh sanskar comette"

International conference of prenatal devel opment n garbh sanskar arranged by US- and lonavla kendr इसमें 9 देश की भागीदारी मे 350 सदस्यों में भारत से 14 प्रतिभागी में रुपाली जी का चयन हुआ।

बस्तर के सुदूर अंचल गांव में 7 दिवसीय दौरे में गर्भ में बचो को कैसे संस्कार दे महिलाओं को इसकी traing दी गई चिकित्सको की राष्ट्रीय संगोष्ठी हरिद्वार में 45 min का गर्भ संस्कार का प्रेजेंटेशन दिया।

Chattisgarh electricity *board+raipur corporate sector prenatal developmment p presen-

tation भारत में first university गर्भ संस्कार पर book तैयारमें एक unitगर्भ संवाद का लेखन रुपाली द्वारा university approved हुआ। छत्तीसगढ़ राज्य के गृह मंत्री ताम्रध्वज साह जी के द्वारा युवा दिवस पर ''गर्भ संस्कार'' के अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में गर्भवतियों को प्रशिक्षित करने हेतु नारी सम्मान certificate प्रदान कर सम्मानित किया।

''इतिहास रच दिया'' गुजराती की बेटी एकता (शाह) केला ने संपूर्ण माहेश्वरी समाज का नाम ''मंगल ग्रह'' तक पहुंचा दिया

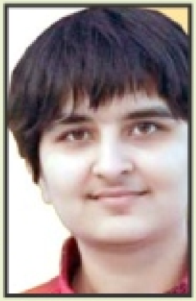

मंगल ग्रह जो कि पृथ्वी से सबसे दूर है और जहां जीवन की संभावना अभी आने वाले कई दशकों तक नहीं है, ऐसी जगह गुजरात के आनंद गांव की बेटी एकता केला ने संपूर्ण माहेश्वरी समाज का नाम अपनी अद्भुत प्रतिभा एवं कल्पनाशीलता से पहुँचा दिया है।

गुजरात के आनंद कस्बे में रहता है केला परिवार। परिवार के प्रमुख हैं श्री अर्जुन केला। इनकी एक बिटिया जिसका नाम एकता है। एकता ने 12वीं तक गुजराती मीडिया में पढ़कर एम.ए. यूनिवर्सिटी (बड़ोदा) से बी.एससी. फिजिक्स की डिग्री प्राप्त की और भारत की पहले नंबर की कॉलेज बॉम्बे आईआईटी से एमएस फिजिक्स की मास्टर डिग्री प्राप्त की। एकता वर्तमान में यूएसए में 2015 से पी.एच.डी,. कर रही हैं।

एकता ने नासा द्वारा चलाया गया केम्पेन ''सेंड यूअर नेम टू मास'' में हिस्सा लेकर सिर्फ अपना नहीं, अपने परिवार का नाम, अपने स्थानीय समाज का भी नहीं, पूरे देश के माहेश्वरी समाज का नाम ''ऑल माहेश्वरी समाज'' के नाम से 2019 में रजिस्ट्रेशन करवाया था। एकता से बात करने पर उसने कहा कि व्यक्तिगत नाम भेजने के बजाय मेरी एवं परिवार की सोच थी, कि यदि माहेश्वरी समाज का नाम मंगल ग्रह पर पहुंच गया तो हम सबका नाम तो यूं ही मंगल ग्रह पहुंच जाएगा। एकता ने ''ऑल माहेश्वरी समाज'' का रजिस्ट्रेशन कराया था। उसे नासा ने एक बेहद महीन चीप (हमारे सिर के बाल के दस हजारवें हिस्से जितनी पतली) में यह नाम को बदल दिया। पृथ्वी से मंगल ग्रह की दूरी 47 करोड़ किमी है, यान को पहुंचने में लगे छह महीने।

हमें बताते हुए गर्व हो रहा है कि लांचिंग के 6 माह बाद यह यान 47 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय करके सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर पहुंच गया। नासा के यान में भेजी गयी चीप द्वारा हमारी बेटी एकता ने संपूर्ण माहेश्वरी समाज का नाम उस मंगल ग्रह पर पहुंचा दिया जहां अभी तक कोई इन्सान नहीं पहुंचा है। नासा ने एकता को यादगिरी के रूप में अपनी ऑफिसियल वेबसाइट और लोगो के साथ आल माहेश्वरी समाज के नाम का बोर्डिंग पास इश्यू किया है, जिसकी कापी एकता के परिवार ने माहेश्वरी समाज को अर्पित की है।

तानिया डागा को बधाई : एक पैर से साइकिलिस्ट

दिनांक 15 जनवरी 2021 को पश्चिमी म.प्र.के ब्यावरा ज़िला के माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा ब्यावरा की होनहार बिटिया सुश्री तानिया डागा का शाल श्रीफल सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया गया। ज्ञात रहे की तानिया डागा एक दुर्घटना में अपना एक पाव गंवा चुकी उसके उपरांत भी उसका हौसला काबिले तारीफ रहा की उसने कश्मीर से कन्याकुमारी तक 3500 किलोमीटर साइकिल एक ही पैर से चलाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया वह भारतवर्ष की एकमात्र महिला पैरा साइकिलिस्ट बनने का गौरव प्राप्त किया व ब्यावरा शहर का नाम पूरे भारतवर्ष में रोशन किया सुश्री तानिया ब्यावरा के प्रतिष्ठित डागा परिवार की पुत्री हैं तानिया के जज्बे को पूरा माहेश्वरी समाज सलाम करता है।

ममता राठी, जलगाँव (एक उद्योजिका एवं समाजसेविका)

बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी, बुद्धिमता और कलात्मकता का अभूतपूर्व संगम है, जलगांव की सौ. ममता राठी। आपने कमर्शियल आर्ट और इंटीरियर डिजाइनिंग की शिक्षा प्राप्त कर खुद की उम्मीदों को साकार करने का प्रयास करते हुए ग्लास फेक्टरी का कारोबार प्रारंभ किया। जहां म्यूरल्स, पेंटिग्स, लेजर कगि, स्कल्पचरर्स, माडयूलर किचन मंदिर, जैसे इंटीरियर में लगने वाले आर्ट वर्क तैयार होते हैं। इनके बनाये मोमेन्टोज अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, प्रतिभा ताई पाटिल भारत की राष्ट्रपति आदि देश-विदेशों के मान्यवरों को प्रदान किये गये हैं।

विभिन्न उपलब्धियां-(1) मुंबई में 2019 में इंटरनेशनल समारोह में भारत का सर्वश्रेष्ठ ग्लास शो रूम अवार्ड लगातार तीन बार मिला। (2) महाराष्ट्र उद्योगिनी पुरस्कार डी.जे. मालपानी अवार्ड, ग्लास बुलेटिन अवार्ड, उद्योग हिरकणी, खानदेश कलारत्न जैसे पुरस्कारों से नवाजी गई। (3) 2016-17 में चीन में शंघाई और बीजिंग में ग्लास बिजनेस ग्रुप में अकेले महिला प्रतिनिधि के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। (4) बेस्ट क्रियेटिविटी एंड एनोवेशन इन डेकोरेटिव ग्लास। (5) सर्वश्रेष्ठ स्टॉल वास्तु निर्मित एवं औद्योगिक प्रदर्शन तथा माहेश्वरी महिला संगठन औद्योगिक मेला इन्दौर, रोटरी बिल्डकॉन धुले, कंस्ट्रक्शन ट्रेड फेयर शिरपुर फेस्टिवल आदि में भी प्राप्त किया।

उद्यमी के साथ-साथ समाजसेविका भी हैं। ''एक पेड़ हर प्रसंग'' के लिए ये विचार से सबको प्रेरित कर जन्म या मृत्योपरान्त स्मृति में पेड लगाने हेतु प्रेरणा दी। वटपूर्णिमा पर सबसे 11-11 पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना व पेड़ों का जीवन में महत्व समझाया। मंदबुद्धि एवं मूक बधीर बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर रोजगार दिलाने का प्रयास करती है, रोशनी नाम की मंदबुद्धि बच्ची को गोद भी लिया। दीपावली पर कचरा बीनने वाले एवं भिखारी बच्चों को बुलाकर उन्हें नहलाया, नाखून काटे, नये कपड़े पहनाये, बच्चों को अच्छा भोजन कराया, उनके साथ खेल खेले, मिठाई व पटाखे भी दिए।

कोरोना संक्रमण काल में पैदल, ट्रकों व बसों से जाने वाले मजदूरों को एक श्रमिक केंद्र स्वयं ने बनाकर 24 घंटे मदद की। 9 महीने तक प्रतिदिन खाना, पानी, बिस्किट, ब्रेड, दवाइयां उपलब्ध कराई और जिले की बार्डर तक स्वयं के वाहनों से छुड़वाया भी। ''विजय फाउंडेशन'' जो उनके भाई का है उनके साथ मिलकर 25 हजार लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इन सब कार्यों में ममता के साथ पति मिलिंद राठी व बेटी दीक्षा राठी भी पूर्ण सहयोग करते हैं एवं अपना जन्मदिन अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम एवं मंदबुद्धि बच्चों के साथ मनाते हैं। ऐसी सेवाभावी ममता के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

इंजीनियर शालिनी चितलांगिया

इंजी शालिनी सौरभ चितलांगिया राजनांदगांव छत्तीसगढ़ की रहवासी है।

Teacher, Computer Engineer,Writer, Poet-ess, -strologer,-anchor,Chef, Motivational Speaker,Vedic maths Tutor,Online Event Handler, Social Worker, animal lover ऐसे कुछ शब्द इनके व्यक्तित्व की पहचान हैं।......

माहेश्वरी वुमन ऑफ अर्थ,साहित्य सृजन रत्न, श्रवण कुमार रत्न, तेजस्विनी अवार्ड,मानव सेवा सम्मान,महात्मा गांधी सम्मान ऐसे कुछ कीर्तिमान से नवाजी गई है। कुछ तारे तो ये तोड़ लाई हैं, पर अब लक्ष्य इनका बड़ा है, पूरा आसमान नापना है।

श्रीमती किरण मूंदड़ा, नागपुर ''तेजस्विनी महिला''

समाजसेवी, काउंसलर, मोटिवेशनल स्पीकर, स्वच्छता, पर्यालवरण संरक्षण, संस्कारों और संस्कृति के संवर्धन व प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने हेतु 2017 से कार्यरत है। शहर के प्रमुख चौराहों को गोद लेकर उनका सौंदर्यीकरण व पॉलिथीन के प्रयोग पर पाबंदी हेतु मुप्त कपड़े की हजारों थैलियों का विवरण, होली पर ईको फ्रेंडली होली पियरी उपलब्ध करवाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ गौशाला में सहयोग का प्रयास किया। उत्कृष्ट सफाई करने वाले कर्मियों का सोने-चांदी के सिक्के, शाल व श्रीफल से सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहन देने का कार्य प्रारंभ किया। श्री महेश्वर वानप्रस् थ आश्रम, वृद्धाश्रम प्रारंभ कर बुजुर्गों को स्नेह, सम्मान, मनोरंजन व उत्साह वर्धन के कार्यक्रम की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाती ह। स्मार्ट गर्ल ट्रेनर के रूप में नागपुर से एकमात्र महिला ट्रेनर बनकर किशोरियों के आंतरिक व मानसिक सक्षमीकरण के लिये कई वर्कशाप आयोजित की। श्रीमद भागवत गीता में गहन आस्था रखते हुए गीता की प्रचारक है एवं गीता वर्ग का आयोजन करती हैं।

''उपलब्धियां एवं अवार्ड''-तेजस्विनी महिला मंच अवार्ड, टाइम्स ऑफ इंडिया 2019 वुमन अचीवर्स अवार्ड, वुमन भास्कर अवार्ड, बेस्ट महिला मंडल नागपुर महानगर, पालिका सम्मान 29020 से सम्मानित, विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन -'उड़ान पुरस्कार, साहित्य के दमकते सितारे अवार्ड, विशिष्ट सेवा सम्मान, बेस्ट ट्रेनर सम्मान आदि पुरस्कारों से नवाजी गई हैं। प्रभावी मंच संचालन आपका शौक है। सामाजिक संस्थाओं में भी सक्रिय भूमिका निभाती हैं। बधाई।

श्रीमती कृष्णा खटोड़, कूच बिहार

(एक्यूप्रेशर एवं चुम्बकीय चिकित्सक)

श्रीमती कृ ष्णा विनोदजी खटोड़ का जन्म 29 सिंतबर 1956 को पश्रिचम बंगाल के कूचबिहार में हुआ था। स्नातक तक की शिक्षा, स्थानीय विद्यालय और कॉलेज में अर्जित की। आपके तीन पुत्र है। आपके मंझले पुत्र की जन्म से ही श्रवणशक्ति अत्यधिक कमजोर थी। आपने उनका देशभर के प्रमुख चिकित्सकों से परामर्श और इलाज कराया परंतु कोई प्रमुख सफलता हाथ न आई। इसी बीच आपको accupressure पद्दति से विभिन्न रोगों और विकारों को ठीक करने के बारे में पता चला। शहर बनारस में उन दिनों अकोला निवासी स्व पूनमचंद राठी, जो कि एक प्रख्यात accupressure चिकित्सक थे; का accupressure संबंधित एक शिविर लगाया गया था। श्रीमती खटोड़ ने उस शिविर में accupressure संग magnetotherapy (चुम्बकीय चिकित्सा) के बारे विभिन्न जानकारियां अर्जित करी और उन विधियों से अपने पुत्र का इलाज चालू किया जो कि अत्यंत लाभकारक सिद्ध हुआ। आपने तत्पश्चात इस विद्या को पूरी शिद्दत से पढ़ा, सीखा और शैने-शैने अपने समकक्ष, सगे संबंधियों, रिश्तेदारों, मित्रों आदि को उनके रोगों का उपचार बताने लगी।मातारानी में असीम आस्था रखने वाली श्रीमती खटोड़, ने समाज सेवार्थ, निशुल्क अपना एक रोग निदान सेंटर चालू किया जहां प्रतिदिन कई मरीजों को उनके जटिल रोगों से निजात दिलाने की विधियां बताई जाती है। एक कुशल गृहणी होने के साथ आप एक सहृदय और सरल व्यक्तित्व की स्वामिनी है जिन्होंने असंख्य लोगों को सरल, घरेलू विधियों द्वारा उनके रोगों से छुटकारा दिलाया।

जालौर जिले की बिटिया कामाख्या राठी का इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्डस में नाम

जालौर जिले के सांचौर निवासी स्व:श्री पीताम्बर दास राठी(तहसीलदार)की पोती कामाख्या राठी पुत्री सुनील कुमार राठी को गूगल गर्ल्स ओर पोयम किंग के नाम से जानी वाली 8 वर्षीय (जन्म 29 मार्च2012) बच्ची ये है । इस बालिका ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्डस में एक अभिनव रिकॉर्ड बनाया है ।राठी मात्र 17 सेकंड में भारत के सभी राज्यों की राजधानी व राज्यों के नाम बताने में सफल हुई और साथ ओर रिकॉर्ड बनाया उसमें 12 सेकेंड में पाई की दशमलव के बाद कि 100 तक कि संख्या बताने का भी कौशल है। एवम 2मिनट में 170 से ज्यादा देश व उनकी राजधानी बता देती है । राठी को 100 से ज्यादा कविताएं कंठस्थ है। मात्र ढाई साल की उम्र से गुजरात व देश के कई अखबारों सहित टीवी चैनलों पर आ चुकी है ।ये अभी गुजरात राज्य के गाँधी नगर के केंद्रीय विद्यालय1 सेक्टर30 के कक्षा 4 में पढ़ती है । बिटिया को बहुत बहुत हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें।

श्रीमती रेणु लड्ढा, वाराणसी, निःशुल्क कोचिंग बच्चों को संस्कार के साथ

सौ. रेणु लढ़ा ने अपने भतीजे की प्रेरणा से व अपने स्वसुर स्व. राम कृष्ण लड्ढा के साथ ग्रामीण बालकों व बालिकाओं की नींव सुदृढ़ हो, इस उद्देश्य से लगभग 10 वर्ष पूर्व निःशुल्क अध्यापन का कार्य मात्र 4 बच्चों से प्रारम्भ किया। भगवान की अहैतुकी कृपा से इस कार्य में आनन्द आने लगा व शनैः शनैः यह लगन बढ़ती गयी।

आज नर्सरी से कक्षा–8 तक के बच्चों को जो फीस देने में असमर्थ हैं व माता–पिता पढ़े लिखे नहीं हैं उन्हें पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करती रही । लड्ढा एकेडमी नाम से अभी लगभग 90 बच्चे इस अध्ययन का लाभ प्राप्त कर रहें हैं । इस कार्य में दो अध्यापिकाओं को भी नियुक्त किया हुआ है व दो सत्र में निस्वार्थ भाव से अध्यापन कार्य चल रहा है। बच्चों को आवश्यकतानुसार कापी, पेंसिल, रबर व कटर आदि भी समय–समय पर प्रदान किया जाता है। प्रार्थना में बड़े बच्चों द्वारा गीता जी नित्य पठनीय पाँच श्लोक जो कि स्वामी रामसुखदास जी ने बताये हैं किये जा रहे हैं जो निम्न हैं:

अजोऽपि सन्नव्ययात्मा भूतानामीश्वरोऽपि सन ।
प्रकृति स्वामधिश्ठाय सम्भवाम्यात्ममायया ।।
यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम ।।
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुस्कृताम ।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।
जन्म कर्म च मे दिव्यमेवं यो वेत्ति तत्त्वतः ।
त्यक्तवा देहं पुनर्जन्म नैति मामेति सोऽर्जुन । ।
वीतरागभय क्रोधा मन्मया मामुपाश्रिताः ।
बहवो ज्ञानतपसा पूता मद्भावमागताः ।।

समय–समय पर पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत वृक्षारोपण कार्यक्रम भी करवाते रहते हैं।

समाज सेवा के कार्यों में विशेष रुचि रहती है। आप स्टार हेल्थ एंड एलाईड इंश्योरेंस कंपनी में अभिकर्ता के रूप में कार्यरत हैं।

नारी का सम्मान करना, माँ का सम्मान करना हैं. माँ का सम्मान करना,
भगवान का सम्मान करना हैं. जो व्यक्ति सच्चे दिल से भगवान का सम्मान करता हैं,
वही आनन्द से भरा हुआ जीवन जीता हैं.

डॉ. विनीता पवन माहेश्वरी बनी ''मिसेज इंडिया वेस्ट जोन''

मिसेज इंडिया की राष्ट्रीय स्पर्धा में अंतिम टेलेंट राउंड में संगीतमय योग का प्रस्तुतीकरण कर अकोला की डॉ. विनीता पवन माहेश्वरी ने मिसेज इंडिया वेस्ट का सम्मान प्राप्त किया। भारत में की ली डिवाइन व नरूलाज एन कंपनी इन प्रसिद्ध कंपनियों द्वारा आयोजित व प्रायोजित भारत पश्चिम विभाग मिसेज इंडिया यह राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा आगरा में 20 दिसम्बर 2020 को ली गई। देशभर में स्पर्धा में शामिल हुए स्पर्धकों का चयन किया। अकोला के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. एन.के. माहेश्वरी व समाजसेवी डॉ. तारा माहेश्वरी की बहू व रायपुर के स्व. मदनलालजी व श्रीमती दुर्गादेवी पुंगलिया की सुपुत्री तथा अकोला के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्था बेरार जनरल एज्युकेशन सोसायटी के मानद सचिव व युवा उद्योजक पवन माहेश्वरी की पत्नी है। डॉ. विनीता माहेश्वरी ने मैनेजमेंट में पी.एच.डी. की है। व योग के संदर्भ में उनका योग विथ विनीता नाम से यू ट्यूब चैनल है। जो योगा के चमत्कारिक परिणामों से जनता को अवगत कराता है।

PROUD OF THIS LITTLE MAHESHWARI GIRL FROM CHENNAI WHO CREATES WORLD RECORD

Shree Maheshwari Yuva Mandal CONGRATULATES

3 years old Nitanshi Bagri (D.O.B 09.02.2018) Grand Daughter of Sri ShreeMohan 9884015393 Smt.Neelam Bagri and daughter of Aditya 9884689019 Vrinda Bagri (Chennai) has been registered in the International Book of Records as The youngest to arrange both sides of chessmen on chess board.

She achieved the record on 4th February 2021.

विशाल हृदया जगत जननी जानकी माता ''तिनके का रहस्य''

माँ सीता ने सभी को खीर परोसना शुरू किया, और भोजन शुरू होने ही वाला था की ज़ोर से एक हवा का झोका आया। सभी ने अपनी अपनी पत्तलें सम्भाली,सीता जी बड़े गौर स सब देख रही थी।

ठीक उसी समय राजा दशरथ जी की खीर पर एक छोटा सा घास का तिनका गिर गया जिसे माँ सीता जी ने देख लिया। लेकिन अब खीर मे हाथ कैसे डालें ये प्रश्न आ गया। माँ सीता जी ने दूर से ही उस तिनके को घूर कर देखा वो जल कर राख की एक छोटी सी बिंदु बनकर रह गया। सीता जी ने सोचा 'अच्छा हुआ किसी ने नहीं देखा'। लेकिन राजा दशरथ माँ सीता जी के इस चमत्कार को देख रहे थे। फिर भी दशरथ जी चुप रहे और अपने कक्ष पहुचकर माँ सीता जी को बुलवाया । फिर उन्होंने सीताजी जे कहा कि मैंने आज भोजन के समय आप के चमत्कार को देख लिया था ।

आप साक्षात् जगत जननी स्वरूपा हैं, लेकिन एक बात आप मेरी जरूर याद रखना।

आपने जिस नजर से आज उस तिनके को देखा था उस नजर से आप अपने शत्रु को भी कभी मत देखना।

इसीलिए माँ सीता जी के सामने जब भी रावण आता था तो वो उस घास के तिनके को उठाकर राजा दशरथ जी की बात याद कर लेती थी।

तृण धर ओट कहत वैदेही
सुमिरि अवधपति परम सनेही
यही है उस तिनके का रहस्य !

इसलिये माता सीता जी चाहती तो रावण को उस जगह पर ही राख़ कर सकती थी, लेकिन राजा दशरथ जी को दिये वचन एवं भगवान श्रीराम को रावण-वध का श्रेय दिलाने हेतु वो शांत रही ! ऐसी विशलहृदया थीं हमारी जानकी माता !! **।। जय जय सीताराम ।।**

12 वर्षीय प्रार्थना मानुधने ने जीता 2020 का इंडिया व्हाईस फेस्ट अवार्ड

होनहार बिरवान के होत चिकने पात... 2020 में डबिंग लाईव एक्सन हिन्दी फीमेल केटेगरी में उभरते सितारे का खिताब प्राप्त किया। इस सीरिज में उसने एस्पराजा के करेक्टर की आवाज दी है प्रार्थना ने सर्फ एक्सल के होली के विज्ञापन में आवाज दी है। वर्तमान में फेंसी, नेन्सी फॉर डिज्नी जूनियर, टाइपराइटर, रेजिंग डाईन एंड गो–गो कारी कार्सन में नेट फ्लीक्स अनलॉक आज जी–5 आदि में विज्ञापन के वीडियो में भी काम कर रही है। इन्दौर की बेटी मां इंदु माहेस्वरी एवं पिता भावेश मानुधने एवं नानी शोभा माहेश्वरी को छोटी सी उम्र से ही गौरवान्वित कर रही हैं। उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ

रीना डाड

राष्ट्र भाषा हिंदी प्रचार समिति महाराष्ट्र पुणे द्वारा इस बार का वार्षिक राष्ट्रीय स्तर का सममान महिला संस्थान भीलवाड़ा की रीना डाड को भेंट किया जा रहा है। श्रीमती डाड विभिन्न शैक्षमिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं के माध्यम से हिंदी के प्रचार प्रसार में अपना सराहनीय योगदान दे रही हैं। श्रीमती डाड, भीलवाड़ा में नगर माहेश्वरी महिला संगठन की नगर मंत्री पद पर हैं। श्रीमती डाड ने व्रत–त्योहारों पर सम्पूर्ण विधि–विधान से पूजन विधि व गीतों के वीडियो भी बनाए हैं, जिसमें आपकी सुमधुर वाणी व आवाज को सभी ने सराहा है। आपके कई वीडियो जारी हो चुके हैं। आप इसका श्रेय सासुमां एवं ससुर गीतादेवी–सत्यनाराणजी डाड, माता–पिता सुमित्रा–हरीशचंद्र माहेश्वरी एवं पति संजय डाड को देती हैं।

भाविका माहेश्वरी

समाज सदस्य राजेश माहेश्वरी की सुपुत्री 11 वर्षीय भाविका माहेश्लवरी कक्षा छटवींकी छात्रा हैं। कोरोना महामारी में उर्न्हिोंने समय का सदुपयोग करते हुए रामकथा का अभ्यास किया। इसमें उनके माता–पिता का पूरा सहयोग व प्रोत्साहन व प्रोत्साहन मिला, जिसके परिणाम स्वरूप आज भाविका व्यास कथाकार के रूप में उभरकर सामने आ रही हैं। भाविका मूलतः शेरगढ़ जोधपुर राजस्थान से हैं। भाविका ने 1 वर्ष पहले पबजी पर पाबंदी की मांग की थी। हाल में केन्द्र सरकार ने पबजी सहित 119 चाइनीज एप को बैन किया है। भाविका ने राम मंदिर निर्माण हेतु 4 कथाएं की, जिससे 50 लाख रुपए की राशि राम मंदिर ट्रस्ट को भेंट की। आपके इस सराहनीय कार्य के लिए माहेश्वरी समाज गौरवाविन्त है। आपके उज्वल भविष्य की कामना करता है।

स्त्रियों की स्थिति में सुधार न होने तक विश्व के कल्याण की कोई कल्पना नहीं हो सकती. किसी पंक्षी का एक पंख के सहारे उड़ना बिलकुल असम्भव हैं।

उत्तरांचल पदाधिकारी द्वारा प्रदेशों के भ्रमण से छा गया उल्लास और उमंग

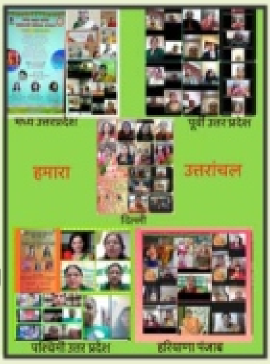

भ्रमण

उत्तरांचल राष्ट्रीय पदाधिकारियों का हुआ प्रदेशों में पदार्पण,
सीमाओं को संभावनाओं में परिवर्तित करने हेतु संपन्न हुआ भ्रमण।
अखिल भारतीय संगठन ने 2021 में भ्रमण और अधिवेशन का जोडा अध्याय,
5 प्रदेशों के अध्यक्षों व मंत्रियों के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरण जी लढा
व संयुक्त मंत्री शशी जी नेवर ने किया यह कार्य ।
11 जनवरी से 22 फरवरी तक प्रदेशों ने दोनों का किया आतिथ्य,
एक प्रदेश के भ्रमण में मिला, राष्ट्रीय महामंत्री मंजू जी बांगड का सानिध्य ।
कोरोना महामारी भयावह है सभी आपदाओं में, इसलिए संपन्न हुआ भ्रमण वर्चुअल सभाओं में ।
सभी जिलों के अध्यक्ष ,मंत्री व पदाधिकारी थे उपस्थित,
हुआ समाधान समस्याओं का जिनसे स्थानीय संगठन थे व्यथित।
राष्ट्रीय संगठन के निर्देशानुसार सभी विषयों को समझाया,
क्यों जुडना आवश्यक है 'संपर्क एप' से, इसका लाभ भी बतलाया ।
चिन्हित कर आपदा प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता दिलवाना,
सशक्त महिलाओं का 8 मार्च महिला दिवस पर सम्मान करवाना ।
'सखी' आत्मनिर्भर योजना के तहत व्यवसायिक बहनों को मिली वर्चुअल मेले की जानकारी,
मोदी जी का दोहराया आह्वान कि स्वदेशी का प्रयोग पडे हर विदेशी पर भारी।
अखिल भारतीय संगठन द्वारा दी जाने वाली सहायता हेतु जीरो बैलेंस अकाउंट खुलवाने को दी गई प्रेरणा,
बतलाया कि क्यों जरूरी है ग्रामीण क्षेत्रों के अविवाहित बच्चों के बायोडाटा गठबंधन पर डालना ।
स्थाई प्रकल्प की जानकारी में महिला पत्रिका के नए सदस्य बनाना,
देशभर के महिला संगठनों के कार्य व योजनाएं सभी तक पहुंचाना ।
जरूरतमंद परिवारों की ख्वाहिशें न रह जाए अधूरी,
इसलिए दी गई महासभा के विभिन्न ट्रस्टों की जानकारी पूरी।
सभी समितियों द्वारा किए गए कार्यों का विवरण भी है इसमें समाहित
सामाजिक उन्नति के सभी प्रयास भी किए जाते हैं इसमें संकलित।
दूसरे स्थाई प्रकल्प महिला सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी बनाने की है योजना,
उद्देश्य है इस ट्रस्ट द्वारा महिला शिक्षा व स्वावलंबन हेतु सोचना।
श्री रमेश चंद लाहोटी के घोषवाक्य भजन, भोजन, भाषा भूषा को दिया विस्तार,
राष्ट्रीय संगठन द्वारा बनाई 10 समितियों के कार्यक्रम की सूचना प्राप्त करने का राष्ट्रीय प्रभारी को है अधिकार।
प्रेरणादायीं हो और व्यक्तित्व विकास में सहायक हो प्रदेशों के सभी कार्यक्रम,
संगठन को सही दिशा देने के लिए दिया जाए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण।
समय के सदुपयोग और सीमा का सदा रखना होगा ध्यान,
कम वक्ताओं को बुला कर दिया जाए पूर्ण समय और सम्मान।
सभी को जिला स्तर पर करवाना है आयोजित कवयित्री सम्मेलन
क्योंकि मार्च में प्रस्तावित है राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति का आयोजन।
सभी प्रदेशों से डाटा कलेक्शन की पूरी जानकारी ली गई,
सभी प्रदेशों में हुए कार्यों की विधिवत- संक्षिप्त रिपोर्ट पढी गई।
यूं तो सभी बहने मिली जूम सभागार में, नहीं थी कोई भी कमी किसी भी बिंद के निखार में ।
पूर्णतया अनुशासित व समयबद्ध था यह भ्रमण,
यथोचित उद्देश्य को सार्थक करते हुए सुंदरता से हुआ संपन्न ।

उपाध्यक्ष-किरण लड्ढा ❊संयुक्त मंत्री-शशि नेवर

दक्षिणांचल वर्चुअल भ्रमण

प्राचीन भव्य मंदिरों की वास्तुशिल्प एवं समुंदर किनारा की विरासत प्राप्त चेन्नई, उद्यमी नगरी, मुंबई, तिरुपति बालाजी का कृपापात्र एवं कला कौशल्य से भरपूर आंध्रप्रदेश शैक्षणिक हब एवं ऐतिहासिक वास्तु की धरोहर महाराष्ट्र संतों की भूमि एवं सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थली कर्नाटक ऐसी पंचमुखी विशेषताओं में मालामाल है। हमारा दक्षिणांचल इसका संगठनात्मक इतिहास है। क्षेत्र बड़ा तो कार्य इससे भी बड़े, इस इतिहास को हम इतिहास जमा ही नहीं रखेंगे तो वर्तमान और भविष्य की कार्यनामा में स्वर्ण अक्षरों से दक्षिणांचल का नाम अधोरेखित हो गया।

कड़ी से कड़ी जोड़कर कारवां बना रहे हैं हम टिमटिमाते दीपक से भी प्रकाश फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उद्देश्यों के पथ पर भ्रमण कर हर गांव को समाज की मुख्य आधार से जोड़ रहे हैं। कोरोना जैसी महामारी को सकारात्मकता में बदल कर मेलजोल बरकरार रखे हैं हम। रक्त समय और प्राप्त अवसरों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं हम। राष्ट्रीय संगठन से आये हुए निर्देशन योजनाओं की सफलता में दिलो जान से व्यस्त हैं हम। निरंतर, जूम मीटिंगों द्वारा चिंतन-मनन से ज्ञानसंपदा बढ़ा रहे हैं हम। प्रदेशों का साथ, वरिष्ठ बहनों का मार्गदर्शन, प्रगति पथ को प्रशस्त बनाते रहेंगे हम। ये है अतीत के झरोखे से दक्षिणांचल का सफरनामा अब बढ़ते हैं भ्रमण संगोष्ठी की ओर।

दिनांक 17 जनवरी से 18 फरवरी 2019

भ्रमण क्षेत्र-तमिलनाडु 10 जिले आंध्र 20, मुंबई 8, महाराष्ट्र 22, कर्नाटक 24 जिले में। तमिलनाडु -2 दिन, आंध्र 4 दिन, कर्नाटक 4 दिन, महाराष्ट्र 8 दिन, मुंबई 2 दिन। इस तरह कम परिवार संस्था वाले जिले मिलाकर वहां भ्रमण किये जिससे बढ़िया उपस्थिति रही। मीटिंग का सर्वत्र एकसा प्रोटोकाल और समय प्रबंधन के साथ व्यवस्थापन तारीफे काबिल रहा।

मार्गदर्शक-सभी जगह उपाध्यक्षा कलावती जाजू एवं संयुक्त मंत्री पुष्पा तोषनीवाल की मार्गदर्शक के रूप में उपस्थिति रही। लता लाहोटी, कल्पना गगडानी, मां रत्नीदेवी काबरा, शैला कलंत्री, शकुंतला मोहता, प्रकाश मूंदड़ा, सूरज बाहेती, दक्षिणांचल की दसों समिति प्रभारी अपने-अपने प्रदेश में अपने विषय में मार्गदर्शन प्रदेश की संगठन मंत्री कार्यसमिति सदस्य, पूर्वाध्यक्षाएं, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश सचिव, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश सचिव।

विषय -हर जिले की रिपोर्ट वाचन एवं कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय ब्यौरा। माहेश्वरी ट्रस्ट की जानकारियां। माहेश्वरी पत्रिका जानकारी। सम्पर्क एप एवं जरूरतमंद बहनों के बैंक अकाउंट। सखी एक्सपो योजना की जानकारी। स्वदेशी अपनाओ पीएम योजना। गाय-गंगा-गोविंद एवं भाषा-भूषा भजन-भोजन। रिपोटिंग कब और कैसे। विवाह समस्या और संगठन।

प्राप्त जानकारियां-उद्यमी व प्रतिभा सम्पन्न बहनों के डाटा। गांव के विवाह योग्य प्रत्याशी। संपर्क एप संख्या। हमारे महिला संगठन द्वारा सहायता प्राप्त बहनों की संख्या। तहसील के माहेश्वरी परिवारों की संख्या, शंका-समाधान-संगठन में सदस्य कैसे बढ़ाये। बच्चों के संबंध में प्रोटोकाल के बारे में असामंजस्य, पदाधिकारियों व समितियों के कार्य आपसी तालमेल-फंड रेजिंग समस्या, श्रृंखलाबद्ध संगठन कैसे फालो करो। भ्रमण सभा के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गये थे। हर जगह जिससे महेश वंदना-स्वागत गीत सूत्र संचालन एवं उद्देश्यपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में से हमें अनेकों नवोदित कलाकार प्रतिभा गायक, साहित्यिक बहनों से रूबरू होने का सुअवसर मिला।

विशेष-हमने सभी जगह समयानुसार संगठन में परिवर्तन एवं सामाजिक समस्या निवारण हेतु मिल-जुलकर दिबेटिंग-कारण-निवारण-चर्चा सत्र, प्रतिभावान युवतियों का गाईडंस एवं सम्मान, नव तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा जैसे क्रांतिकारी विषयों पर प्रकाश डाला। भ्रमण के दरम्यान जिन क्षेत्रों में किसी बातों में कमजोरियां नजर आई उन्हें आपसी संपर्क व उचित मार्गदर्शन से दूर करना। यह हमारे आगामी कार्ययोजना में शामिल रहेगा।

कलावती जाजू-उपाध्यक्ष ❊ पुष्पा तोषनीवाल-संयुक्त मंत्री

पश्चिमांचल आंचलिक भ्रमण एवं अधिवेशन सम्पन्न

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा वर्ष 2021 आंचलिक भ्रमण और आंचलिक अधिवेशन के लिए निश्रिचत किया गया। उसी के दौरान पश्रिचमांचल भ्रमण का कार्यक्रम छः प्रदेशों के अध्यक्ष और मंत्री के साथ निश्रिचत कर 11 जनवरी 2021 से 4 फरवरी 2021 के मध्य आंचलिक भ्रमण कार्य को पूर्ण किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मति आशा जी माहेश्वरी,निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती कौशल्या जी गट्टानी, निवर्तमान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्रीमती फूलकवंर जी मूंदड़ा, पश्रिचमांचल के सभी राष्ट्रीय समिति प्रभारी, सभी आंचलिक सह प्रभारी भ्रमण के प्रतिभागी रहे। कोरोना महामारी के कारण सभी प्रदेशों में जूम ऐप द्वारा वर्चुअल सभा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और संयुक्त मंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री ने विभिन्न जिलों के अध्यक्ष एवं मंत्री के साथ ही पदाधिकारियों ने और सभी स्थानीय संगठनों की बहनों की सहभागिता से सभी जिलों में सफलतापूर्वक भ्रमण कार्य सम्पन्न किया गया।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के निर्देश के अनुरूप सभी विषयों को समझाया। माहेश्वरी परिवारों को महासभा से जोड़ने के लिए सम्पर्क एप द्वारा हमारी कम्प्यूटर नेटवर्किंग एवं तकनीकी शिक्षा समिति की प्रदेश संयोजिका ने बखूबी समझाया। सभी प्रदेश अध्यक्षों से निवेदन किया गया है कि आपको सशक्त महिलाओं का चयन कर नाम भेजने हैं, जिससे 8 मार्च महिला दिवस पर राष्ट्रीय संगठन द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा सके। सखी आत्मनिर्भर योजना के तहत व्यवसायिक बहनों को सखी मंच से जोड़ कर वर्चुअल मेले की समस्त जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र जी मोदी के आव्हान पर स्वदेशी अपनाओ–विदेशी चीज़ों का बहिष्कार करना। इस विषय से सभी प्रदेशों, जिलों और स्थानीय संगठन तक जागरूक किया।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के महिला सेवा ट्रस्ट और आपदा कोष से आर्थिक सहायता हेतु जीरो बेलेंस बैंक अकाउंट खुलवाने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामीण क्षेत्रों के अविवाहित बच्चों के बायोडाटा गठबंधन टीम में डालने के लिए समझाया।

महिला संगठन के स्थायी प्रकल्पों की जानकारी देते हुए संगठन के मुखपत्र माहेश्वरी महिला के नये सदस्य बनाना। जिससे देश भर के महिला संगठनों के द्वारा किए गये कार्य एवं भावी योजनायें सभी तक पहुँचाना। संगठन की विभिन्न समितियों द्वारा किए गये कार्यों का भी सम्पूर्ण विवरण इस पत्रिका में समाहित है।

अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट के नये ट्रस्टी बनाना इस सत्र की प्रमुख योजनाओं में है। इस ट्रस्ट द्वारा महिलाओं को शिक्षा एवं स्वावलम्बन हेतू आर्थिक सहयोग दिलवाया जाता है। न्यायमूर्ति श्री रमेश चन्द्र जी लाहोटी द्वारा बताया गया– भजन, भोजन, भाषा और भूषा को स्थानीय, जिला और प्रदेश स्तर पर विस्तार से समझाया गया। प्रदेश एवं जिला में कोई भी कार्यक्रम लेने हो तो वह राष्ट्रीय संगठन द्वारा बनाई गई 10 समितियों के अन्तर्गत हों और राष्ट्रीय प्रभारी की जानकारी मे अवश्य हो। चाहे आप उन्हें कार्यक्रम में नही बुलायें।

प्रदेश के अन्तर्गत होने वाले कार्यक्रम व्यक्तित्व विकास और प्रेरणादायक होने चाहिए। जिला पदाधिकारियों को बताया गया कि संगठन को सही दिशा देने के लिए कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करें। समय सीमा का ध्यान रखते हुए मीटिंग करें और अधिक वक्ताओं को भी मीटिंग में नही बुलायें।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा मार्च 2021 में कवियत्री सम्मेलन करवाने का निश्रिचत किया गया। उसमें प्रस्तुति देने के लिए प्रदेश और जिला स्तर पर कवियत्री सम्मेलन का आयोजन करवाने के लिए कहा गया। उसमें से विजयी बहनों के नाम राष्ट्रीय मंच के लिए प्रदेश अध्यक्ष भेजेंगे। सभी डाटा क्लेक्शन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

भ्रमण के दौरान सभी प्रदेशों और जिलों की बहनों से चाहे हम वर्चुअल जूम सभागार में मिले लेकिन एक दूसरे से इस प्रकार बात हुई जैसे आमने सामने मिलकर बात कर रहे हो। इस प्रकार पश्रिचमांचल के छः प्रदेशों के अध्यक्ष और मंत्री के साथ उनके जिलों का भ्रमण कार्यक्रम आनंद पूर्वक संपन्न हुआ।

उपाध्यक्ष ममता मोदानी ❊ संयुक्त मंत्री–सविता पटवारी

मध्यांचल आंचलिक भ्रमण

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत, मध्यांचल द्वारा पंच विहान आरोहण आंचलिक भ्रमण मध्यांचल के पांचो प्रदेश में दिनांक 17 फरवरी से 12 मार्च तक जूम के माध्यम से क्रमशः, छत्तीसगढ़, पश्रिचम मध्य प्रदेश, विदर्भ, गुजरात एवं पूर्वी मध्य प्रदेश में किया गया। भ्रमण राष्ट्रीय संगठन के निर्देशानुसार हुआ।

इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश, जिला, तहसील, स्थानीय एवं ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी हर कार्यकर्ता बहन से रूबरू होकर, हमारे राष्ट्रीय 10 समिति के सभी कार्यक्रम एवं उनकी उपलब्धियां उन तक पहुंचाना था। महिला सेवा ट्रस्ट एवं महासभा से कार्यरत ट्रस्ट की जानकारी, संपर्क एप की जानकारी, सखी एक्सपो, महिला पत्रिका, ग्रामीण गठबंधन समिति के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देकर उन्हें, राष्ट्रीय धारा से जोड़कर समाज से कैसे जुड़ कर रहना है यह समझाना था। जिससे बहने आत्मनिर्भर बनकर अपने व्यक्तित्व को निखारने की दिशा में सशक्त कदम रखें।

उद्देश्य को सार्थक करने की दिशा में अतिथि के रूप में पधारी हमारी राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष आ. लता जी लाहोटी, आ. गीता जी मुंदड़ा, आ. विमला जी साबू, आ. सुशीला जी काबरा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति जी राठी एवं संगठन मंत्री शैलाजी कलंत्री विशेष मेहमान रहे।

छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा अध्यक्ष रामरतन जी मूंदड़ा, प्रदेश युवा सभा अध्यक्ष रुपेश जी गांधी, विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष रमेश जी चांडक, सचिव प्रोफ़ेसर रमन जी हेड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष हिमांशु जी चांडक, पश्रिचम मध्य प्रदेश सचिव अजय जी झंवर, युवा संगठन अध्यक्ष राहुल जी मानधनिया, गुजरात प्रदेश सभा अध्यक्ष गजानन जी राठी, युवा संगठन अध्यक्ष नरेश जी केला, पूर्वी मध्य प्रदेश अध्यक्ष मदनगोपाल जी जेठा एवं सचिव दीपक जी चांडक ने उपस्थित रहकर हमारा मान बढ़ाया।

राष्ट्रीय प्रभारी उषा जी मोहंता, उर्मिला जी कलंत्री, नम्रताजी बियानी, सह प्रभारी प्रतिभाजी नत्थानी, मधु जी राठी, निर्मला जी बाहेती, ज्योति जी बाहेती, मीना जी भंडारी, सुशीला जी माहेश्वरी, डॉ सीमा मूंदड़ा, रेखा जी लड्ढा, अर्चना जी माहेश्वरी एवं मनीषा लड्ढा उपस्थित रहे। उषा जी, प्रतिभा जी ने सखी एक्सपो की जानकारी तथा उर्मिला जी ने संपर्क एप की जानकारी दी। कई प्रदेश में उन के प्रदेश संयोजक ने बहुत अच्छी जानकारी सभी बहनों को दी। महिला सेवा ट्रस्ट,महिला पत्रिका एवं ग्रामीण गठबंधन समिति की जानकारी, प्रदेश की संयोजिका बहनों दवारा दी गयी।

भ्रमण के पहले दिन भ्रमणांजली द्वारा भ्रमण का उद्देश्य उपाध्यक्ष मंगल जी मर्दा एवं सचिव उषा जी करवा द्वारा सभी बहनों को बताया गया। भ्रमण के दौरान चारों दिन प्रदेश के आंचलिक उपाध्यक्ष द्वारा भौगोलिक जानकारी, आंचलिक सचिव द्वारा संगठन की जानकारी एवं जिला अध्यक्ष द्वारा अपने क्षेत्र में आने वाले सभी स्थानीय संगठन के अध्यक्ष से रूबरू कराया गया। संगठन द्वारा किए गए कार्य को एवम आने वाले कार्यक्रमों को रिपोर्ट के माध्यम से सभी को अवगत कराया गया। कई छोटे–छोटे संगठन में दो–चार परिवार होने के पश्रचात भी वहां के बहनों ने अपनी सुंदर रिपोर्ट की प्रस्तुति दी। हर प्रदेश में प्रश्न मंच द्वारा बहनों के कई सवाल हमारे सामने आए, उन सभी की जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश की गयी, आ. विमला जी साबू, सुशीला जी काबरा, ज्योति जी राठी, शैलाजी कलंत्री, मंगल जी मर्दा, उषा जी करवा के द्वारा, सवाल के जवाब मिलने से बहनों में नई ऊर्जा का संचार हुआ एवं संगठन के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी का एहसास भी हुआ।

निवृत्तमान न्यायाधीश रमेश जी लाहोटी द्वारा चिंतनात्मक विषय भाषा, भूषा, भोजन और भजन पर सभी प्रदेश द्वारा सुंदर नाटिका दर्शाई गई एवं उसमें से समाज को एक संदेश दिया गया।

सभी प्रदेश द्वारा सुंदर महेश वंदना भावभीना स्वागत गीत, प्रेरणा गीत एवं राष्ट्रगान की भी सुंदर प्रस्तुति दी गई।

इस भ्रमण में हमारे साथ पांचों प्रदेश मे ज्योति जी राठी ने उपस्थित रहकर हमारा मनोबल बढ़ाया और उनके अनुभव से हमें प्रेरणा मिली। 22 दिन का भ्रमण चला, लेकिन ऐसा लग रहा था कि सही में हम फिजिकल भ्रमण ही कर रहे हैं। कोविड ने दिया हुआ वर्चुअल भ्रमण का उपहार हम सबको बहुत पसंद आया। दूरदराज के बहनों को पास लाने में निश्चित ही ये भ्रमण उपयुक्त साबित होगा इसमें कोई संदेह नहीं। जय महेश, धन्यवाद।

मंगल मर्दा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,

उषा करवा राष्ट्रीय सहसचिव

आंचलिक अधिवेशन का आगाज

पश्चिमांचल युवा उडान 2021

ज्ञान और वैचारिकता के वैज्ञानिक युग में आज युवा वर्ग को शिक्षा के साथ साथ कुछ ऐसे विषयों की जानकारी देना जो कि आज के युग की सबसे बड़ी जरूरत है। युग की पहचान और उसके साथ कदम मिलाने का हौंसला ही युवा वर्ग को संस्कारित कर शिखर की स्पर्धा में सफलता का परचम लहराने के लिए प्रेरित करेगी तो हमने इसको नाम दे दिया पश्रिचमांचल युवा उडान 2021 . . . . युवा वर्ग को संस्कारित करने के उद्देश्य से पश्रिचमांचल युवा उडान 2021 में कुछ ऐसे ही विषयों का समावेश किया गया। जिससे युवाओं को नई दिशा, नई ऊँचाईयों तक पहुँचने में सुगमता रहेगी।

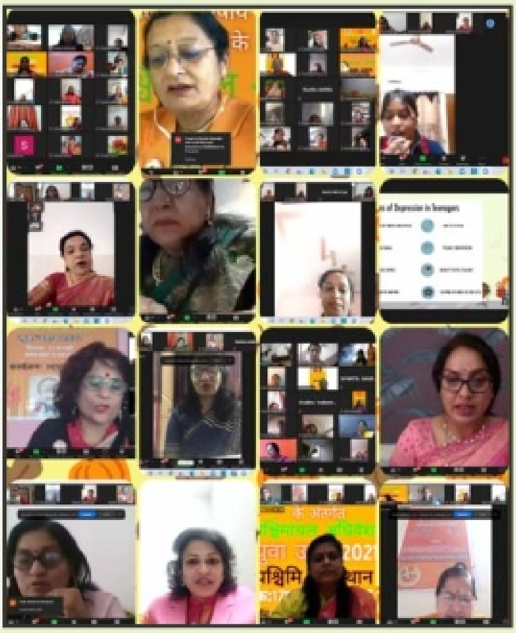

उदघाटन सत्र– उदघाटन कर्ता के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी दीदी – जिन्होंने हमेशा स्वस्थ मस्तिष्क और सकारात्मक सोच के साथ समाज के कार्यो की प्रेरणा दी। इसी के कारण हम युवाओं को कुछ नया प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम सजा सके। मुख्य अतिथि और ओजस्वी वक्ता के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री श्री संदीप जी काबरा ने महिलाओं द्वारा लिए गए इस कार्यक्रम को नया आयाम बताया और कार्यक्रम की रूपरेखा जानकर बहुत बधाई दी। प्रमुख अतिथि के रूप में हमारे संगठन की महामंत्री श्रीमती मंजू जी बांगड दीदी ने कहा कि ऐसे आयोजन हमेशा सामाजिक स्तर पर होते रहें। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को संस्कारित करने की सोच अति उत्तम है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष श्री राजकुमार जी काल्या– जिन्होंने इस युवा उडान 2021 कार्यक्रम में प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्षरूप से सहयोग कर युवा उडान कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताया और कार्यकर्ताओं का विशेष सम्मान करते हुए बहुत–बहुत बधाई दी। युवा संगठन के महामंत्री श्री आशीष जी जाखोटिया ने कहा कि माँ सरस्वती को साहित्य कला से जोड़ते हुए बहुत ही अच्छा कार्यक्रम सजाया है। सभी महिला कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

बहुउपयोगी कार्यशालायें– पश्चिमांचल युवा उडान 2021 में सभी प्रदेशों द्वारा क्रमवार कार्यशालायें आयोजित करवाई गई **–बढ़ती उम्र का बदलाव** पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति के अन्तर्गत यह कार्यशाला आयोजित की गई। जिसकी प्रशिक्षक थीं, डा. वन्दना जी चौहान. . . . उन्होंने महिलाओं को आन्तरिक रोगों के बारे में और युवा होती बच्चियों को शारीरिक बदलाव के विषय में बताया और सदन से आये प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

साइक्लोजिकल काउंसिलिंग– यह कार्यक्रम दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा बाल एवं किशोरी विकास समिति के अन्तर्गत आयोजित किया। इस कार्यशाला को प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती श्रुति जी मोदी ने संचालित किया। उन्होंने बच्चों से परीक्षा के भय से मुक्त होना, युवा वर्ग से मानसिक संतुलन बनाए

रखने के लिए और किसी भी विषय को लेकर बार–बार सोचने की आदतों के बारे में बात की। अपना डाक्टर स्वयं बनो– यह कार्यशाला आयोजित की उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ने स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति के अन्तर्गत। प्रशिक्षक के रूप में हमारे साथ थे – डा. धर्मेन्द्र जी कंवरिया और डा. भरत जी शर्मा। उन्होंने रसोई में प्रतिदिन काम आने वाले सामान मसाले और मेवा आदि से रोगों का उपचार बताया। आर्गेनिक फूड के फायदे बताये। डा. धर्मेन्द्र जी कंवरिया ने प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी।

राजस्थानी संस्कृति– मारवाड़ी बोलें मिश्री घोलें पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम साहित्य समिति के अन्तर्गत लिया गया। संचालन से लेकर आभार तक मारवाड़ी भाषा से सजाया गया। इस कार्यशाला में भाई राजेश जी चांडक ने मीठी बोली मारवाड़ी को बताते हुए कुछ मारवाड़ी शब्दों और कहावतों के बारे मे बताया और घर में बच्चों और बड़ो को मारवाड़ी बोलने के लिए प्रेरित किया।

कॅरियर काउंसिलिंग इस कार्यशाला का आयोजन दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा बाल एवं किशोरी विकास समिति के अन्तर्गत किया गया। डा. दीपक जी सक्सेना ने बताया कि बच्चों को उनकी कमजोरियों का आंकलन करने दें। उनकी कार्यक्षमताओं को घर के बड़े पहचानें। उन्होंने कॉमर्स, साइंस और आर्ट्स के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की और बताया कि बच्चों को अपनी पसन्द के अनुसार विषय को लेकर आगे बढ़ना है। जूम सभागार से आये प्रश्नों के उत्तर भी उन्होंने दिये। राजस्थानी संस्कृति– हमारी संस्कृति अनमोल धरोहर इस कार्यशाला का आयोजन पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के अन्तर्गत किया। राजस्थानी संस्कृति के विषय में बताते हुए डा. अनुराधा जी जाजू ने बहुत ही सरलता से भावी पीढ़ी की बहुओं और बेटियों को परम्परागत तीज त्यौहारोंके विषय में बताया और सोलह श्रृंगार का जीवन में साइंटिफिक और मेडिकली क्या असर होता है यह बताया।

वैदिक मैथ्स और काव्यामृत कार्यक्रम–इस कार्यक्रम को आयोजित किया मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ने बाल एवं किशोरी विकास समिति और साहित्य समिति के अन्तर्गत लिया गया। श्रुति जी माहेश्वरी ने जटिल अंक गणितीय गणना अत्यंत सरल सहज और तुरंत संभव है, यह बताया वैदिक मैथ्स द्वारा। कवियत्री सम्मेलन करवाया गया। जिसमें सभी प्रदेशों से बहुत ही अच्छी प्रस्तुतियां आई।

जीवन में सकारात्मकता की बढ़ोतरी–इसका आयोजन पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के अन्तर्गत किया गया। कुछ उदाहरणों के माध्यम से मोटिवेशनल वक्ता श्रीमती अंजू जी धवन ने जीवन में सकारात्मकता की बढ़ोतरी विषय को सरलता से समझाया।सभी कार्यशालायें बहुत ही अच्छी जानकारी से परिपूर्ण थीं।

कार्यशाला समापन सत्र –युवा वर्ग से रूबरू कराने के लिए हमने समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया सुश्री अंजलि बिरला कोटा को। अंजलि जी ने अपने प्रेरक उदबोधन द्वारा युवाओं को अपने मन की बात रखी और बताया कि आपने यदि कुछ करने का सोचा है तो अपनी इच्छा शक्ति को दृढ़ रखो। अवश्य ही जीत हासिल होगी। सभी प्रशिक्षकों को धन्यवाद एवं आभार पत्र के साथ संस्था की तरफ से याद स्वरूप उपहार दिया गया। सभी कार्यशालाओं में सहभागिता देने वालों को प्रमाण पत्र, काव्यामृत कवियत्री को श्रेष्ठ कवियत्री अवार्ड और युवा उडान 2021 के सहभागियों में से श्रेष्ठ अनुभवी अवार्ड दिया गया, औरंगाबाद की सुश्री गौरी नारायण शारदा को। इस प्रकार रहा युवा उडान 2021 का आगाज से समापन का सफर . . .

पश्रिचमांचल अधिवेशन का समापन सत्र और आंचलिक बैठक का आयोजन प्रथम सत्र– महेश वन्दना

के पश्रचात प्रदेश अध्यक्ष ने स्वागत उदबोधन दिया। पश्रिचमांचल उपाध्यक्ष श्रीमति ममता जी मोदानी ने अध्यक्षीय उदबोधन दिया। स्थायी सेवा कार्यो की जानकारी दी, जिसमें बुक बैंक, मेडिकल सामान बैंक, मेडिकल छूट कार्ड आदि शामिल हैं। सदन से यदि कोई प्रश्न आये तो उसके जबाब के लिए खुला मंच भी रखा गया। प्रदेश मंत्री श्रीमति कमला जी मूंदड़ा ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। तत्पश्चात सुमधुर प्रेरणा गीत की प्रस्तुति दी गई। अंत में संगठन से जुड़ी बहनों और उनके दिवंगत परिजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की। द्वितीय सत्र में आंचलिक अधिवेशन के समापन सत्र कार्यक्रम रखा गया। भगवान उमा महेश की स्तुति कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सुमधुर आवाज़ में स्वागत गीत के बाद पश्चिमांचल उपाध्यक्ष श्रीमति ममता जी मोदानी द्वारा स्वागत उदबोधन दिया गया। सदन को पश्रिचमांचल युवा उडान 2021 की सम्पूर्ण जानकारी बताई गई। अधिवेशन के दौरान दो प्रतियोगितायें भी रखी गई। प्रतियोगितायें– 1. व्यवसायिक हुनर 2. सीखो गुर बनाओ व्यक्तित्व सुन्दर समापन सत्र में विजेता और वीडियो को दिखाया गया। विजयी सभी बहनों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार स्वरूप नगद राशि पहुँचा दी जाएगी। कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र दिये गये। स्थायी सेवा कार्य की कुछ झलकियां वीडियो द्वारा सभी के समक्ष प्रस्तुत की गई। पश्रिचमा–दर्शन पत्रक का विमोचन करवाया गया। इस पत्रक में सामाजिक एवं नीतिगत विषय, संस्कार एवं रीतिरिवाजों की चर्चा, घरेलू नुस्खों आदि का संकलन सभी के समक्ष प्रस्तुत होगा। यह पत्रक पठनीय सामग्री के कारण सहेज कर रखने योग्य होगा। मुख्य अतिथि के रूप में मिसेज इण्डिया यूनिवर्स श्रीमती रूपल जी मोहता ने बहुत ही अच्छा उदबोधन दिया। उन्होंने कहा कि सक्षम महिलायें ही सक्षम समाज को तैयार करती हैं। ऐसा कहकर उन्होंने समस्त महिलाओं का सम्मान बढ़ाया। प्रधान अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री श्रीमती मंजू जी बांगड ने अपने वक्तव्य में आंचलिक अधिवेशन के दौरान लिये गये सभी कार्यक्रमों की सराहना की और संगठन के भावी कार्यक्रम विवाह के लिए विशिष्ट वर्ग का परिचय सम्मेलन और संगठन द्वारा लगने वाले वर्चुअल मेले की सम्पूर्ण जानकारी दी। पश्रिचमांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती सविता पटवारी ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

उपाध्यक्ष–ममता मोदानी ❊ संयुक्त मंत्री सविता पटवारी

फिल्म के दूसरे चरण की शूटिंग शुरू

कोटा। सुभाष कला संगम के बैनर तले बन रही लघु फिल्म 'मेरा कसूर क्या है?' की दूसरे चरण की शूटिंग तलवंडी में शुरू हुई। संस्था अध्यक्ष निर्मला दहिया ने बताया कि फिल्म के दूसरे चरण का शुभारंभ माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने किया। शूटिंग जगत के मशहूर डायरेक्टर सुधीर बोड़ा के निर्देश में की गई। फिल्म की मुख्य भूमिका मे देवेन्द्र सिंह, नीतू सिंह, नेहा गुप्ता, राजा माखीजा, एचपी महावर, ललिता राठौड़ आदि ने भूमिका निभाई। सह निर्देशन हरीश महावर ऋषि, कैमरामैन सुरेंद्रसिंह, सोहनसिंह रहे।

पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा भव्य कार्यक्रम

स्पार्कलिंग स्टार ऑफ वेस्ट एमपी का आयोजन

व्यक्ति कभी हारता नहीं, या तो सीखता है या फिर जीतता है। इसलिए ऐसे मंचों पर हमें अपने अन्दर छुपी प्रतिभा को आगे लाने हेतु हमेशा प्रयत्नशील रहना चाहिये।'' ये कहना है मिसेज इंडिया युनिवर्स श्रीमती रूपल मेहता का। पश्चिम म.प्र. प्रा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 20 फरवरी 2021 को दस्तुर गार्डर में प्रातः की सुनहरी शुभ बेला से रात्रि 10 बजे तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुबह स्पार्कलिंग स्टार ऑफ वेस्ट एमबी के वर्चुअल 5 राउण्ड परिचय, कलात्मकता, पारिवारिक रिश्तों को संजोते हुए समसामयिक प्रश्नोत्तरी राउण्ड से चयनित हुए। सभी वासंती परिधान पहने प्रतिभागियों का ढोल के साथ शानदार स्वागत अध्यक्ष वीणा सोमानी, मंत्री उषा सोडानी, पदाधिकारी एवं कार्यक्रम की ब्रांड एंबेसेडर मिस यूनिर्वस 2019 रूपलजी मेहता ने किया।

दोपहर में प्रदेश संगठन की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री महेश मूंगड़ के साथ रूपल मोहता, मिसेज यूनिवर्स, रू.पा. अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, गीता तोतल, राजकुमारी ईनानी, पू. प्रदेश अध्यक्ष निर्मला बाहेती, प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी एवं मंत्री उषा सोडानी द्वारा महेश भगवान का पूजन वंदन एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी ने स्वागत उदबोधन के साथ आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी व मंत्री उषा सोडानी ने दस समितियों के अंतर्गत किए गए सभी कार्यों की जानकारी दी। प्रदेश कोषाध्यक्ष सरोज सोनी ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता महेशजी मूंदड़ा ने अपने उदबोधन मं गृहणी के कार्यों की तुलना बिजनेस एक्टीविटी से करते हुए कहा कि मातृशक्ति सर्वशक्तिमान है। वे सब कुछ कर सकती है, जरूरत है उन्हें अपनी क्षमता को पहचान कर आगे बढ़ने की। इस अवसर पर अतिथिद्वय गीता तोतला एवं राजकुमारी ईनानी ने महिलाओं को आगे बढ़कर संगठन के संदेश एवं कार्यों को निरंतर छोटे ग्रामों तक पहुंचाने हेतु अपने कदम बढ़ाने पर जोर दिया। गत 11 माह में राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को गीताजी तोतला एवं राजकुमारी ईनानी द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश संगठन के संकल्प एक कदम स्वावलम्बन की ओर के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बना उनकी जीविकापार्जन हेतु 19 सिलाई मशी भेंट की गई।

सुहानी संध्या बेला में स्प्रिंकलिंग स्टार का 4था फाइनल राउंड का आयोजन आकर्षक व भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ। रूपल मोहता ब्रांड एंबेसेडर की अगवानी रथ में हुई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. पल्लवी मूंदड़ा द्वारा प्रस्तुत नृत्य महेश वंदना से हुई। अध्यक्ष वीणा सोमानी, सचिव उषा सोडानी, संयोजक किरण लखोटिया, सरला काबरा कार्यक्रम संयोजक कविता बाहेती व नीती मूंदड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्ष वीणा सोमानी ने अपने उदबोधन में कहा कि समाज में महिलाओं में छिपी प्रतिभा, चातुर्य, सौंदर्य कलात्मकता को सबके समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से ही इस कार्यक्रम को आयोजित

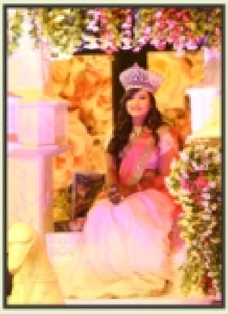

करने का विचार आया। प्रदेश के छोटे गाँव से लेकर शहर की विभिन्न आयु वर्ग की युवतियों व महिलाओं ने अति उत्साह से भाग लयिा। 115 बहनों का पंजीयन से शुरू हुआ ये वर्चुअल सफर विभिन्न पडाव तय करता हुआ ग्रेड फिनाले के 35 प्रतिभागियों के बीच अंतिम दौर की प्रतिस्पर्धा की रोमांचक मंजिल पर पहुंचा जहां सभी प्रतिभागियों ने प्रांतीय, इंडो-वेस्टर्न, पारम्परिक वेशभूषा में सजकर नेपाली अंदाज, साऊथ इंडियन, बाहुबली, वीरांगना, कश्मीरी कली, हाथ में तलवार थामे जब राजपुताना अंदाज में मंच पर आई तो हर किसी की सांसे थम गई और देर तक हाल तालियों से गुंजायमान हो गया। निर्णायक टीम में प्रेरणादायी व्याक्याता श्री महेश मूंदड़ा, रूपल मोहता, गीताजी मूंदड़ा, सुशीला काबरा, रमाजी शारदा थे। दो महीने तक लगातार टक्कर दे खुद को साबित कर जो विजेता बनी वे हैं-

मिस केटेगरी-पूर्वा गट्टानी, उपविजेता प्रथम-राधिका आगार, उपविजेता द्वितीय-अंजली लखोटिया।

मिसेज केटेगरी (40 वर्ष) विजेता-निधि होलानी, उपविजेता प्रथम-राधिका आगार, उपविजेता द्वितीय-रूपल कोठारी

मिसेज केटेगरी (40 वर्ष से ऊपर) विजेता कुसुम गिलड़ा, उपविजेता हर्षिता सोमानी, द्वितीय माधुरी सोमानी।

स्पेशल केटेगरी-संतोष चांडक एवं अयोद्या चौधरी।

महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए इस अनूठे कार्यक्रम में विभिन्न उपाधियों से अन्य प्रतिभागियों को सम्मानित किया, जो क्रमशः तीनों केटेगरी में इस प्रकार रहा-

1. बेस्ट टेलेन्ट-संगीता चिंचाणी, गरिमा आगीवाल, राखी नवाल, (2) बेस्ट स्टालिश-विधि मूंदड़ा, रूपल सोमानी, शीला काबरा (3) बेस्ट पापुलर-ऋतिका राठी, ऋतु सोडानी, अर्चना भूतड़ा (4) बेस्ट फोटोजेनिक-अंकिता बाहेती, राधिका राठी (5) बेस्ट एलिगेट-राधिका सिंगी, कृष्णा मंत्री (6) बेस्ट लाईफ स्टाइल-शिवानी डागा, माया झंवर (7) बेस्ट फिटनेस-श्वेता मूंदड़ा, मंजूला जेथलिया (8) बेस्ट ग्रेसफुल-हार्दिका जाजू, ऋचा बियाणी, रीतू तापड़िया।

इस खूबसूरत कार्यक्रम में संगठन की संपर्क पुस्तिका सारथी का विमोचन पश्चिमी मप्र सभा अद्यक्ष ओमप्रकाश भरावी एवं मंत्री अजय झंवर के करकमलों से सम्पन्न हुआ। सुरीली आवाज की दुनिया में चमकता सितारा कु. प्रार्थना माहेश्वरी (7 वर्ष) को सम्मान उनके द्वारा विज्ञापन, बच्चों की फिल्म में आवाज, कार्पोरेट वीडियो हेतु दिया गया। अपनी आवाज से सबको लुभाने वाली वाइस फर्स्ट अवार्ड 2020 के अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन किरण लखोटिया व पंखुडी भूतड़ा ने किया। इस कार्यक्रम की सहयोगी बनी श्रीमती शीतल सारड़ा, ऋतु समदानी। प्रायोजक बने-गंगवाल फुड, सहप्रायोजक- रायल रतन सच्चा मोती साबूदाना एवं डी.पी. ज्वेलर्स ब्यूटी पार्टनर श्रृंगारिका पार्लर एवं वार्डरोव पार्टनर-नाज बुटिक। कार्यक्रम के अंत में आभार सचिव उषा सोडानी ने माना।

नारी तू नारायणी

नारी तू नारायणी, शक्ति साहस प्रदायनी
हम हैं शक्ति, हम हैं शक्ति...
नारी तू विश्व में अतुल ईश वरदान है,
तुझे पाकर ही पुरुष, आज बना बलवान है।
शिक्षा के पंखों से उड़कर जिसने छू लिया है आसमां
नव चेतना, नव जागृति की मिसाल है नारी।
पुरुष प्रधान देश में दोहरी भूमिका निभा रही,
माया, ममता, मधुरिमा की धनी है नारी।
धुंधली परत को हटा, पारदर्शी आईना बनाती
जिस जगह अंधेरा छाये, दीपक नया जलाती।
आग पर पानी बहाती, दर्द में भी मुस्कुराती
पथ पर केवल पाँव नहीं, विश्वास से चलाती जीवन गाड़ी
धीरज धर्म मित्र अरु नारी,
अपात काल परिरूहि चारी,
एक ही धर्म एक ही व्रत नेमा
कि काय वचन मनपति पद प्रेमा।
नमोस्तुते नमोस्तुते...

श्रीमती ज्योति राठी
कोषाध्यक्ष, अ.भा.मा.म. संगठन

पूरे परिवार की डोर को एक सूत्र में बाँधने वाली नारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। सारे विश्व के निर्माण का हुनर रखनेवाली मॉतृशक्ती को नमन। सारे संसार के संचलन का जज्बा जननेवाली महिला शक्ति को नमन । पूरे परिवार की डोर को एक सुत्र में बाँधने की कला को समझने वाली स्त्री शक्ति को नमन । नर के काँधे से काँधा मिलाकर हर क्षेत्र में अपनी छाँप को अंकित करने वाली नारी शक्ति को नमन । इतनी काबिलियत होंने के बावजूद भी जो नारी प्रताड़ित की जाती हैं, अपमानित की जाती हैं, शोषण कीया जातां हैं, निचा दिखाया जाता हैं फीर भी हर परिस्थिति में अपना अस्तित्व टीकाती नारी,अपना सन्मान बढाती नारी को शत-शत नमन।

महिला दिवस के अवसर पर शुभकामना के साथ साथ मैं ये कहना चाहूंगी की अभी भी समाज में नारी को वह दर्जा नहीं दिया जा रहा है जीसकी वो हकदार हैं । हम महिला संगठन के माध्यम से इस विषय में जनजागृति ला रहे हैं । महिलाओंके सर्वांगीण विकास के लिए हम अलग-अलग प्रोग्राम के माध्यम से उन्हें सुशिक्षीत, सुरक्षित, सुसंस्कारि,सुसंपंन्न,स्वावलंबी बना ही रहें हैं । मुझे अभिमान हैं हमारे संगठन पर जो हमेशा से महिलाओं की उन्नति के बारे में सोचता हैं, कार्य योजना बनाता हैं ।

शैला कलंत्री, येवला, राष्ट्रीय संगठन मंत्री

बून्दी से मधु जी नुवाल
गुलाबपुरा से सुमित जी काल्या,
देशनोक से ओम जी मूंदड़ा,
नोखा से नारायण जी झंवर

आप सभी माहेश्वरी बन्धुओं के अपने अपने नगर के नगराध्यक्ष बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं
इससे सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज गौरवान्वित है सबको बहुत बहुत बधाई व शुभकामनाएं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

नारी शक्ति के उद्गार

नारी : संघर्षमय जीवन सारा

*आरंभ है प्रचण्ड तो,
परिपक्वता क्या रूप दिखाएगी।
ए नारी अब और क्यों,
तू कितना सहती जाएगी।।
कैसा भी हो समय कठिन,
संघर्षमय जीवन सारा है।
न रंज, न शिकवा, न शिकायत,
यह अविचल बहती धारा है।।
वो ममता से भरा आंचल,
जहाँ कुदरत भी अव्यक्त रहती है।
अस्तित्व से अपने जूझकर,
जो सर्वस्व समर्पण करती है।।
अपनी प्रखरता से आलोकित करें,
व्यक्तित्व की निर्माता है।
प्रेरणास्त्रोत, पथ प्रदर्शक,
उद्यमी, त्यागी, ज्ञानदाता है।।
आगाज से अंजाम तक,
सत्कर्म का संचार है।
ईश्वर की अनुपम कृति,
अनमोल उपहार है।।
कमजोर न समझना इसे,
ये सृष्टि सृजनकर्ता है।
पुरुष जन्म लेकर तो,
इसी की गोद में पलता है।।
कुछ न देना इसको,
सम्मान संजोए रखना।
ना अधूरी है यह पूरी,
यह मान पिरोए रखना।।*

स्वरचित **श्रीमती रमा लखोटिया**, धमतरी (छ0ग0)

इनके बल पर जग चलता है

*यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते रमन्ते तत्र देवताः ।।
अपमान मत करना नारियो का,
इनके बल पर जग चलता है,
पुरुष जन्म लेकर तो....
इन्ही की गोदमे पलता है।।
जीने का अरमान है नारी
हम सबका सम्मान है नारी
नारी नहीं तो जग सुना है
कण कण मे विद्यमान है नारी
तुम इसको निर्बल ना समझो
गीता फोगाट जैसी पहलवान है नारी,
निर्बल को सबल करती यह
प्रबल स्मृति की आह्वान है नारी
तन भी उजला मन भी उजला
हम सबका भगवान है नारी
इसको तुम अज्ञान ना समझो
हम सबसे सुजान है नारी
कंचन सी काया है जिसकी
नभ से भी महान है नारी
इसको तुम अंकिचन ना
समझो जीवन का वरदान है नारी
रस्ते का पाहन ना समझो
जन जन का अभियान है नारी
चुभन भरी है जीवन सारी
रचनाओ मे प्रच्छन है नारी
मां लक्ष्मी, मां सरस्वती कि
चाहे कितनी भी पूजा करलो,
या फिर 9 दिन अखंड उपवास करलो,
लेकिन अगर नारी कि इज्ज़त करना*
नहीं सिखा तो सब बेकार है ।

सौ. लक्ष्मी राठी अभनपुर

सशक्त नारी

सशक्त होगी नारी तो दूर रहेगी बिमारी ।
मजबूत रहेगी हर परिवार की चारदिवारी।।1।।
बिन नारी पुरुष अधूरा, बिन नारी ये जग सूना ।
सम्मान मिले जहां नारी को धन बरसे वहां दुगुना ।।2।।
नारी है आधी आबादी, हर क्षेत्र में निभाएं भागीदारी ।
सुलक्षणा हो घर की नारी तो टल जाती है विपदा सारी ।। 3।।
मां रुपी नारी का योगदान इतिहास भी है गाता।
अनेकों महापुरुषो की वहीं तो है निर्माण कर्ता ।।4।।
बाल्यावस्था से ही शिशु को वह संस्कारो से गढ़ती ।
उम्र के साथ-साथ बालक की शौर्यता फिर बढ़ती ।।5।।
कोमल ह्रदयी सहनशीलता की मूर्ति गुणों की है खान ।
प्राण देकर भी कायम रखती आन-बान और शान।।6।।
समझ गया ये जग सारा नारी नही है अबला ।
समुचित ज्ञान और अपनों के भरोसे ने बनाया है सबला ।।7।।
आगे गर बढ़ना चाहो तो पहले दुसरो को मौका देना।
फिर डट जाना साथ मे लेकर अपनी सेना ।। 8।।
नर-नारी मिलकर उन्नति के सोपान रच रहे है।
हर क्षेत्र में देश-समाज का परचम लहरा रहे है।।9।।
मेल जोल का भाव जो जाग्रत सबमें रहेगा ।
किसी भी क्षेत्र मे कोई हमें ना पछाड़ पायेगा ।।10।।

रेणु टावरी, रायपुर (छत्तीसगढ़)

नारी

यह नवयुग है, प्राचीन नहीं,
नारी की स्थितिबदल गई।
पहले नारी घूंघट, में कैद रही,
घर के पिंजरेमें बंद रही।
जिस ने जो चाहा, व्यवहार किया,
शिक्षा का कभी, ना ध्यान दिया।
नारी को अबला बना दिया,
घर संसार मेंबांध दिया।
नारी में त्याग, समर्पण से,अपना सर्वस्व लुटा दिया।
लेकिन आज नारी कास्वरूप बदल गया,
शिक्षा के क्षेत्र में नारी ने,झंडा गाड़ दिया।
राजनीति या खेलकूदहर क्षेत्र में नारी छाई है,
जीवन के हर मोड़ पर आगे बढ़,अपनी नई छवि बनाई है।
अपने पैरों पर खड़ी होकर, अपनी पहचान बनाई है,
मर्यादा का पालन कर अपनीस्वतंत्र जिंदगी दर्शाई है।
अबला से सबला बनने की, नारी ने अब जिद ठान ली है,
कमजोर बताना बंद करोयह फूल नहीं चिंगारी है।
दुर्गा काली सीता समबनने की बारी अब आई है,
इसे सताना बंद करोनारी का तुम सम्मान करो।
है नारी जाति पर गर्व मुझे
क्योंकि मैं भी आज की एक नारी हूं।।

रंजना बिनानी, गोलाघाट असम

प्रयास करने होंगे

सुंदर जीवन जीने को कुछ तो प्रयास करने होंगे ।
इच्छाओं के आनंद गगन में कुछ तो विराम देने होंगे
कुछ पाने की कोशिश में कुछ को त्याग करना होगा
सुंदर जीवन जीने को कुछ तो प्रयास करना होगा
दिशा हीन होते जीवन का कुछ तो लक्ष्य बनाना होगा
आलस को तज मेहनत की ओर सचाई से बढ़ना होगा
बड़े और छोटों का अंतर बच्चों को समझाना होगा
लुप्त हो रहे मानवीय गुणों से उन्हें परिचित कराना होगा
सुंदर जीवन जीने को कुछ तो प्रयास करने होंगे
कुछ तो प्रयास करने होंगे।
नारी शक्ति है नारी ही शोभा घर की
जो उसे उचित सम्मान मिले
घर में खुशियों के फूल खिले ।

मंजू भराडिया (पूर्वी राजस्थान प्रदेश मंत्री)

तन थकता है चूर चूर पर
मन मेरा उल्लास भरे।
कदम शिथिल हो गए हैं लेकिन,
हृदय नवीन कुलांच भरे।
जीवन में संघर्ष भरा है,
पर ना मानी हार कभी।
तोड़ न पाई बाधाएँ भी,
वृहत मनोबल अब भी वही।
दुर्गा लक्ष्मी का रूप धरूँ,
मैं रामायण की सीता।
नैतिकता में भरती निष्ठा,
प्रभु की वाणी बन गीता।
मानवता परिभाषित करती,
संस्कारो की हूँ थाती।
मैं त्याग प्रेम की मूरत बन,
जलती हूँ बन कर बाती।
उड़ूँ दूर तक मुक्त गगन में,
मंज़िल मेरी दूर नहीं।
सुनो ज़िंदगी। ध्यान लगा कर,
कोमल हूँ कमज़ोर नहीं।

–पुष्पा सोनी, गुवाहाटी

हां मैं नारी हूँ

कभी हृदय के भंवर में खो जाऊँ फिर किनारे आकर ठहर जाऊँ
कभी नाविक को राह दिखाऊँ कभी नौका का बोझ उठाऊँ
हाँ मैं नारी हूं सप्त सरिता सी बहती ही जाऊँ..।
जो मन विचलित हो प्रीत का मधुर राग सुनाऊँ
हो कितनी भी बाधाएं खुद को गतिशील ही पाऊँ
हाँ मैं नारी हूं सप्त सरिता सी बहती ही जाऊँ..!
हूँ मैं नीर सी बेरंग जिस रंग में डालो मैं रंग जाऊँ
जीवनसंगिनी बन किसी की जिंदगी सजाऊँ
हां मैं नारी हूं सप्त सरिता सी बहती ही जाऊँ..!
मुझ में विनम्रता भी है प्रेम भी है
आत्म सम्मान की परिपूर्णता भी है
सहनशीलता से दर्द समेट कर नई जिंदगी को दुनिया में लाऊँ
हां मैं नारी हूँ सप्त सरिता सी बहती ही जाऊँ..!
संगठन से जुड़कर समाज का मान बढ़ाऊँ
आशा की उम्मीद जगा कर मंजुल कर्मों का इतिहास बनाऊँ
हाँ मैं नारी हूं सप्त सरिता सी बहती ही जाऊँ..!!

मंजू बांगड़ राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

हर दिन नारी दिवस मना लो

है औरत जिसका नाम जो होती है घर की इज़्ज़त
जिस से होता है ईमान शख्स नहीं है एक
कभी मां तो कभी बहन हर रूप में है यह महान।।
प्रभु ने भी संरचना की तो सोचा
क्या दूं कुछ ऐसा जो हो जाए कुछ अनोखा
सहनशक्ति का गुण जो पाया नहीं किसी और में यह आ पाया।।
मणिकर्णिका (लक्ष्मी बाई)की शक्ति देख
अंग्रेजों के भी हौसले लड़खड़ाए
ऐसी थी वह नारी शक्ति जिससे भारत का इतिहास भी दोहराऐ।।
हम ऋणी है नारी के प्यार के
हम आभारी हैं नारी के समर्पण के
आज नारी शक्ति का दिन है
धन्यवाद है हर नारी का इस संसार में।।
नारी तुम आस्था हो तुम प्यार हो विश्वास हो
टूटी हुई उम्मीदों की एकमात्र आस हो
चलो उठो अपने अस्तित्व को संभालो सिर्फ़
एक दिन ही नहीं बल्कि हर दिन नारी दिवस मना लो।।

सुनीता बाहेती, जोरहाट असम

मैं नारी हूं

मैं नारी हूं
ईश्वर की कृति प्यारी हूँ,
आदिशक्ति हूं देवी शक्ति हूं
उमा–रमा–सरस्वती के रूप में
धन, ज्ञान और शक्ति का रूप हूं
मैं जग का आधार हूँ,
मैं नारी हूं ईश्वर की कृति....
मानव की सर्जन कार हूँ,
प्रथम गुरु की हकदार हूं
करुणा और ममता मे साकार हूँ
प्रकृति की सौगात हूँ,
मैं नारी हूं.........
नवरसों के नवरूप का में ही आधार हूँ,
प्रेम मयी राधा हूँ, भक्तिमयी मीरा हूँ,
सावित्री हूँ, सती हूँ सीता हूँ,
दुष्टो की संहारक काली ओर दुर्गा हूं,
मैं अबला नहीं सशक्त सबला हूं
मैं नारी हूँ.....
(इन लाइनों में नारी के सुलभ गुणों को बता रही हूँ)
शीलविनयविनीतविनीता सहनशीलता की मिसाल हूं
वक्त आने पर रणचंडी सी बन जाती खूंखार हूं
लक्ष्मी – अहिल्या बंन करती दुश्मनों का संहार हूँ,
और दुशासनो के इस बीहड़ में फूलन सी खोफनाक हूं
सबक सिखाने दुश्चरित्रों को
बन जाती गुलाबी गैंग की गुलाबों हूं, साधु के वेश में छुपे शैतानों की भी मैं ही बनी संहारक हूं
में नारी हूँ....
इतिहास गवाह है कि मैं कभी गिरी, फिर उठी
गिर गिर कर खड़ी हुई हू और
इस पुरुष प्रधान देश में अपनी जगह बनाई हूं
गार्गी से लेकर गोचर तक
इन्द्रा से लेकर प्रतिभा तक अपनी प्रतिभा दिखाई हूं
कल्पना सी उड़ान हूं किरण सी रौबदार हूं
हर जगह हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई हूं
मैं नारी हूं जग में न्यारी हूं ईश्वर की कृति प्यारी हूं......।
मैं अबला नहीं सशक्त सबला हूं
मैं सोच हूँ मै जोश हूँ,
मैं प्रेरणा हूँ, मै संप्रेरक हूं मैं स्वर हूं मै साज हूँ मै आवाज़ हूँ मै सहारा हूं
मै प्यार हूं मै गुरु हूं मै बचत खाता हूं, मैं संबल हूं मै ममता हूं मैं मां हूं
मैं नारी हूं..ईश्वर की कृति प्यारी हूँ...

विनीता लाहोटी, कोटा

धरा और स्त्री

धरा और स्त्री
कितनी समानता है दोनों में,
सृजन करती,
पालन करती,
सृष्टि करती
ममत्व को समेट लेती।
तुम रौंदते रहे धरा को
खंडित करते रहे स्त्री मन
कभी ना पूछ सके हाल उसका
ना ली कभी दिल से खैर खबर
पर दोनों ने सिर्फ
भला चाहा संतति का,
सींचती रही
अपने आंचल के तार से
पूछती रही प्रश्न
क्या है उसकी अस्मिता
ना होती तो क्या होता
ना हम होते, न सृष्टि
अस्तित्व का प्रश्न चिन्ह
निगल लेता ब्रह्मांड को।

–संगीता गुप्ता

महिला सशक्तिकरण

प्रस्तावना : समाज में महिलाओं के वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तिकरण है, महिलाओं को अपनी निजी स्वतंत्रता और स्वयं के फैसले लेने के लिए महिलाओं को अधिकार देना ही महिला सशक्तिकरण है, महिला सशक्तिकरण को बेहद आसान शब्दों में परिभाषित किया जा सकता है कि इससे महिलाएं शक्तिशाली बनती है इससे वह अपने जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती है और परिवार व समाज में अच्छे से रह सकती है।

महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य : महिलाओं को शक्ति प्रदान करना जिससे वह समाज में पीछे न रह सके पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले और घर से बाहर भी अपना सिर उठाकर चल सके, महिला सशक्तिकरण का मुख्य लक्ष्य महिलाओं को उनका अधिकार दिलाना है जैसे कि हमारा देश भारत पुरुष प्रभुत्व वाला देश है, जहां पुरुषों को महिलाओं की तुलना में ज्यादा माना जाता है जो कि सही नहीं है,आज भारत में ज्यादातर जगह महिलाओं को पुरुषों की तरह काम करने नहीं दिया जाता हैउन्हें परिवार की देखभाल और घर से ना निकले यही सलाह दी जाती हैं आज के इस आधुनिक युग में 50% महिलाएं जो शिक्षित होने पर भी घर में बैठी रहती है यानी देश का आधा ज्ञान घर पर ही बैठे बेकार हो रहा हैहालांकि हर घर पर बच्चों की देखभाल या परिवार की देखभाल करना जीवन का एक हिस्सा है परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि जीवन वहीं तक सीमित रह जाये हैं, महिलाओं को पुरुषों की तरह घर से बाहर निकलना चाहिए काम करना चाहिए, और इससे ज्ञान बढ़ता है वह भी देश के लिए बहुत कुछ अच्छा कर सकती है

महिलाओं की तरक्की : वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा है कि देश की तरक्की के लिए पहले हमें भारत की महिलाओं को सशक्त बनाना होगा एक बार जब महिला अपना कदम उठा लेती है तो परिवार, गांव राष्ट्र का विकास होता है भारत में महिला सशक्तिकरण की कमी है जिसके कारण आज भी भारत विकासशील देशों में नहीं गिना जाता है अगर हमारे देश की महिला सशक्त बन जाये तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश भारत भी विकसित देशों की लिस्ट में दिखेगा सशक्तिकरण का नारा इसीलिए समाज में उठाया क्योंकि हमारे समाज में लिंग भेदभाव आज भी इस आधुनिक युग में हो रहा है, आज भी कई जगहों पर गैरकानूनी तरीके से लिंग की जांच करवा कर कन्या भ्रूण जैसे महान अपराध,कर रहे हैं तो कई जगह में विवाह के बाद लड़कियों पर अत्याचार हो रहा है जो नहीं होना चाहिए क्योंकि इस दुनिया में हर किसी को स्वतंत्र रूप से जीने और जीवन में आगे बढ़ने का हक है सरकार ने भी महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देकर उसे आगे बढ़ाने के लिए कई नियम कानून बनाए हैं आशा करते हैं नियम कानून और लोगों की सोच महिलाओं को उनका हक दिलाने में मददगार साबित होंगी हमें भी अपनी महिला सशक्तिकरण के महत्व को समझना चाहिए और समाज की महिलाओं को सम्मान करना चाहिए और उन्हें उनका हक प्रदान करना चाहिए

कभी मां तो कभी बहन को बंद करती है महिला महिला ने जाने कैसे जीवन साथी है सबका महिला सशक्तिकरण दिखाना है महिलाओं को आगे बढ़ाना है

उपसंहार : अन्त में मैं यही कहना चाहती हूँ, कि,कोई भी देश सफलता के शिखर पर तब तक नही पहुँचता हैं जब तक महिलाएं पुरुषो के कन्धे से कन्धा मिलाकर ना चले, हमारा देश तभी आगे बढ़ेगा जब हमारी बहन, बेटी व माँ, पत्नी सुरक्षित स्वस्थ व आत्म निर्भर बनेगी।

खुश हाल होमाँ बहन,बेटी, व पत्नी तो
भविष्य सुधर जायेगा भारत का
जलते रहेंगे देश दूसरे, देख भारत की महिलाओं को

भगवती बिहानी, नाजिरा आसाम

महिला सशक्तिकरण

क्या सही मैं सशक्तिकरण हुआ है? सिर्फ बेटियों बहुओं को पढ़ना ,कॅरियर बनाना,अपने पैरों पर खड़ा करना,कमाना,सिर्फ यही है सशक्तिकरण!

कई बहनो के स्वाभिमान का चूर चूर हुआ है तो कई बहने अपने स्वाभिमान कोअभिमान में बदल चुकी है। बहुत सी बहने स्वाभिमान और अस्तित्व के बिना ही अपना जीवन जी लेती है। उनकी पहचान को ही दबा दिया जाता है। वो कितनी भी छटपटाये धीरे धीरे वो खुद अपने आप को अपेक्षित महसूस करने लगती है। किसी तरह वो कुछ कर भी ले तो सिर्फ उसकी एक भूल का इंतजार होता है। उल्टा उसे ही समझाया जाता है यह लोग नही बदलेंगे तुम इनके अनुसार ही चलो जब उस नारी का उत्थान ही नही है तो कैसा सशक्तिकरण! स्वाभिमान के साथ अभिमान क्या इसे समझे सशक्त नारी! खुली छूट,खुला आसमां,जीती है जिंदगी अपने दम पर भूल जाती है हमारे भी है कई अपने। जो करना है खुद के लिए करना है,कमाते है हम! इसलिए बड़ो का ना कोई मान ना कोई सम्मान।

इसका मतलब यह नही की नारी को आगे बढ़ना नही चाहिए लेकिन उसका गलत फायदा भी नही उठाना चाहिए।

हम किसी को दोष नही दे सकते क्योंकि एक नारी ही नारी को आगे बढ़ने से रोकती है। मतलब नारी का रोल सब जगह महत्वपूर्ण है।

नारी के सशक्त होने से परिवार-संगठन-समाज सब का उत्थान होगा। सही मायने में महिलाओं का सशक्तिकरण होगा।

एक पहचान, एक मिसाल बन सशक्त नारी तू।

स्वाभिमान रख ,अस्तिव की प्रेरणा है तू।।

नीरा मल्ल, पुरुलिया,पश्चिम बंगाल

मातृशक्ति को प्रणाम व महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।

यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रिया।।

महर्षि मनु का यह श्लोक महिला शक्तिकरण का बीजमन्त्र प्रतीत होता है। मानव जीवन और इस सृष्टि के रथ का एक सशक्त चक्र है 'नारी'।

नारी उस वृक्ष की भांति है जो विषय परिस्थितियों में भी तटस्थ रहते हुए राहगीरों को छाया प्रदान करता है, नारी की कोमलता एवं सहनशीलता को कई बार पुरुष ने उसकी निर्बलता मान लिया और इसलिए उसे अबला कहा किन्तु वो अबला नहीं है वो तो सबला है, उसकी इसी कोमलता एवं सहनशीलता में ही मानव जीवन का अस्तित्व संभव है, क्या माँ के सिवाय संसार में ऐसी कोई हस्ती है जो उसी वात्सल्य और प्रेम से शिशु का लालन-पालन कर सके जैसे की मां करती है। एक नारी जन्मदायिनी ही नहीं अपितु संस्कारदायिनी भी है, जो अपनी संतान को सुसंस्कार बना कर परिवार व समाज ही नहीं अपितु पूरे राष्ट्र का भविष्य बदल सकती है।

इसमें किंचित मात्र भी संदेह नहीं है कि नारी ही वो शक्ति है जो समाज का पोषण से लेकर राष्ट्र तक का संवर्धन करती है। बस आवश्यकता है अपनी उस शक्ति को पहचानने की, अपने नारियोचित गुणों पर गर्व करने की। नारी अपने आप में परिपूर्ण है, उसे अपनी शक्ति प्रदर्शित करने के लिए पौरुषत्व ग्रहण करने या अपना लिबास बदलने की आवश्यकता नहीं। क्योंकि एक नारी, नारी के रूप में ही सशक्त हो सकती है और जब हर महिला इस बात की समझकर अपने सुलभ गुणों के साथ आत्मविश्वास से आगे बढ़ेगी तभी सही मायनों में महिला दिवस की सार्थकता होगी। **-सौ. चेतना जागेटिया,** भीलवाड़ा

महिला सशक्तिकरण का सच

बेशक 18वीं सदी से 21वीं सदी तक के सफर में स्त्री ने अपने अद्‌भुत और विस्मयकारी क्षमताओं का लोहा समाज में मनवा लिया है। स्त्री आज आर्थिक, सामाजिक, प्रशासनिक और यहां तक की राजनीतिक आदि अनेक क्षेत्रों में विजयी आगाज कर चुकी है। देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से लेकर, आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ऐसे कई उदाहरण हैं जो साबित करते हैं आज की वैज्ञानिक और कम्प्यूटरीकृत 21वीं सदी में महिला आत्मनिर्भर, सफल और स्वावलम्बी है। पर विडंबना का विषय है कि वे पुरुष के बराबर हकदार हो गई है तो फिर क्यों कोई भी महिला अपनी कोख में पलने वाली मासूम, निष्पाप कन्या भ्रूण को अपने ही परिजनों के कहने पर जन्म देने के पहले नकारी जाती है। आज के तथाकथित सभ्य, सुसंस्कृत, आधुनिक युग में फूल सी कोमल हमारी बेटियां विकृत मानसिकता वाले दरिंदों के कुकर्मों का शिकार बन निर्भया, कामिनी बनने को क्यों मजबूर हैं। क्यों आज की आत्मनिर्भर नौकरी-पेशा युवतियों के ऑफिस से घर सुरक्षित पहुँच जाने की कोई गारंटी नहीं होती? क्यों माता-पिता, बेटी के जन्म लेते ही दहेज देने की चिंता में लग जाते है? क्यों बेटियों के माँओं को घर का चिराग पैदा न किये जाने पर ताने क्यों सुनाये जाते हैं? क्या निचले वर्ग से लेकर नामी गिरामी स्त्रियां भी घरों, सार्वजनिक स्थलों पर एन-केन प्रकारेण शोषण का शिकार होती देखी जा रही हैं? आखिर क्यों, आखिर क्यों?

क्या मात्र 8 मार्च को महिला दिवस मनाकर, महिला सशक्तिकरण संभव है? यदि महिला चाहती है की समाज वालों का नजरिया उसके प्रति बदले, उसे वही सन्मानि मिले जिसकी वो हकदार है तो बेशक उसे भी स्वयं के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलना होगा। स्वयं को बेचारी, पराश्रित या दीनहीन समझने और स्वयं के लिए अपमानसूचक शब्द बोलने या सुनकर चुप रहने के स्थान पर स्वयं की क्षमताओं को पहचानकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत जुटाने की आदत डालें। समाज में एक सोच है कि महिला सशक्तिकरण से पुरुषों के अधिकारों का किसी तरह से हनन होगा। परन्तु महिला सशक्तिकरण किसी के अधिकारों का विभाज नहीं, अपितु परिस्थितियों और मापदंडों के सुधार के पर्याय का ही सूचक है। हमें यह जान लेना चाहिए, यदि सशक्त होगी नारी तो सशक्त होगा समाज और यदि सशक्त होगा समाज तो सशक्त होगा देश। किसी की बेटी, किसी की बहू किसी की पत्नी, किसी की मां जैसे पहचान के पहले स्वयं के गुणों, कर्मों के बल पर खुद की पहचान बनाये। परन्तु निष्कर्ष स्वरूप, हम यह मानने को बाध्य हैं कि आज के युग में भी स्त्री का परिपूर्ण सशक्तिकरण नहीं हुआ, अभी और भी बहुत गुंजाइश बाकी है।

जिंदगी का असली मुकाम अभी बाकी है, हमारे इरादों का इंतहान अभी बाकी है।

अभी तो पायी है मुट्ठीभर जमीं हमने, **आगे सारा आसमाँ बाकी है।**

नेहा श्रीकांत झंवर, नासिक

ईश्वर के बाद हम सबसे अधिक ऋणी स्त्री के हैं,
पहले तो स्वयं अपने जीवन के लिए और
फिर इस जीवन को जीने योग्य बनाने के लिए

नारी शक्ति को मेरा प्रणाम

भूगर्भ से निकली भूमंडलीय जगत जननी सीता, मैया नारी शक्ति के रूप में जिसने दी अग्नि परीक्षा, जो जग में पूजी जाती है आज सती बन कर के अपना सतीत्व धर्म निभाया, शीतल सी छाया देती है शीतला माता। दुर्गा बनकर किया संवार ऐसी नारी भगवती यों को मेरा प्रणाम। झांसी की रानी लक्ष्मी बाई युद्ध से ना घबराई, मां अहिल्या कुशल नेतृत्व से संभाला कार्यभार, मदर टेरेसा बनकर करती रही सेवा भाव, इंदिरा बनकर संभाला देश का कार्यभार, कोकिल सी आवाज देकर लता आशा ने बनाई अपनी नई पहचान, ऐसी नारी शक्ति को मेरा प्रणाम करती हूं उस मां का वंदन। जिसने हमें जन्म दिया अडिग रहती हैं। अपने पथ पर बनाई है नारी शक्ति ने, हर क्षेत्र में अपनी एक नई पहचान, नारी शक्ति को मेरा बारंबार प्रणाम, मातृत्व की छत्रछाया मे जिससे चलता घर संसार, कली बनकर आई जो फूलों की खुशबू से महका देती है अपना परिवार, उसकी महिमा का क्या-क्या क्या करें गुणगान, गंगा यमुना सरस्वती नर्मदा और ना जाने किन किन रूप में सँवारती है संसार, कुछ कर गुजरने के हौसले दिखाती है अपना आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास, संघर्ष में भी ना घबराती है, अपना मनोबल बनाए रखती है न चाहिए उसे कोई सम्मान पर ना करें कोई उसका अनादर न करे उसका शोषण न अत्याचार, देखे सम्मान की नजरों से इतना ही चाहिए उसे सम्मान, नारी शक्ति को मेरा प्रणाम।

भारती चतुर्भुज माहेश्वरी, नलखेड़ा

बच्चों को शिक्षित के साथ दीक्षित भी करना होगा : माहेश्वरी

आशा माहेश्वरी का कहना है कि आज आर्थिक रूप से चाहे हम कितने भी समृद्ध हो जाएं, परंतु आज जो रिश्तों में गिरावट आई है उसके पीछे कहीं न कहीं पारिवारिक जीवन मूल्यों एवं नैतिकता का विघटन और संस्कारों का ना होना जिम्मेदार है। इस टूट रही डोर को हम महिलाएं ही पुनः स्थापित कर सकती हैं. महिलाओं को जीवन में जीजाबाई, लक्ष्मीबाई जैसे आदर्शों को अपनाना होगा और वीर शिवाजी की तरह संतान पैदा करनी होगी।

बच्चों को खूब पढ़ाना है डॉक्टर, इंजीनिर बनाना है, परंतु शिक्षित के साथ दीक्षित भी करना होगा। उन्हें पारिवारिक, सामाजिक, व्यावहारिक, नैतिकता का पाठ पढ़ाना है। परिवार में संस्कारों को प्राथमिकता देनी होगी, परंतु उसके पहले माता-पिता को भी संस्कारित होना पड़ेगा क्योंकि बच्चा घर परिवार में जो देखता है उन्हीं बातों का अनुसरण करता है। पढ़ी हुई शिक्षा भूली जा सकती है परंतु संस्कार जीवन पर्यंत के साथी होते हैं।

श्री अरुण मूंदड़ा का ह्यूस्टन से महिला संगठन को बधाई पत्र

Resp. Asha ji, I applaud your vision for Mahila samaj on behalf of NRI Majeshwari community efforts under your leadership with your team. I also appericiate by heart our "community women" have been significantly contributing by individual progress, family contribution, and contribution to community via Mahila samaj ; so hats off & my applaud through you to communicate "all the Mahila samaj leads at various places various time for years or decades since its inception' to achieve this status strong mahila samaj. Our best wishes to all Mahila Maheshwari samaj who thru visionaries like you are doing extra ordinary efforts for community progressing themselves to support men for progressing community yet maintain equilibrium (not gettingtrapped into just materialistic competition but maintain family values, social fabric of relations and rich cultural values)

Arun Mundra, Cert PMP, NRI rep Karyakarini Mandal ABMM, FISI (Friends of India Society International), ICC (India Culture Center), Houston USA

कहानी सचाई की

एक दिन सचाई स्नान के लिए कुएं के पास जाती है। वहां वो किनारे पर अपने वस्त्र उतारकर नहाने पानी के भीतर चली जाती है। उसी समय झूठ वहां से गुजरती है। तो देखती है कि सचाई अपने कपड़े वही रखकर नहाने गई है। तो झूठ सचाई के कपड़े चुरा लेती हैं और वहां खुद सचाई के कपड़े पहन कर निकल जाती है।

तब सचाई देखती है की उसके कपड़े गायब है और वहां देखती है कि झूठ उसके कपड़े पहन कर शहर के तरफ जा रही है। सचाई बिना कपड़ों के ही झूठ के पीछे भागती है।

झूठ शहर में सब लोगोंको अपने सचाई की कपड़ों से मना लेती है। उसकी झूठी बातों पर लोग भी विश्वास कर लेते हैं । और जब सचाई शहर में झूठ के पीछे आती है तो उन लोग उसके वस्त्रहीन को देखकर हंसने लगते हैं।उसके ऊपर पत्थर फेंके जाते हैं। सब उसे पागल पागल कहकर निंदा करते हैं।

सचाई चिख चिखकर रोती है। बोलती है कि मैं सच हूं मेरा यकीन करो और जिसको तुम सच मानते हो वो झूठ है। वह सचाई के कपड़े पहनकर तुम लोगों को झूठ में रख रही है। मैं सच हूं और मैं सच बता रही हूं और वह झूठ है सच के कपड़ों में आप सब उसी को यकीन कर रहे हो।

लोगों ने फिर भी सच की एक नहीं सुनी। सचाई की बहुत बेज्ज़ती की। सचाई चुप हो जाती है। शर्म से और झूठ सचाई के रूप में पूरे कायनात पर राज करती है।

तो ये रही कहानी सचाई कि आज भी हमारे दुनिया में सचाई की कोई महत्व नहीं है। सचाई की मार्ग आज भी बहुत कठिन है। और बहुत कम लोग होते हैं। जो सचाई के समझते हैं। और अपनाते है। और उन्हें भी लोग नीची नजर से ही देखते हैं। उनकी निंदा करते हैं। उनकी बेइज़्ज़ती करते हैं। उन्हे शक्तिहीन बना देते हैं ।क्योंकि सचाई ऐसे ही किसी आम इंसान से बाहर नहीं आती है। बहुत से लोगों के जिंदगी में भी कभी कभी उनका सच बाहर आ ही नहीं पाता। शर्म के मारे इंसान उस सच को जिंदगी भर दबा लेता है। वहां सचाई की अहमियत मौत के साथ ही खत्म हो जाती है।

झूठ के ऐसा सच है जो सब सुनना चाहते हैं। क्योंकि वहां सरल होता है और लोग भी वही सुनना पसंद करते हैं। आज भी इंसान वही शक्तिशाली है जो झूठ के सहारे उन ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं सब कहते तो है कि सच बताओ पर असली सच सुनने की हिम्मत बहुत कम लोगों में होती है। क्योंकि सच कड़वा होता है।

आखिर लोग किस

सच के बारे में बात करते हैं।

सच जो लोग सुनना चाहते हैं।

सच जो झूठ से बनी है।

सच जो उनके मन को तसल्ली दे ।

सच जो है दुनिया स्वीकार करते सके ।

सच जो अपने मन को मार कर दुनियादारी की बात करें।

सच जो इंसान को इस दुनिया में जीने की अनुमति दें ।

यह भी कहा जाता है कि आखिर जीत सचाई की ही होती है। पर यह दुनिया उस इंसान की सचाई की रास्ते में इतने कांटे डाल देती है कि बहुत कम लोग उसे रास्ते को अपनाते हैं। और सचाई को जीतकर वहां इंसान थक जाता है। यहां तक बन जाता है आखिर जीत भी पाल लेता हैं। वह उसकी जिंदगी की सबसे बड़ी कामयाबी लगती है। आखिर सच सुनना चाहते हो तो सचाई सुनने की हिम्मत भी रखनी चाहिए। चाहे वह कितना भी कड़वा क्यों ना हो। उसे भी इज़्ज़त से स्वीकार लेना चाहिए। तभी फिर एक बार सचाई जीत जाएगी। फिर एक बार वहां इस दुनिया में अपने अस्तित्व पाएगी और राज करेगी।

श्रीमती रश्मि तोषनीवाल

बेलगांव कर्नाटक

पाक कला

चीज और सब्जियों से बना केसेडिला

केसेडिला एक मैक्सिकन व्यंजन है, जो लगभग टाको की तरह ही है, लेकिन इसे बनाने का तरीका थोड़ा अलग है। ये बहुत सारी चीज और सब्जियों से तैयार किया जाता है। वैसे इसे टॉर्टीला के साथ तैयार किया जाता है जो गेहूं के आटे और बेकिंग पाउडर से बनती है। पर हम इसे रोजाना खाने वाली रोटी के साथ बनाएंगे।

इसे कैसे बनाना है - पैन में 2 बड़े चम्मच तेल मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ प्याज, 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ लहसून भूनें। 1 बड़ा चम्मच बारीक कटी हुई शिमला मिर्च, थोड़ा-सा कटा हुआ टमाटर मिलाकर एक मिनट पकाएं। 1/4 कप उबले हुए काले चने मिलाएं। बोल में 1-1 छोटा चम्मच औरिगेनो नमक (स्वादानुसार), कालीमिर्च पाउडर, भुना जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर अच्छी तरह से मिलाएं। ये मसाला सब्जियों में मिला दें। 1 छोटा चम्मच पानी मिलाकर पका लें। मक्के के उबले हुए दाने भी मिला सकते हैं। पसंद की कोई भी सब्जी डाल सकते हैं। अब अलग पैन गर्म करें। इसमें 1 रोटी रखें और 30 सेकंड तक गर्म होने दें। इसे पलट दें। रोटी के आधे हिस्से पर 1/2 कप मोजरैला या प्रोसेस्ड चीज कद्दूकस करके फैलाएं। इस पर पकी हुई सब्जियां फैलाएं। फिर रोटी का खाली हिस्सा मोड़ते हुए सब्जियों पर रखें। रोटी के ऊपर थोड़ा सा मक्खन लगाकर सावधानी से पलटें। दूसरी तरफ भी मक्खन लगा दें। इसे पैन पर पकाने के बजाय बेक कर रहे हैं, तो सब्जियों को ज्यादा नहीं पकाएं। तैयार केसेडिया को बीच से काटकर डिप के साथ परोसें।

यदि ना पचे तो करें यह उपाय

दूध ना पचे तो सोंफ
दही ना पचे तो सोंठ,
छाछ ना पचे तो जीरा व काली मिर्च
अरबी व मूली ना पचे तो अजवायन
कड़ी ना पचे तो कड़ी पत्ता,
तैल, घी, ना पचे तो कलौंजी...
पनीर ना पचे तो भुना जीरा,
भोजन ना पचे तो गर्म जल
केला ना पचे तो इलायची
ख़रबूज़ा ना पचे तो मिश्री का उपयोग करें...
किसी को कोई बात ना पचती हो तो... ?
एकांत में बैठ; गंभीरता से मनन करें...
यदि किसी मानव को अपना जीवन ही ना पच रहा हो तो प्रभु से नाता जोड़ कर देखें...
_ जीवन जीने का आनन्द ही कुछ और होगा...

उज्ज्ञैन स्वर्ग है क्यौ है जानते हैं ?

एक मात्र स्थान जहाँ शक्तिपीठ भी है, ज्योतिर्लिंग भी है, कुम्भ महापर्व का भी आयोजन किया जाता है । यहाँ साढ़े तीन काल विराजमान है महाँकाल, कालभैरव, गढ़कालिका और अर्धकाल भैरव। यहाँ तीन गणेश विराजमान है। चिंतामन, मंछामन, इच्छामन यहाँ 84 महादेव है, यही सात सागर है। ये भगवान कृष्ण की शिक्षा स्थली है।। ये मंगल ग्रह की उत्पत्ति का स्थान है। यही वो स्थान है जिसने महाकवि कालिदास दिए। उज्ज्ञैन विश्व का एक मात्र स्थान है जहाँ अष्ट चरिंजवियो का मंदिर है, यह वह 8 देवता है जिन्हें अमरता का वरदान है (बाबा गुमानदेव हनुमान अष्ट चरिंजीवि मंदिर) राजा विक्रमादित्य ने इस धरा का मान बढ़ाया। विश्व की एक मात्र उत्तर प्रवाह मान क्षिप्रा नदी। इसके शमशान को भी तीर्थ का स्थान प्राप्त है चक्र तीर्थ । और तो और पूरी दुनिया का केंद्र बिंदु है महाकाल जी का मंदिर महाभारत की एक कथानुसार उज्ज्ञैन स्वर्ग है।

उत्तरांचल

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सेवाभावी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बसंत बहार का हुआ आगाज

उत्तराँचल के अंतर्गत 5 दिवसीय आयोजन अश्रिवका में दिल्ली प्रदेश की सहभागिता प्रशंसनीय थी। रामायण पर आधारित बाल वृन्द के शो वीडियोस से सारा वातावरण रसमय हो गया। सुंदरकांड की पंक्तियों का लालित्य फैल गया। रचनात्मक कलाएं भी बच्चों ने सीखी।

मकर संक्रांत पर 42000/ की राशि पशु सेवा के लिए एकत्र हुई जिसमें से 11000 वन बन्धु परिषद को भेंट किये गए।संजय गांधी पशु चिकित्सालय में हरा चारा,पनीर, बिस्कुट पशुओ को बांटे गए।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में ऋतुपति का स्वागत दसों समितियो के अंतर्गत 7 दिवसीय बसंत बहार से किया गया जिसमें प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं के असंख्य पुष्प खिल गए। सखियों और बच्चों, किशोरो की भागीदारिता से उर्जा पाकर बसंत बहार सरसों के फूलों, सुनहरी गेहू की बालियों की तरह खिलखिला गया।

आध्यात्म समिति के अंतर्गत प्रतिदिन ललित स्तुति गायन प्रतियोगिता थी जिसमें भगवान कृष्ण,राम,विंध्यवासिनी,महेश,दुर्गा की संगीतमय आराधना करी गयी। प्रतिदिन मारवाड़ी भाषा की मिठास में गूंथे हुये स्वागत विडियो से अतिथियों का स्वागत हुआ। धेसर ुळींह चीौळल में योग की सधी हुई मुद्राओ ने रोमांचित कर दिया। महिला सशक्तिकरण समिति के अंतर्गत वसीयतनामा पर कार्यशाला रखी गयी। ग्राम विकास समिति के अंतर्गत रमश्या आंगानिए में राजस्थानी ग्रामीण संस्कृति मे रचे बसे लोकगीतों ने गीतो के मांडने मांड दिए। कंप्यूटर समिति के अंतर्गत लघु नाटक से डिजिटल दुनिया की सैर ने अनेक ए प्लेटफॉर्स की वादियों की सैर करायी। व्यक्तित्व विकास एवं साहित्य समितियो के अंतर्गत मैं नहीं, हम जानते हैं प्रतियोगिता में बॉलीवुड के सदाबहार गीत गूंज गए। विवाह समिति में वैवाहिक जीवन में रिश्तो को सींचे पर वक्तव्य था। बाल एवम किशोर विकास सत्र मे 2 पीढ़ियों का फैशन शो विरासत ने प्यार, संभाल,संस्कार,आदतें,सम्रद्धि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी मे उतार दी। अध्यक्ष श्यामा भांगडिया ने सभी का स्वागत किया। सचिव प्रभा जाजू ने मंच सञ्चालन किया। सभी जज गण सोनालीजी मुंधड़ा, मधुजी बाहेती, सुजाताजी माहेश्वरी, गीरिजाजी सारडा, अनुराधाजी जाजू को सर्टिफिकेटस प्रेषित किये गए। अध्यक्ष, सचिव, संयोजिकाओं, प्रमुख के साथ टीम के अथक परिश्रम ने बसंत बहार में सद्य खिले फूलों का ताज प्रदेश को पहना दिया। अतिथिगण थे: श्री श्यामजी सोनी,आशाजी माहेश्वरी,मधुजी बाहेती,उषाजी मोहंता,राजश्रीजी मोहता, किरणजी लड्ढापुष्पाजी सोमानी,मंजुजी मांधना,नम्रताजी बियानी,उर्वशीजी साबू,नीरजजी पल्तानी, उर्मिलाजी कलंत्री,करुणाजी अटल,शशिजी नेवर,शर्मिलाजी राठी,मंजुजी सोमानी,श्रीराधाकिशनजी सोमानी, मंजुजी बांगड़, निर्मला जी मारू।

अध्यक्ष: श्यामा भांगडिया

मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

अश्विका सम्पन्न

□ **पार्टिसिपेशन** – राष्ट्रीय स्तरपर आयोजित गठबंधन समिति द्वारा बंधन प्यार का एवम कंप्यूटर समिति द्वारा कल आज और कल एव पर्व संस्कृति समिति में प्रदेश की बहनो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।साहित्य समिति द्वारा जागृति कविसम्मेलन में सचिव श्रीमती सीमा झंवर द्वारा राजनीति पर करारा व्यंग्य कर स्वरचित कविता पठन किया गया।

□ **अश्रिवका** – बाल विकास समिति द्वारा आंचलिक स्टार पर आयोजित अश्रिवका मैं विभिन्न प्रतियोगिता महक,प्रज्ञा, ने पुरस्कार जीत प्रदेश का नाम रोशन किया। बसंतोत्सव भी मनाया गया।

□ **सक्रांति** – सक्रांति के शुभ अवसर पर अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर प्रदेश द्वारा 11000/–की धनराशि का सहयोग दिया गया।

कोलकाता स्थित अल्केन्दू में शारीरिक और मानसिक रूप से विक्षिप्त लोगों को चिप्स, लड्डू, बिस्कुट, मास्क, सैनिटाइजर, आदि बाटे गए। दिनांक 20–01–2021 को प्रदेश की तरफ से रतनपुर स्थित स्वराज वृद्ध आश्रम में हीटिंग पैड बांटे गए। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजू जी बांगड एवम राष्ट्रीयप्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झवर की गरिमामयी उपस्थिति रही। पाती अपने रिश्तों के नाम प्रतियोगिता रखी गई।

भ्रमण–कानपुर, उरई, मैनपुर, झांसी, राठ, जालौन का.रा. पदाधिकारियों द्वारा भ्रमण में ट्रस्ट व संपर्क एप की जानकारी दी गई एवं नाटिका प्रस्तुत की गई।

बसंत पंचमी पर सभी जिलों की बहनो ने पीली साड़ी पहन,बच्चो के साथ माँ सरस्वती का वंदन किया। प्रदेश की भ्रमण मीटिंग 22–2–2021 को संपन्न हुई, जिसमें प्रदेश के सभी जिले कानपुर, उरई, मैनपुरी, झांसी, राठ, जालौन आदि की उपस्थिति रही!

उत्तरांचल मुख्य पदाधिकारी के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजू बांगड उत्तरांचल उपाध्यक्ष श्रीमती किरण लड्ढा एवं संयुक्त मंत्री श्रीमती शशि नेवर और समिति प्रभारी श्रीमती प्रेमा झंवर की उपस्थिति ने भ्रमण को साकार किया। राष्ट्रीय महामंत्री का विषय भजन– भजन– भूषा– भाषा। श्रीमती किरण का विषय सभी ट्रस्ट की जानकारी, श्रीमती शशि जी का विषय संपर्क एप की जानकारी एवं प्रेमा जी ने अन्न का अनादर ना करने की बात कही। गठबंधन समिति संयोजिका श्रीमती दीप्ति झंवर गठबंधन ऐप की जानकारी दी। कानपुर से ऋचा रजनी राधिका यशस्वी ने महेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया। झांसी से स्वागत गीत गाकर श्रीमती श्वेता माहेश्वरी ने सभी का स्वागत किया। सभी जिलों की रिपोर्ट जिला सचिव द्वारा पढ़ी गई। कोषाध्यक्ष नीलम मंत्री द्वारा आय – व्यय का ब्यौरा दिया गया। एक प्रतियोगिता रखी गई पाती अपने रिश्तों के नाम सभी पार्टिसिपेंट्स ने बहुत ही सुंदर पाती लिखकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदेश से जिन बहनो ने भाग लिया उनमें से जो बहने विजयी रही उनके नाम है श्रीमती नीलम मंत्री कानपुर, श्रीमती चित्रा भुराडिया (कानपुर), श्रीमती शालिनी करनानी –(कानपुर), श्रीमती लता जी भुराडिया–(कानपुर), श्रीमती प्रीति जी मल्ल, श्रीमती शोभा तापड़िया (मैनपुरी)।

मैनपुरी महिला मंडल द्वारा बसंत पंचमी पर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। आभार पर्व समिति संयोजिका श्रीमती अंजू जाजू एवम ज़ूम संचालन श्रीमती राधिका मूंधड़ा द्वारा किया गया।

अध्यक्ष–सौ. प्रीति तोषनीवाल ❊ सचिव–सौ. सीमा झंवर

पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

गीता ज्ञान सत्संग का आयोजन

गणतंत्र दिवस पर कवियत्री सम्मेलन का हुआ आयोजन। संगठन द्वारा ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता का आयोजन, ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का शहरो द्वारा पुरस्कारों का वितरण। राष्ट्रीय संगठन द्वारा आयोजित छू लो आसमा कार्यशाला मेंप्रदेश की बहनों की सहभागिता।

ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति 9 शहरों द्वारा गायों के लिए 51 किलो दलिया और 25 किलो गुड़ चारे के लिए 600 व चिकित्सा के लिए 1500/ रु 5जी के अंतर्गत गोविंद विधवा महिला को आटाचीनी, मसाले, रजाई, गद्दे, कंबल, खाद्य सामग्री,तौलिए,गरीब बस्ती में बचो को कॉपी, पेन व 6 महीने की फीस प्रदान की गई। शहरों द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशभक्ति नृत्यदेशभक्ति गीत का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति गाजियाबाद द्वारा 500 मास्क का वितरण किया गया। अप्रैल माह में प्रस्तावित सखी एक्सपो का प्रचार प्रसार।

आंचलिक पंच दिवसीय शिविर अश्विका का समापन प्रदेश में संपन्न हुआ। 165 सदस्यों की सहभागिता। मीरापुर द्वारा बालिका दिवस पर स्वरचित स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की। प्रदेश से 13 बायोडाटा का आदान-प्रदान हुआ। प्रदेश की ज़िला संयोजिका श्रीमती राजराठी जी के प्रयास से प्रतीक और पूर्ति जी का संबंध तय हुआ।

साहित्य 9 जिलों में कवयित्री सम्मलेन का आयोजन । समिति के अंतर्गत कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन प्रतियोगिता के विषय में व्हाट्सएप द्वारा बहनों को अवगत कराया गया। कासगंज, 6 शहरों द्वारा मकरसक्रांति पर 950 लोगों को पुलाव खिचड़ी भोज, गुड, तेल, चाय, रेवड़ी का वितरण किया गया। स्वाध्याय एवं आध्यात्मिक समिति द्वारा 3शहरो द्वारा गीता जयंती के उपलक्ष में गीता ज्ञान सत्संग का आयोजन किया गया।

विशेष- प्रदेश पदाधिकारी (राष्ट्रीय कार्य समिति श्रीमती विनीता जी राठी, अध्यक्षा मंजू जी हरकुट, सचिव मोनिका माहेश्वरी)द्वारा अखिलभारतवर्षीय आपदा कोषमें क्रमश (2100,2100,2100)की धनराशि प्रदान की गई। मकरसंक्रति पर्व के अवसर पर प्रदेश द्वारा वनबंधू परिषद को 11,000/ की धनराशि प्रदान की गई। प्रदेश पदाधिकारी द्वारा 14 ज़िलों का भ्रमण कार्य क्रम संयुक्ता भाग-1 का प्रथम चरण संपन्न हुआ। जिला अलीगढ़ द्वारा गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम तिरंगासत्कार व कवयित्री सम्मेलन का आयोजन किया गया। अपूर्वा जी माहेश्वरी ने ज़िला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्र.अध्यक्ष-मंजू हरकुट ❊ प्रदेश सचिव मोनिका माहेश्वरी

हरियाणा-पंजाब माहेश्वरी महिला संगठन

पांच दिवसीय अंशविका शिविर का आयोजन

बसंत पंचमी पर वरिष्ठ उम्र की महिलाओं द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वीडियो प्रस्तुति भेजी गई। ''सखी एक्सपो'' के लिए पूरे प्रदेश में प्रचार-प्रसार जोर शोर से किया जा रहा है। ''लौटा दो मेरे बीते हुए दिन'' प्रतियोगिता की तैयारी चरम सीमा पर की गई। कवियत्री सम्मेलन के लिए प्रदेश में कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की क्लासेज लेकर हर क्षेत्र में महिला को अग्रसर करने का प्रयास किया जा रहा है। मल मास में भजन संध्या रखी गई। संक्रांति पर्व पर गरीब कन्याओं को कन्यादान के लिए सामान दिया

गया। वृद्धा आश्रम में कंबल और किन्नू, आटा, चावल, बांटे गए। मंदिर में विशाल भंडारा लगाया गया।

संक्रांति पर्व पर आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय प्रभारी पुष्पा सोमानी द्वारा झाला प्रस्तुति दी गई। सह सचिव शशिजी नेवर द्वारा संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी गई। संक्रांति पर होने वाले नेकचारो की वीडियो प्रस्तुति दी गई। नृत्य और तंबोला के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया गया। सरकारी स्कूल में मास्क वितरित किए गए। बाल विकास एवं किशोरी विकास समिति के अन्तर्गत बच्चों की पतंग बनाओ प्रतियोगिता रखी गई। उत्तरांचल में आयोजित पांच दिवसीय अंशविका शिविर में रामायण चौपाई पठन में प्रदेश की भूमि झंवर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गरीब बच्चों की बोर्ड की फीस जमा कराई गई। मकर संक्रांति के उपलक्ष में 4000 रुपए वनबंधु परिषद में भेजे गए। 26 जनवरी के अवसर पर देशभक्ति गीत, नृत्य और स्किट प्रतियोगिता रखी गई। प्रदेश की झांकियां निकाली गई। अयोध्या राम मंदिर निर्माण हेतु 11 हजार रुपए सहयोग राशि दी गई। 150 बायोडाटा शेयर और 190 बायोडाटा अपलोड किए गए।

आंचलिक पदाधिकारियों द्वारा 21 जनवरी को भ्रमण किया गया। उत्तरांचल उपाध्यक्ष किरण लड्ढा एवं सह सचिव शशि नेवर द्वारा बहुत ही सुन्दर शब्दों में विधान, ट्रस्ट, सखी एक्सपो, कवियत्री सम्मेलन आदि सभी प्वाइंट समेट कर सभी बहनों को उनसे अवगत कराया। पूनम राठी द्वारा महिला पत्रिका, सुमन जाजू द्वारा भजन, भोजन, भाषा और मंजू सोमानी द्वारा ग्रामीण गठबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान गणतंत्र दिवस भी मनाया गया।

अध्यक्ष-सुमन जाजू ❊ सचिव-सीमा मूंदड़ा

मित्रता की परिभाषा

एक बेटे के अनेक मित्र थे, जिसका उसे बहुत घमंड था। उसके पिता का एक ही मित्र था, लेकिन था सच्चा। एक दिन पिता ने बेटे को बोला कि तेरे बहुत सारे दोस्त हैं, उनमें से आज रात तेरे सबसे अच्छे दोस्त की परीक्षा लेते हैं। बेटा सहर्ष तैयार हो गया। रात को 2 बजे दोनों, बेटे के सबसे घनिष्ठ मित्र के घर पहुंचे। बेटे ने दरवाजा खटखटाया, दरवाजा नहीं खुला, बार-बार दरवाजा ठोकने के बाद दोनों ने सुना कि अंदर से बेटे का दोस्त अपनी माताजी को कह रहा था कि माँ कह दे, मैं घर पर नहीं हूँ। यह सुनकर बेटा उदास हो गया, अतः निराश होकर दोनों घर लौट आए।

फिर पिता ने कहा कि बेटे, आज तुझे मेरे दोस्त से मिलवाता हूँ। दोनों रात के 2 बजे पिता के दोस्त के घर पहुंचे। पिता ने अपने मित्र को आवाज लगाई। उधर से जवाब आया कि ठहरना मित्र, दो मिनट में दरवाजा खोलता हूँ। जब दरवाजा खुला तो पिता के दोस्त के एक हाथ में रुपये की थैली और दूसरे हाथ में तलवार थी। पिता ने पूछा, यह क्या है मित्र।

तब मित्र बोला... अगर मेरे मित्र ने दो बजे रात्रि को मेरा दरवाजा खटखटाया है, तो जरूर वह मुसीबत में होगा और अक्सर मुसीबत दो प्रकार की होती है, या तो रुपये पैसे की या किसी से विवाद हो गया हो। अगर तुम्हें रुपये की आवश्यकता हो तो ये रुपये की थैली ले जाओ और किसी से झगड़ा हो गया हो तो ये तलवार लेकर मैं तुम्हारें साथ चलता हूँ। तब पिता की आँखे भर आई और उन्होंने अपने मित्र से कहा कि, मित्र मुझे किसी चीज की जरूरत नहीं, मैं तो बस मेरे बेटे को मित्रता की परिभाषा समझा रहा था। ऐसे मित्र न चुने जो खुदगर्ज हो और आपके काम पड़ने पर बहाने बनाने लगे।

शिक्षा:-मित्र कम चुनें, लेकिन नेक चुनें..।।

दक्षिणांचल

तेलंगाना-आंध्र प्रदेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

जूम पर भ्रमण सम्पन्न-दर्पण, स्नेहम, सुघोष व चतुर्भुज प्रदेश का बढ़ाया गौरव-कवियत्री, लेखिका स्वर्णा परतानी ने

तेलंगाना आंध्र प्रदेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा प्रदेश में भ्रमण समारोह जूम ऐप के माध्यम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के लिए प्रदेश के 19 जिलों को चार भागों में विभाजित किया गया। जिलों को संभाग बनाकर उन्हें क्रमशः दर्पण, स्नेहम, सुघोष एवं चतुर्भुज नाम से अलंकृत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश की वंदना एवं सभी जिला अध्यक्ष के दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेमलता जी कांकानी, शशिकला जी राठी, चंदा जी सोनी, कलावती जी लोया एवं राजकुमारी जी लोया ने अतिथियों का स्वागत किया। भ्रमण यात्रा 4 दिन की रही। सभी जिलों के सचिव द्वारा सालाना रिपोर्ट एवं कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत हुआ। भ्रमण में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सत्र संरक्षक मां रत्नीदेवी जी काबरा राष्ट्रीय संगठन मंत्री शैलाजी कलंत्री निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना जी गगरानी की उपस्थिति प्रार्थनीय रही। दक्षिणांचल उपाध्यक्ष आधार स्तम्भ कलावती जी जाजु ने सभी का मार्गदर्शन किया एवं कई समाज से जुड़े ज्वलंत विषयों पर अपने विचार रखे एवं संगठन की जानकारी दी। दक्षिणांचल सह सचिव पुष्पा जी तोषनीवाल ने जिलों से आई रिपोर्ट की समीक्षा की एवं ट्रस्ट की महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई। साहित्य सह प्रभारी अनुराधा जी जाजू ने लेखन साहित्य आदि कई विषयों पर जानकारी दी। आध्यात्मिक सह प्रभारी सरिता जी तापड़िया ने जीवन में स्वाध्याय के महत्व को समझाया। अध्यक्ष उर्मिला जी साबू ने नई तकनीक अपनाने पर जोर दिया। सचिव रजनी राठी ने राष्ट्रीय उपलब्धि एवं सखी वर्चुअल एक्सपो की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष मंजू जी लाहोटी ने आय व्यय संभालने की कुछ महत्वपूर्ण बातें बताई। संगठन मंत्री पुष्पा जी सोमानी ने बहनों से संगठन में ज्यादा से ज्यादा जुड़ने का आग्रह किया। कार्यसमिति संतोष जी मालपानी ने माहेश्वरी महिला पत्रिका के बारे में बताया। सभी जिलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति बहुत ही मनमोहक रही। सभी जिलों की बहनों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक भ्रमण यात्रा में भाग लिया एवं कार्यक्रम को सफल बनाया। 16,400 रुप. राष्ट्र में एकल विद्यालय के सहायार्थ प्रदान किये गये। वृद्धाश्रम में चटाई वितरित की गई। गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व फायरलेस कुकिंग का आयोजन किया गया। पीपीटी प्रस्तुतीकरण में प्रदेश को डायमंड केटेगरी प्रदान हुई।

अध्यक्ष-उर्मिला साबू ❊ सचिव-रजनी राठी

तमिलनाडु केरल पांडीचेरी माहेश्वरी महिला संगठन

हर्षोल्लास से मनाया वसंतोत्सव, किया पर्यावरण संरक्षण

तमिलनाडु केरल पाँडीचेरी माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक दिनांक 4 -2-2021 गुरुवार को हुई। (हमारे दस जिलों को हमने दो भागों में विभाजन किया है) प्रथम पांच जिलों में कोचि, कालीकट, इरोड़, कोयंबटूर और सेलम का भ्रमण रखा गया। द्वितीय पांच जिलों में चेन्नई, पुदुचेरी, मदुरै, शिवकाशी और चेंगलपट्टू का भ्रमण रखा

गया। इस अवसर पर पांचों जिले के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के अलावा मंडल की बहनें भी जुड़ी थी। महेश वंदना, स्वागत गीत,श्रद्धांजलि के पश्चात, अध्यक्षीय स्वागत उद्बोधन था, तत्पश्चात सभी जिलों ने अपनी अपनी सालाना रिपोर्ट पेश की।

3 दिव्यांग बच्चों को व्हीलचेयर, वाकर, बेल्ट प्रदान किये मदुरै महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन डागा, कविता लखोटिया और रेखा मूंदड़ा के सहयोग से। हमारे माहेश्वरी महिला मंडल के लिए बड़े गर्व की बात है कि हमारी पुदुचेरी महिला मंडल ने घूमर प्रोग्राम आयोजित कर न सिर्फ एक लाख रुपये का र्षीपवीरळीश किया बल्कि वहाँ की माननीय राज्यपाल किरण बेदी जी को अत्यधिक रूप से प्रभावित कर उनकी सराहना भी प्राप्त की। आज पुदुचेरी महिला मंडल द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रमों में भी राज्यपाल महोदया सम्मिलित होती हैं और हर प्रकार की सहायता के लिए अग्रसर रहती हैं।

1. संगठन मंत्री बीना जी मूंदड़ा का प्रभावशाली उद्बोधन। 2. सचिव ममता जी दमानी द्वारा प्रदेश स्तरीय आयोजनों,एवं राष्ट्रीय उपलब्धियों की जानकारी। 3. अध्यक्षा प्रभा जी चांडक द्वारा भावभीना उद्बोधन। 4. क ार्यसमिति सदस्या श्रीमति.पुष्पलता जी झंवर द्वारा माहेश्वरी पत्रिका की जानकारी। 5. ट्रस्ट सदस्या एवं द्धझ सलाहकार श्रीमति.सूरज जी बाहेती द्वारा ट्रस्ट की जानकारी। 6. प्रदेश संरक्षिका श्रीमति. शकुन्तला जी मोहता द्वारा आशीर्वचन। 7. दक्षिणांचल सह सचिव श्रीमति. पुष्पा जी तोष्नीवाल द्वारा कार्यक्रम की समीक्षा की गई। 8. दक्षिणांचल उपाध्यक्षा श्रीमति. कलावती जी जाजू द्वारा कार्यक्रम की समीक्षा की गई। 9. श्रीमति.प्रीति जी बियानी ने कार्यक्रम का संचालन किया। 10. कृष्णा जी चांडक एवं वर्षा जी चांडक ने स्टेंडअप कामेडी मनोरंजन प्रोग्राम द्वारा कार्यक्रम का समापन किया। 11. दिनांक 17.12.2020 को जूम पर वसंतोत्सव मनाया गया। पर्यावरण संरक्षण के तहत अभियान में सेलम के पास पशु–पक्षियों के लिए दाना–पानी की व्यवस्था की। संकल्प प्रोजेक्ट के तहत एक अनाथ बालिका के विवाह में सहयोग प्रदान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन चेन्नई से श्रीमति. राखी जी मूंदड़ा ने दिया।

प्र.अध्यक्ष–प्रभा चांडक ❊ प्र.सचिव–ममता दमानी

मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

आधुनिक परिवेश में रिश्तो की गरिमा

17,18 दिसंबर को कार्यकारिणी बैठक के साथ ही 4 समितियों के वर्चुअल प्रोग्राम चिंतन की चौपाल का आयोजन रखा गया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती आशा जी माहेश्वरी, महामंत्राणी श्रीमती मंजू जी बांगड़ व सभी समितियों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति के अंतर्गत गीता ज्ञान दे सकारात्मक ऊर्जा विषय पर श्रीमती रचना जी मालपानी ने अपने विचार व्यक्त किए। स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति के अंतर्गत श्रीमान अनिल जी राठी ने आधुनिक परिवेश में रिश्तो की गरिमा विषय पर बताया व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के अंतर्गत श्रीमती नम्रता जी बियानी ने निर्माण से निखार कैसा लाया जाए पर अपने विचार रखें। पर्व व सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत श्रीमती सुशीला जी काबरा ने पर्व व त्यौहार जीवन में लाए उल्लास विषय पर प्रकाश डाला। दक्षिणांचल उपाध्यक्षा श्रीमती कलावती की जाजू, संयुक्त मंत्राणी श्रीमती पुष्पा जी तोषनीवाल भी उपस्थित रही। जनवरी में सक्रांति पर्व पर मालाड महिला समिति ने डहानू जिले में स्थित रानशेत एवं गंजाड की स्कूलों में आदिवासी बच्चों के लिए 800 मास्क, 600 सोलापुरी बेड शीट्स एवं तिल के लड्डू वितरित करवाएं। साथ ही दोनों स्कूलों में को Covid Safety के लिए 2 Oxymeter

2 Temperature Gun 2 Sanitiser Stand 10 Sanitiser Cans गोरेगांव क्षेत्र महिला समिति की बहनों ने शिक्षा के लिए मानव सेवा फाउंडेशन संस्था को 10000 नगद भेंट किए मध्य मुंबई क्षेत्र में क्लीनिंग एट द होम लॉन्ड्री कार्यशाला रखी गई। दादी नानी का पिटारा मैं श्रीमती सुरेखा जी बियानी का वीडियो चयनित चयनित हुआ। 12 फरवरी मुंबई प्रदेश भ्रमण वर्चुअल श्रीमती कलावतीजी जाजू, श्रीमती पुष्पा जी तोषनीवाल, श्रीमती भाग्यश्री जी चांडक ने किया। कलावती जी व पुष्पा जी ने संगठन की कई जानकारियां दी। साथ ही संगठन में जो ट्रस्ट चल रहे हैं उनके बारे में भी बताया सभी जानकारी बहुत ही अच्छी रही। भाग्यश्री जी ने संपर्क ऐप कैसे डाउनलोड किया जाए सिखाया। इस ऐप के क्या फायदे हैं भी बताएँ।

प्र.अध्यक्षा–सुलोचना बल्दुआ ❊ प्र.सचिव–अनीता माहेश्वरी

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

संवाद अपनों से– भ्रमण

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के अष्टम सत्र का प्रथम भ्रमण समारोह के अंतर्गत पूरे कर्नाटक और गोवा को 4 संभाग में विभाजित करते हुए भ्रमण का आयोजन किया गया सर्वप्रथम 18 जनवरी को बेंगलुरु मैसूर, बल्लारी और रायचूरमें मुख्य अतिथि श्रीमती कलावती जाजु व श्रीमती पुष्पा तोषनीवाल के । आतिथ्य में अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा गिलड़ा के नेतृत्व में, उपाध्यक्ष श्रीमती श्वेताजी बियानी, सहसचिव प्रेमलता जी परतानी के साथ मे, चारों जिला का किया गया भ्रमण आयोजन के अंतर्गत महेश वंदना, स्वागत गीत, प्रेरणा गीत, सूत्र संचालन, आभार प्रदर्शन, रोहिणी जी का वक्तव्य,जूम का संचालन, सभी का वक्तव्य,सभी जिलों में दक्षिणांचल की पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्य श्रीमती कमला तोषनीवाल, श्रीमती शोभा जी भूतड़ा, श्रीमती सुनीता लाहोटी एवं महिला सेवा ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रकाश मूंदड़ा ने विस्तार से जानकारी दी। चारों गांव के अध्यक्ष सचिव द्वारा रिपोर्ट सफल भ्रमण समारोह हुआ।

19 जनवरी बनहट्टी, जमखंडी, तेरदाल, विजयपुर, बागलकोट,गुलेदगुड,इरकल द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहे। अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा गिलड़ा, उपाध्यक्ष श्रीमती उमा भट्टड, सहसचिव श्रीमती लता तापड़िया के साथ में सभी पदाधिकारियों का सातों जिला का किया गया भ्रमण आयोजन के अंतर्गत बहुत ही सुंदर एवं बदिया एंटरटेनमेंट with very very good message, सभी का वक्तव्य,सभी पदाधिकारी द्वारा संगठन की जानकारी, सभी गांव के अध्यक्ष सचिवद्वारा रिपोर्ट 20 जनवरी गुलबर्गा, बीदर,सेडम, यादगिरी, शोरापुर, शाहाबाद, भालकी द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहे। अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती लताजी लाहोटी राष्ट्रीय पूर्वाअध्यक्ष, श्रीमती भाग्यश्री चांडक के आतिथ्य में अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी गिलड़ा के नेतृत्व में,सचिव श्रीमती सरिता सारडा, उपाध्यक्ष श्रीमती शांता जी झंवर सहसचिव श्रीमती पुष्पा जी मालू के साथ में, रा.उपा., रा.सचिव के साथ किया गया। सूत्रसंचालन,आभार प्रदर्शन, सभीका वक्तव्य,सभी पदाधिकारी द्वारा संगठन की जानकारी।

25 जनवरी प्रथम भ्रमण अंतिम चरण का समारोह संवाद अपनों से के अंतर्गत गोवा, बेलगांव, हुबली, दांडेली, कोपलगंगावती, गोकाक,रामदुर्ग द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहे, जिसमें अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती शैला जी कलंत्री, राष्ट्रीय संगठन मंत्राणी, व सभी आंचलिक पदाधिकारियों के साथ कर्नाक गोवा का चार दिवसीय भ्रमण सम्पन्न हुआ। सभी स्थानों पर करीब 100 बहनों की उपस्थिति रही।

अध्यक्षा :श्रीमती पुष्पा गिल्ड़ा❊ सचिवः श्रीमती सरिता सारडा

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

तनाव मुक्ति एवं व्यसनमुक्ति

साहित्य सामाजिक चिंतन मनन समिति दिनांक -3 जनवरी सोलापूर जिला के साथ शब्दों की गुड़ गुड़ी (हास्य व्यंग्य) नव वर्ष कि शुरुआत हास्य के संग लिया गया।

हास्य कवि श्री सुनीलजी नावन्दर (अकोला) पधारे। आमंत्रित अतिथि -आ. लताजी लाहोटी (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष) आ. कलावतीजी जाजू (द.उपाध्यक्ष), आ. पुष्पाजी तोषनीवाल (राष्ट्रीय साहित्य प्रभारी प्रमुख) अनुराधाजी जाजू, अर्चनाजी लाहोटी, अरुणाजी मोदी(आँचल सहप्रभारी) सभी विशेष रूप से आमंत्रित थे। कार्यक्रम का मूल सार - तनाव मुक्ति एवं व्यसनमुक्ति, गौसेवा, गौरक्षा,अंधश्रद्धा, सुजान पालक्तव आदि विषयोंपर काव्यवाचन द्वारा प्रबोधन। उपस्थित सदस्यों कि संख्या -350 । 26 जनवरी पर देशभक्ति पर स्वरचित काव्य मंचन प्रतियोगिता ज़ूम पर ली गई।

राष्ट्र से आ.शैलाजी कलंत्री आ.पुष्पाजी तोषनीवाल, आ.मंजूजी मानधना, कलावतीजी जाजू प्रमुख अतिथि के स्वरूप में पधारी थी। दक्षिणांचल सहप्रभारी अनुराधाजी जाजू ने प्रतियोगिता का परीक्षण किया। 2 घंटे के इस प्रोग्राम में 322 बहनोकी उपस्थिति रही। 22 बहनोंने देशप्रेम से ओतप्रोत भरें भावोंसे सुंदर काव्यमंचन किया।

परिणाम - प्रथम: सुनीताजी माहेश्वरी नासिक, द्वितीय : उषाजी बिन्नानी : धुलिया, तृतीया : मयूरीजी अट्टल : नांदेड़

महाराष्ट्र प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा राम मंदिर हेतु 4 लाख 70 हजार की सहयोग राशि प्रदान की गई।

बाल एवं किशोरी विकास समिति-अंतर्गत दिनांक -10-1-2021 प्रमुख वक्ता अमितजी राठी पधारे। उनका समाज के किशोर - किशोरियो एवं पालको के साथ नव वर्ष, नई शुरुआत, नया दौर, नई दिशाएं शिक्षा, कैरियर, पैरेंटिंग, परवरिश पर मार्गदर्शन एवं चर्चा सत्र रखा। आमंत्रित अतिथि - डॉ. संगीताजी बियानी (द. सह प्रभारी)। उपस्थित सदस्यों कि संख्या -154।

स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति अंतर्गत नूतन वर्ष का अनुपम स्वास्थ्य उपहार डायबिटीज (मधुमेह) पर ऑन - लाईन सेशन (7 दिवसीय) 7 से 13 जनवरी सुबह प्राणायाम एवं शाम को विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और चर्चा सत्र रखा गया।

भ्रमण-महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन- मराठवाड़ा विभाग- जालना जिला, ज़ूम भ्रमण में मुख्य अतिथि के रूप में आ. आशाजी माहेश्वरी की उपस्थिति ने, उनके मार्गदर्शन ने सभी कार्यकर्ताओं को हर्षोल्लास से भर दिया। आशाजी के मुख से महाराष्ट्र प्रदेश के कार्यो की प्रशंसा ने सभी को और अधिक उत्साहित कर दिया। आपने राष्ट्र की आगामी योजनाओ से सभी को अवगत कराया। साथ ही लताजी लाहोटी, कलावतीजी जाजू, शैलाजी कलंत्री, पुष्पाजी तोषनीवाल ज्योत्स्नाजी लाहोटी की गरिमामयी उपस्थिति के साथ मार्गदर्शन और समीक्षण। प्रदेश अध्यक्ष अनुसूयाजी मालू, प्रदेश सचिव सुनीताजी पलोड, उपाध्यक्ष सूर्यमालाजी मालानी,सहसचिव अनिताजी मालू सभी द्वारा मार्गदर्शन। जालना जिलाध्यक्ष निर्मलाजी साबू एवं सचिव मिनाक्षीजी दाड द्वारा सभी का स्वागत। 19 फरवरी को राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने संगोष्ठी जिले का वर्चुअल भ्रमण कर बहनों को मंजुल उदबोधन व आगामी कार्यक्रम सखी एक्सपो

(मेले) की जानकारी दी। प्रादेशिक उपाध्यक्ष सरोज तोषनीवाल, सहसचिव कांता लाहोटी, सोलापुर जिला अध्यक्ष सौ. बसंती भराड़िया एवं सांगली जिला अध्यक्ष हेम मंत्री भी उपस्थित थीं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण हेतु श्रद्धेय गोविंद गिरिराजजी को 4,70,000 रु. सहयोग किया गया।

इसी के साथ–नांदेड़ जिला एवं पौराणिक महिलाओं वाला तीनों साथ में

प्र.अ. सौ अनुसूया मालू ❋ प्र.सचिव–सौ. सुनीता पलोड़

नांदेड़ जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कुछ हट कर कुछ डट कर सभी के साथसमाज का विकास

1) नांदेड़ जिला माहेश्वरी महिला संगठन (अध्यक्ष 16–19) व नारायण रेकि सत्संग परिवार की और से जल पुनः भरण हेतु तीन गांव, हरिश्चन्द्र, नंदू, बिलु तांडा गोद लेकर सभी तांडे में रहने वालों का जल संकट (करीब 20 वर्षो तक) आरएसएस के सहयोग से निवारण हुआ।इसी उपलक्ष्य में जागतिक जल पुरुष मा.भाईजी डॉ राजेन्द्र सिंघजी राणा(आधुनिक भगीरथ) के हाथों संगठन की अध्यक्ष व नारायण रेकि मास्टर के नाते 2 सन्मान चिन्ह प्रदान हुए।

2) दक्षिण की गंगा कहलाने वाली गोदावरी नदी के तट पर महिलाओ की असुविधा देख कर चेंजिंग रूम, वाशरूम बनाकर लोकार्पण किया गया।❋

3) बीसी अन्न बचत कंपैन –पिता के मेहनत की कमाई.... माता का जल्दी उठकर भोजन बनाना...., देश के किसानो के प्रति आदर...इसी भाव को लेकर स्कूल में जाकर बचो को आगाह करना–(परली बैद्यनाथ के सहयोग से–27 सदस्यों की टीम के साथ)।

जूठा न डालो कण भर होंगे प्रसन्न परब्रह्म....

4) गोबर की लकड़ी बनाना है, पेडो को बचाना है, जाते जाते दाहसंस्कार होगा गोकाष्ठा से, पर्यावरण को भी हर्षाना है.....

मराठवाड़ा में पहली बार गोकाष्ठा मशीन की स्थापना खड़कूत गऊशाला में, हम्पी के स्वामीजी, जगदीश बाबाजी व पूर्व मुख्यमंत्री मा. अशोकरावजी चौहान के हाथों उद्घाटन, मशीन को जिंदा रखने हेतु नांदेड़ की सभी महिला मंडल द्वारा श्रम दान। गौ चारा से तुलादान।

5) सबसे सुंदर सबसे अच्छा हुआ फ्रंट लाइन फाइटर के लिए अच्छा मिशन सहाय्य के माध्यम से फेस शील्ड बांटकर, किये उनकी सुरक्षा. लॉकडाउन के पीरियड में

वैज्ञानिक आदित्य काबरा(पुत्र) पूना में वेंचर सेंटर के माध्यम से 100000 फेस शील्ड डोनेट किया, उसी के मार्गदर्शन से नांदेड़ में मिशन सहाय्य 7 युवा टीम के साथ मिलकर करीब 6000 फेस शील्ड बनाकर पोलिस कर्मी, डॉक्टर्स, आशा वर्कर को डोनेट किये।

अन्य उपलब्धि–1)राजस्थानी महिला मंडल नांदेड द्वारा–कर्तत्ववान महिला पुरस्कार 2)नांदेड़ वाघाला शहर महानगर पालिका नांदेड द्वारा–जननी जन्मभूमि कार्यक्रम में श्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पुरस्कार 3) 8 मार्च जागतिक महिला दिन पर–तेजेस्विनी कन्या पुरस्कार (मा.पूर्व मुख्यमंत्री के हाथ से) 4) महारष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा बेस्ट अध्यक्ष, बेस्ट प्रोजेक्टस, बेस्ट रिपोर्टिंग, पुरस्कार 5) देस दिसावर राजेस्थानी पत्रिका में फर्स्ट पेज पर जागतिक महिला 8 मार्च पर इंटरव्यू।

–चन्दा महेश काबरा (निवर्तमान अध्यक्ष–नांदेड)

महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा पौराणिक महिला का अध्ययन आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विषय पर छह दिवसीय स्वाध्यायमाला आयोजित

इस सफलतम स्वाध्याय माला में प्रतिदिन लगभग 350/400 महिलाओं ने छह दिवस छह चरित्र का विवेचन सुना। प्रथम दिन माता पार्वती के स्वरूप का दर्शन सशक्त वाणी के माध्यम से हैदराबाद की साहित्य समिति द. सहप्रभारी डॉ. अनुराधाजी जाजू ने कराया। दूसरी दिन प्रत्यक्ष यमराज से अपने पति के प्राण लेकर आने वाले सती सावित्री का आज के परिवेश में अत्यंत सुंदर विवेचन अध्यात्म एवं स्वाध्याय समिति संयोजक डॉ. लीला करवा ने किया। तीसरी दिन प्रा. उर्मिला भांगदरगे ने माता कैकयी की जीवनी के हर पहलू को समझाते हुए राष्ट्रहित के लिए किये अनोखे त्याग को बहुत ही सटीक शब्दों में प्रस्तुत किया। चतुर्थ दिन दीपाजी ने भगवती सीता का शांत, संयम, सशक्त रूप आदर्श पुत्री, आदर्स बहू, आदर्श पत्नी और माता सभी रूपों की चर्चा करते हे उन्होंने कहा कि नारी की सहनशीलता उसकी ताकत होती है। पंचम दिन कुंति और गांधारी का तुलनात्मक अध्ययन श्रीमती सुनीता चरखा ने महाभारत के कई प्रसंग का सुन्दर विवेचन करते हुए प्रस्तुत किया। छठे दिन द्रौपदी को अपने ओजस्वी वाणी में प्रस्तुत किया मादुरी पुर्णपात्रे ने। यह स्वाध्यायमाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था। पूरे समारोह में हमारी संस्कृति की विशिष्ट महिलाओं के चरित्र चित्रण को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया गया। यह जानकारी अध्यक्ष अनुसूया मालू, सुनीता पलोड़, डॉ. लीला करवा, कल्पना मालू, मंगल बिर्ला, सुमति नवाल, रेखा नवाल, दुर्गा मानधने ने प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान आदरणीय रत्नीदेवी काबरा, कल्पना गगडानी, उषा करवा, सुशीला काबरा, सरिता तापड़िया, लता लाहोटी, कलावती जाजू, विमला साबू, पुष्पा तोषनीवाल, गीता मूंदड़ा, शैला कलन्त्री, शोभा सादानी, अरुणा लढ़ा आदि प्रत्येक दिन आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित हुईं। आयोजन की सफलता पर देश के वरिष्ठजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की एवं ऐसे आयोजन हमेशा आयोजित करने की सलाह दी।

अध्यक्ष–अनुसूया मालू ✻ सचिव–सुनीता पलोड़

मध्यांचल

छत्तीसगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन

गणतंत्र दिवस पर झंडावंदन, फैंसी ड्रेस, मिठाई वितरण

जनवरी–प्रदेश में सभी जिलों में मकर सक्रांति पर्व, पर दानपुण्य, अनाज, फल, कम्बल,आदि का हुआ। 26जनवरी 72वे गणतंत्र दिवस पर झंडावंदन, फैंसी ड्रेस, मिठाई वितरण, देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन। 13 जनवरी प्रदेश की कार्यसमिति व कार्यकारिणी बैठक शीर्ष के सभी रा. पदाधिकारी की उपस्थिति में सुंदर कार्यक्रम सभी 10 रा. समिति प्रभारियों के साथ सवाल हमारे जवाब आपके का सफल आयोजन । राष्ट्रीय आशा जी मंजू जी ज्योति जी शैला जी व मंगल जी की गरिमामयी उपस्थिति। फरवरी–प्रदेश के सभी जिलों में बसन्त पंचमी मनाई गई। 17, 18, 19फरवरी त्रिदिवसीय कार्यक्रम छत्तीसगढ़ भ्रमण पंच विहान आरोहण का आयोजन राष्ट्रीय व छ, ग,के पदाधिकारी व ग्रासरूट तक कि समस्त बहनो के साथ पहली बार वर्चुअल भ्रमण जूम के माध्यम से सफलता पूर्वक सम्पन्न।6 जिलो में से 4 जिलो का भ्रमण 1. धनहा धमतरी जिला–वेलेंटाइन डे थीम 2.अतुल्य बस्तर–अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस थीम 3. बिलासपुर जिला–सतरंगी बसंती बयार थीम 4.ट्रिनसिटी दुर्ग जिला–रंगीलो राजस्थान थीम सभी जिलों ने सुंदर वीडियो के माध्यम से अपने जिलो की जानकारी दी।और सभी स्थानीय संगठन को लाइव दिखाया।सभी स्थानीय अध्यक्ष ने लाइव रिपोर्ट पढ़ी। भ्रमण के लिए आए एजेंडा पर प्रदेश के सभी जिलों ने पूर्णरूपेण काम किया और उसकी रिपोर्ट प्रदेश उपाध्यक्ष व संयुक्त मंत्री ने रा. पदाधिकारियों को लाइव पॉइंट वाईस पढ़कर सुनाई।सभी जिलाध्यक्ष ने अपने कार्यालय की रिपोर्ट बताई।

1) Abmms के संपर्क app में प्रदेश के कुल 2700 परिवारों की सम्पूर्ण जानकारी भरकर प्रदेश को बधाई मिली।

2) गठबंधन विवाह समिति की मनीषा गट्टानी द्वारा प्रदेश के कुल 250 बॉयोडाटा का संकलन कर राष्ट्रीय विवाह समिति को भेजा गया व 3 सम्बन्ध कराए गए भ्रमण के दौरान।

3) 0 बैंक बैलेंस से 22 खाते खुलवाए गये प्रदेश में।

4) महिला पत्रिका के कुल 90 सदस्य बनाये गये भ्रमण के दौरान प्रदेश में।

5) 1 लाख से कम आय वाले कुल 33 परिवार है प्रदेश में जिसमें से 16 परिवार को विभिन्न ट्रस्टों से सहायताराशि मिल रही हैं। कुछ को प्रदेश स्तर पर सहायता दी जा रही हैं। और कुछ के प्रोसेस जारी है।

6) भ्रमण के दौरान 9 नए संगठन बनाये गए। प्रदेश में पहले 31 संगठन थे अब कुल 40 हो गए।

7) भजन भोजन भाषा भूषा पर नाटिका के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति रायपुर व राजनांदगांव जिला द्वारा जिसे सभी ने सराहा।।

8) सखी पोर्टल से प्रदेश की 430 बहनो को जोड़ा गया फ़ेसबुक पेज में।

9) प्रदेश से प्रदेश सभा द्वारा कोरोना काल मे 11 लाख रुपए उच फण्ड में व 5लाख की राशि झच फण्ड में दी गई। रायपुर महेश सभा से 32 परिवारों को 5000 की

सहयोग राशि दी गई धमतरी जिला से 1 बच्चे की चिकित्सा हेतु 1 लाख की राशि दी गई।

10) महिला अधिकार सशक्तिकरण के अंतर्गत प्रदेश की प्रभावशाली बहनो के 4 नाम रा.संगठन को भेजे।रुपाली जी गांधी, स्वाति जी जाजू, सुधा जी मर्दा, हंसा जी राठी

11) प्रदेश स्तर पर पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के कार्यक्रम में tea talks व्यक्ति से व्यक्तित्व तक मार्च में अनवरत 4 एपिसोड के माध्यम से संचालित किया जाएगा।। 12) प्रदेश का मॉडल विधान बनाने की प्रक्रिया अब शुरू की जाएगी।

13) प्रधानमंत्री जी की स्वदेशी अपनाओ विदेशी का बहिष्कार योजना का प्रदेश में पोस्टर मैसेज व वीडियो के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाता हैं। भ्रमण में उपस्थित अतिथि-रा. पूर्व अध्यक्ष गीता जी मुंधड़ा, रा.कोषाध्यक्ष ज्योति जी राठी, रा.संगठन मंत्री शैला जी कलन्त्री, रा.उपाध्यक्ष मंगल जी मर्दा,रा.संयुक्त मंत्री उषा जी करवा, रा.प्रभारी उषा जी मोहन्ता,आंचलिक प्रभारी प्रतिभा जी नत्थानी, प्रदेश सभा अध्यक्ष रामरतन जी मुंधड़ा, प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष रूपेश जी गांधी, प्रदेश से सरस्वती जी लोहिया, गीता जी डागा, आशा जी डोडिया, पुष्पा जी राठी, प्रदेश पदाधिकारी,

प्रदेश अध्यक्ष-अमिता मुंधड़ा* प्रदेश मंत्री-भावना राठी

पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

एक-दूसरे का हाथ थामे कदम से कदम बढ़ाएंगे आगे बढ़ते जाएंगे

प्रादेशिक अध्यक्ष अनीता जी जावंधिया की ओर से नववर्ष 2021 करोना वायरस मुक्त हो इसके लिए ईश्रवर से प्रार्थना की एवं राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी अनीता जी जावंधिया का यही संकल्प है कि नई उमंग नई तरंग नया उत्साह से एक-दूसरे का हाथ थामे कदम से कदम बढ़ाएंगे आगे बढ़ते जाएंगे । मलमास में गोदा उत्सव धूमधाम से मनाया शोभायात्रा निकाली भजन कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया गोदा रंगनाथ को भोग लगाकर सभी ने खूब प्रसाद का आनंद लिया । 8 जनवरी को प्रादेशिक सचिव रंजना जी बाहेती के निवास पर महिला मंडल की मीटिंग संपन्न हुई जिसमें हल्दी कुमकुम एवं सक्रांतिष/ पर चर्चा हुई । 12 जनवरी को डॉक्टर जवाहर जी बियानी द्वारा छू लो आसमान पर प्रेरणा मय वक्तव्य दिया जिसमें सभी बहनों को लाभ मिला ।

माहेश्वरी महिला जिला संगठन भोपाल द्वारा मिसेज वर्ल्ड एवं मिसेज यूनिवर्स श्रीमती रूपल मोहता का सम्मान समारोह रखा गया ।कोरोना काल के चलते आयोजन 20-25 लोगों में ही संपन्न हुआ ।भोपाल माहेश्वरी समाज के मध्याँचल पूर्वांचलदक्षिणाचल की पदाधिकारी एवं जिले की कई गणमान्य महिलाएं उपस्थित थीं ।श्रीमती रूपल मोहता ने अपने जीवन के प्रेरणादायी संस्मरण सभी महिलाओं से साँझा किये । सभी बहनो ने उत्सुकता पुर्ण प्रश्रन भी किये ।कार्यक्रम बावडिया कलां स्थित श्रीमती संतोष गगरानी(जिला सचिव) के निवास स्थान पर हुआ ।जिला अध्यक्ष जयश्री बजाज ने सभी का स्वागत किया ।प्रदेश सचिव रंजना बाहेती भी इस अवसर पर मौजूद थीं ।जिले के सभी पदाधिकारीयो ने इस प्रेंरणादायी सम्मान समारोह में भाग लिया एवं श्रीमती रुपल जी को एक स्मृतिचिन्ह भेंट कर इस अवसर को यादगार बना दिया ।

पूरे कार्यकम का संचालन जिला कोषाध्यक्ष श्रीमती कीर्ति सिंगी ने बहुत व्यवस्थित रूप से किया । 14 जनवरी मकर सक्रांति पर वृद्धों का एवं शिक्षकों का सम्मान किया गया हर्षोल्लास से पतंगर्ह उड़ाई गई सभी ने आनंद लिया । झुग्गी झोपड़ी में पठन सामग्री। कॉपी पेन आदि व भोजन सामग्री दाल चावल गुड़ लड्डू चिप्स के पैकिट आदि बांटे गए । गरीबों को अलमारी गर्म पानी की थैली गजक रेवड़ी कंबल खिचड़ी लड़कियों की शादी का सामान बर्तन कपड़े आदि वितरित किया गया श्री जी मंदिर में खिचड़ी उत्सव का सुंदर आयोजन किया। प्रदेश द्वारा आयोजित

प्रतियोगिता सक्रांति त्यौहार के टूने – जुड़े संस्कृति से तीनो प्रतियोगिता में सभी बहनो ने बड़े उत्साह के साथ बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । तिल्ली से पतंग सजाओ प्रतियोगिता आकर्षक का केन्द्र रही । राष्ट्रीय साहित्य समिति द्वारा कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन पर महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । प्रदेश में ठाकुर जी के ऊनी वस्त्र ह्र मफलर स्वादिष्ट रसमलाई केक आदि बनाना सिखाया गया । गौशाला में गुड़ चारा खिलाकर गौ सेवा करने वाली बहनों को साड़ियां भेंट की । अखिल भारतीय कार्य समिति सदस्य प्रतिभाजी झंवर की उपस्थिति में हल्दी कुमकुम किया गया हल्दी कुमकुम में बान में ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाई बातिया बाँटी । रुई बत्ती बनाने के लिए रोजगार देने हेतु दी गई । 72 वें गणतंत्र दिवस पर कोवीशिल्ड वैक्सीन लगवाने का संकल्प लिया पौधारोपण ध्वजारोहण देशभक्ति के गीत फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें सभी ने उत्साह उमंग के साथ आनंद लिया ।

प्र.अध्यक्ष–अनिता जांवधिया ※ प्र. सचिव–रंजना बाहेती

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक महिला संगठन

गौ संरक्षण पर विशेष ध्यान

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति– राष्ट्रीय समिति के छू लो आसमां कार्यक्रम में प्रदेश की अंतिम छोर की बहनों को जोड़ा। अलीराजपुर की गुप्ता परिवार की बेटी राधिका गुप्ता ने यूपीएससी में 29वीं रैंक प्राप्त कर परिवार, जिला, प्रदेश, समाज का गौरव बढ़ाया। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित नारी सम्मान में बुरहानपुर की जिलाध्यक्ष अनिता मंत्री व रजनी गट्टानी का सम्मान उनके द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए गए कार्यों के लिए किया गया।

प्रदेश के स्थायी प्रकल्प के अन्तर्गत गोशाला, वृद्धाश्रम, अनाथाश्रम, दिव्यांग आश्रम में सहायता जारी। गोशाला में गुड़, चारा, खली इत्यादि दिए जा रहे। वृद्धाश्रम, अनाथालय, दिव्यांग संस्था में समय, सेवा, उपयोगी सामान भेंट किए जा रहे हैं। ऑनलाइन कोचिंग क्लासेस में 45 विद्यार्थियों को डिस्काउंट एवं 5 विद्यार्थी को छात्रवृत्ति।

अभी भी कोरोना से बचाव हेतु मास्क एवं सामाजिक दूरी का संदेश का प्रसार, शाजापुर के दम्पति को दवाई की मदद अनवरत। इस ऋतु में स्वास्थ्य के लिए तिल, गुड़ खाने के फायदे का प्रचार।

प्रदेश समिति संयोजिका शांता मंत्री के प्रयास से 2 सम्बन्ध जनवरी में तय। मार्च में होने वाली विशिष्ट युवक–युवतियों के परिचय सम्मेलन की जानकारी ग्रामों तक दी जा रही।

कार्यसमिति बैठक का आयोजन। राष्ट्रीय समिति द्वारा 16, 17, 18 जनवरी को बढ़ते कदम कार्यक्रम से छोटे गाँव की बहनों को जोड़ लाभान्वित कराया। स्थानीय क्षेत्रों को कार्यक्रम के वीडियो दिखा तकनीकी शिक्षा सिखाई जा रही।

साहित्य–सामाजिक चिंतन, मनन समिति – राष्ट्रीय साहित्य समिति की तृतीय प्रतियोगिता–कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन पर जिलों के स्थानीय गांव, शहरों से प्रविष्टी चयनित हो आने का क्रम शुरू। प्रदेश संगठन द्वारा काव्य पाठ सपनों का आकाश का आयोजन 3 जनवरी को सम्पन्न कराने की तैयारी। प्रदेश से झाबुआ की ऋतु सोडानी ने माहेश्वरी महिला समिति नागपुर द्वारा आयोजित कवियत्री सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सम्मान पत्र पाया।

महिला अधिकार, उत्थान, सुरक्षा व सशक्तिकरण समिति–छोटे गाँव, शहरों की महिलाओं के हुनर एवं बुद्धिमत्ता को पहचान दिलाने वाला प्रोग्राम स्प्रेकिंल स्टार किया। राष्ट्रीय सखी एक्सपो से बहनों को जोड़ने के

प्रयास। संगठन के उपक्रम–21 सिलाई मशीन जरूरतमंद बहनों के लिए अभी तक 8 मशीनें भेंट।

गीता परिवार एवं बाल एवं किशोरी विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में बाल संस्कार शिविर का साप्ताहिक वर्ग निरन्तर है, जिसमें प्रदेश के बच्चे शिविर का लाभ उठा रहे हैं। मकर संक्रांति के अवसर पर पूरे प्रदेश में अनाथाश्रम में बच्चों को कपड़े, स्वेटर, खिचड़ी, खाद्य सामग्री, पेन, कापी दी गई। साड़ियां, सुहाग सामग्री निराश्रित महिलाओं को दी गई।

अध्यात्म एवं स्वाध्याय समिति–मध्यांचल भजन एकादशी का वर्चुअल कार्यक्रम, इसमें 1000 महिलाओं ने भजन गाए। स्वर योगा की आनलाइन एवं आफलाइन कार्यशाला का 20 दिवसीय आयोजन सम्पन्न। कुल 80 बहनें लाभान्वित। माहेश्वरी महिला पत्रिका के 9 नए सदस्य बनाए गए।

अध्यक्ष–वीणा सोमानी ❋ मंत्री उषा सोडानी

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

गौमाता संरक्षण हेतु किया प्रयास

फ्लेमलेस मास्टर शेफ कांपिटिशन का लाइव आयोजन रखा गया, जिसमें सलाद मेकिंग और सलाद डेकोरेशन, फ्रूट डेजर्ट मेकिंग कांपिटशिन में 18 सखियों ने भाग लिया। जिला वलसाड़, वापी, उमरगांव द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 20 इनडोर प्लांट गमले में लगाकर स्कूल की प्रधानाध्यापिका को दिए गए व कच्ची बस्ती में जाकर 30 किलो गुड़, 50 बिस्किट के पैकेट और 5 दर्जन केले का वितरण किया गया। भरुच महिला संगठन द्वारा गायों को चारा खिलाया गया। वह 3100 की राशि गौशाला में बीमार गायों के लिए दी गई। महिला मंडल मेन सूरत द्वारा प्रतिज्ञा आश्रम (मोटा वराछा सूरत) में आटोमेटिक वाशिंग मशीन सर्फ, साबुन, मिठाई, नमकीन भेंट दी गई। माहेश्वरी संगठन अहमदाबाद द्वारा श्रीराम फाउंडेशन वृद्धा आश्रम में बुजुर्गों के लिए राशन सामग्री व आवश्यक वस्तुएँ व अंकलेश्वर महिला मंडल द्वारा संक्रांति पर वृद्ध आश्रम में भोजन व कपड़े दिए गए। माहेश्वरी महिला मंडल वेस्ट सूरत द्वारा 7000 जम तालाब उछल तहसील मंदिर निर्माण में भगवान की मूर्ति के दिए गए। सखी मंडल जामनगर एवनं सिलवासा महिला मंडल द्वारा मकर संक्रांति पर समाज के 15 परिवारों को महीने भर का अनाज एवं 1100 रुपए की राशि, गौशाला में चारे के लिए 15 हजार की राशि, गरीबों को 50 कंबल व गरम चाय–नाश्ता करवाया गया। साथ ही खाने मे पीने की वस्तुएं भी दी गई और आश्रम में राशन दिया व एक व्यक्ति के 1 साल की टिफिन की धनराशि प्रदान की गई।

सखी सहेली मंडल रणधीरपुर द्वारा सजाओ मास्क पेहरो मास्क प्रतियोगिता का आयोजन व स्वास्थ्य संबंधित सब्जियों से सलाद सजाओ डेकोरेशन प्रतियोगिता रखी गई। सखी सहेली संगठन रणधीकपुर 'कौन सा बच्चा सबसे टेलेंटेड' फेंसी ड्रेस व किशोरियों के लिए सलाद डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया, संगिनी संगठन अहमदाबाद द्वारा मदर टेरेसा ऑफ नेज होम में 3 किशोर व 19 किशोरियों को कपड़े, चॉकलेट व प्रसाधन के सामान दिए गए।

कम्प्यूटर नेटवर्किंग एवं एडवांस एवं तकनीकी शिक्षा द्वारा बढ़ते कदम तकनीकी शिक्षा की वर्कशाप में राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती उर्मिला कलंत्री के प्रयास व मध्यांचल सहप्रभारी श्रीमती सुशीलाजी माहेश्वरी द्वारा प्रश्न उत्तर व प्रदेश संयोजिका शशिकला मूंदड़ा द्वारा संपर्क एप में एंकरिंग में सहभागिता रही। सखी सहेली मंडल रणधीकपुर द्वारा गणतंत्र दिवस पर भारत माता का पात्र निभाते हुए भारत सोने की चिड़िया पर अपने विचार व्यक्त करने की प्रतियोगिता रखी गई। भरूच महिला मंडल, महिला मंडल सूरत वेस्ट द्वारा पलंग सजाओ प्रतियोगिता रखी गई। मणिनगर, अहमदाबाद द्वारा मकर संक्रांति पर होम मेड

काइट विथ यूनिक थीम प्रतियोगिता का आयोजन कयिा गया। भरुचि महिला मंडल एवं संगिनी संगठन अहमदाबाद द्वारा गणतंत्र दिवस पर बच्चों द्वारा राष्ट्र ध्वज फहराते हुए देश भक्ति कविता वीडियो बनाया।

गुजरात का गौरव – एक बहुत ही बड़ी उपलब्धि गुजरात की झोली में आई। गुजरात के आनंद शहर की बेटी एकता केला ने संपूर्ण माहेश्वरी समाज का नाम मंगल ग्रह तक एक चिप द्वारा पहुंचाया है एवम गुजरात कॉर्पोरेशन इलेक्शन मे 7 माहेश्वरी भारी बहुमत से विजय रहे।

1 श्रीमती रश्मि गिरधारी जी साबू (सूरत) 2 श्रीमती निशा नरेश जी केला (सुरेंद्रनगर) 3 श्रीमती कीर्ति जी मूंदड़ा (हिम्मतनगर) 4 श्रीमती हर्षा बेन माहेश्वरी (पालनपुर) 5 श्रीमती मधुबेन केला (दिशा) 6 श्रीमती सरिता सुरेश जी भट्टर (गांधीधाम) 7 श्री विशाल जी जेसवानी (नडियाद)

व्यक्तिगत विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति – के अंतर्गत माहेश्वरी नवनीता संगठन द्वारा 200 सदस्यों की फ्री हेयर कट, आइब्रो एंड मेकअप करवाया गया एवं लोक डाउन के अंतर्गत की गई सभी प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण रखा गया।माहेश्वरी संगिनी संगठन द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 175 बहनों को पुरस्कृत किया गया, प्रोग्राम में 120 सदस्यों की उपस्थिति रही।माहेश्वरी महिला मंडल जिला वलसाड ,वापी, उमरगांव, दमन की प्रथम रूबरू मीटिंग रखी गई जिसमें उन्होंने अपने अपकमिंग प्रोग्राम अलबेली प्रोजेक्ट ,फाग उत्सव और गणगौर उत्सव की जानकारी दी साथ ही हाउजी भी रखी।

ग्रामीण विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति माहेश्वरी मुस्कान मंडल सूरत द्वारा वृद्ध आश्रम में 20 व्यक्तियों को भोजन कराया गया

एवं माहेश्वरी संगिनी संगठन द्वारा गांधी शिल्प बाजार अहमदाबाद के प्रदर्शन की मुलाकात का आयोजन, संगठन का उद्देश्य स्वदेशी अपनाओ व VOCAL FOR LOCAL का प्रचार प्रसार करना व महिला विभाग प्रमुख गुजरात फाउंडेशन श्रीमती हेतल अमीन द्वारा भावपूर्ण संगठन का सम्मान किया गया।

अध्यक्ष–उमा काबरा ❊ सचिव मंजूश्री काबरा

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''मुझे भी कुछ बनना है'' स्वनिखार कार्यशाला सम्पन्न

2020 को विदा कर उत्साह, उमंग के साथ पूरे प्रदेश में सभी जिलों में 2021 का स्वागत गीता पाठ, भजन, सुंदरकांड कर सभी सखियों के साथ मंदिर में महाआरती के साथ किया गया।

10 जनवरी को द्वितीय ऑनलाइन कार्यकारिणी सभा रखी गई। विशेष उपस्थित–मंगला मर्दा, उषा करवा सहित 144 बहनें उपस्थित रहीं। सभी जिला को विविध विषय जैसे समय प्रबंधन, साकारात्मक पालकत्व, बातचीत एक कला, स्वनिखार, मुझे भी कुछ बनना है, टीम बिल्डिंग एवं लीडरशिप, बदलाव का स्वीकार आदि 3 मिनट वीडियो बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यकारिणी सभा में कार्यकर्ताओं के प्रश्नों के समाधान पूर्वक जवाब सभी पूर्व अध्यक्षों द्वारा दिए गए, जिससे संगठन में कार्य करने में सुविधा हुई। ना करें अन्न का अनादर का संकल्प लेकर जन जागरण में जागरुकता लाने में हरसंभव प्रयास जारी हैं। प्रदेश के उपाध्यक्ष, सहसचिव, जिला अध्यक्ष, जिला सचिव के साथ नव वर्ष, पर्यावरण, पारिवारिक तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बताकर सुंदर वीडियो देते हुए शुभकामना संदेश दिया।

प्रदेश के सभी पूर्व अध्यक्षों का उनके सत्र में किये गये कार्यों की जानकारी बताते हुए सम्मान–पत्र देकर सम्मानित किया गया। उभरती हुई प्रतिभा का सम्मान

करते हुए मिसेज इंडिया, वेस्ट झोन विनीता माहेश्वरी का संगठन द्वारा स्वागत सत्कार कर अभिनंदन पत्र दिया गया। उन्होंने अपने प्रेरणास्पद अनुभव सभी बहनों से साझा किए। राष्ट्रीय स्तर पर ''कोई लौटा दे मेरे बचपन को'' सुंदर प्रतिसाद मिला। सौ. नीता मूंदड़ा, अमरावती, सौ. सरोज पसारी नागपुर का कवियत्री सम्मेलन में चयन हुआ। ऑनलाइन गीता पठन के क्लासेस विविध स्पर्धा जैसे महापुरुषों की वेशभूषा में 3 मिनट बोलना तथा संस्कार क्लासेस आदि के आयोजन किये गये। विदर्भ प्रदेश के कार्यों का पीपीटी प्रजेंटेशन बनाया।

नए साल के पहले तोहफे के रूप में ई नव-संपर्क डायरेक्टरी बनाई। त्रैमासिक पत्रिका नारी संदेश नव उमंग का द्वितीय संस्करण का प्रकाशन हुआ। आगामी कार्यक्रम सभी जिलों की समिति संयोजिकाओं को सम्मिलित कर आत्मनिर्भरा-3 कार्यशाला टेलीग्राम द्वारा लेंगे। वुमन एंटरप्रेन्योर पर पाँच दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया जायेगा। महिला दिवस पर वरिष्ठजनों का टेलेंट शो तथा सम्मान समारोह किया जायेगा।

मलमास में गोदंबा उत्सव, मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में हल्दी-कुमकुम, गरीबों को अनाज, किताब, पढ़ाई क सामग्री वितरित की गई। कुछ राशि वन बंधु परिवार को भेजी गई। मूलांक एवं भाग्यांक द्वारा जीवन में बदलाव कैसे लाना चाहिए इस विषय पर नीलेश शिंदे द्वारा मार्गदर्शन रखा गया। प्रदेश द्वारा सभी को संक्रांत के उपलक्ष्य में शुभकामनाएं दी गई।

प्र.अ. भारती राठी ❊ प्र.सचिव-सुषमा बंग

पूर्वांचल

आसाम प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

आसाम प्रदेश में चलाया गया नशा मुक्ति हेतु अभियान

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति में नौगांव शाखा द्वारा नशा मुक्त हेतु अभियान कार्य गुवाहाटी के श्रीमती पुष्पा जी सोनी एवं अंशु जी सारडा द्वारा एक नई भूमिका एवं इतना भर प्रेम पुस्तक का प्रकाशन। गौशाला में चार बस्ता चारा गुड़ एवं हरे की गाड़ी प्रदान की गई। नौगांव शाखा द्वारा मेंस्ट्रूअल हाइजीन मैनेजमेंट एंड वेस्ट डिस्पोजल पर सेमिनार एवं बालिकाओं को सैनिटरी नैपकिन वितरण। एक जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन प्रदान की गई। प्रादेशिक प्रतियोगिता आपकी फुर्ती आपकी जीत संपन्न जिसमें प्रथम भगवती बिहानी द्वितीय उषा तापड़िया तृतीय माया धूत रही साथ ही कवित्री सम्मेलन का भी सफल आयोजन सुमित्रा चांडक की देखरेख में हुआ जिसमें प्रथम विनीता मूंदड़ा द्वितीय संगीता तापड़िया तृतीय भगवती बिहानी रहे। सभी कार्य शालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन। श्रीमान चिराग मालपानी एवं वसुधा मुद्रा के बीच संबंध हुआ।

बाल विकास एवं किशोरी विकास समिति में गोलाघाट शाखा द्वारा ड्रइंग स्केटिंग एवं जोरहाट शाखा द्वारा कैरम शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन। टैलेंट उत्सव के कृष्ण जन्म उत्सव गीत में श्रीमती कुमकुम सोनी एवं स्वागत गीत में सुश्री महक मूंदड़ा द्वारा प्रस्तुति जोरहाट शाखा द्वारा मकर सक्रांति पर महिला खेल उत्सव व गणतंत्र दिवस पर द्वारा देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन। मलमास के उपलक्ष पर बंगाईगांव शाखा द्वारा चाय बागान में 700 लोगों मैं खिचड़ी वितरण एवं अन्य कई कार्यक्रम।

अध्यक्ष- वंदना सोमानी ❊ सचिव -पूनम मालपानी

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

त्रिदिवसीय 'पंख-एक उड़ान' क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न, 14 टीम ने दर्शाई प्रतिभागी

व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति एवं महिला अधिकार उत्थान एवं सशक्तिकरण समिति के अंतर्गत महिलाओं के चहुमुखी विकास को ध्यान में रखते हुए तीन दिवसीय ''पंख एक उड़ान क्रिकेट प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया जिसमें पंख महिला क्रिकेट मे, 14 टीम ने फैलाये अपने जोश भरे पंख प्रथम दिन इस आयोजन की शिवानी अग्रवाल प्रथम महिला विश्व विजेता कैटलबेल स्पोर्ट ने फीता काटकर तथा सभी टीम का बैंड के साथ मार्च पास्ट के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय पूर्वांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू कोठारी पूर्वांचल समिति प्रभारी श्रीमती सुमित्रा काबरा, श्रीमति वर्षा डागा श्रीमती रश्मि बिनानी की उपस्थिति सराहनीय रही।

10 अंचल अलग-अलग परिधान में मैदान में ऐसे सज रहे थे जैसे नवरंग इंद्रधनुष स्वयं मैदान में आ उतरा हो। मेहमानों का स्वागत सम्मान श्रीमती कुसुम जी मूंदड़ा द्वारा किया गया। सभी टीम का जोश से भरा परिचय व्यक्तित्व विकास व कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति संयोजिका श्रीमती कंचन जी भट्टड़ तथा आयोजक अंचल की सचिव श्रीमती संगीता जी काबरा ने किया। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जी मल्ल द्वारा स्वागत उद्बोधन किया गया तथा खिलाड़ियों को शपथ दिला कर नियम बद्ध किया गया। आसमान में छोड़े गए रंगीन गुब्बारों ने एक अलग ही समां बांध दिया। मेहमानों तथा चीफ गेस्ट द्वारा 1 ओवर का मैच खेल कर प्रतियोगिता की शुरुआत की गई।प्रथम दिन कुल 4 लीग मैच खेले गए। रिंग लीडर तथा थंडरबर्ड सर्वप्रथम मैदान में उतरी।

हर टीम दो मैच खेल सके यह प्रतिबद्धता रखी गई। 45 वर्ष से कम और 45 वर्ष से अधिक आयु, इन दो समूहों में टीम का वर्गीकरण किया गया।

द्वितीय दिवस भगवान शिव की वंदना के साथ सीधे खेल की ओर प्रस्थान रहा और 8 लीग मैच खेले गए। तृतीय दिवस पंख टीम द्वारा सर्वप्रथम मैच खेला गया।

अधिक मैच जीतने वाली और अधिक रन रेट वाली टीम फाइनल में पहुंची।45 वर्ष से कम आयु वर्ग मे High rollers vs Thunderbird, 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में Cox Queens vs Block Buster के बीच फाइनल मैच खेले गए।

जिसमें क्रमश: 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में Cox Queens टीम ने फाइनल मैच जीता है, 45 वर्ष से कम आयु वर्ग में High rollers ने मैच जीतकर शील्ड पर अपना अधिकार जमाया। सभी खिलाड़ियों द्वारा खेली गई बोलिंगबैटिंग, फील्डिंग ऐसी कलाकृति की जैसे पंख क्रिकेट प्रांगण में रंग सबका साथ- सबका विकास यह विचार मन में अंकुर सा फुट रहा था। रिषडा, हिंद मोटरपूर्व कोलकाता,तखझ नवयुवतीदक्षिण कोलकातामध्य कोलकाता और हावड़ा की खेल के मैदान में उत्कृष्ट खेल भावना देखी, उनमें भी चोके छक्के लगाने की अद्भुत क्षमता देखी। सभ्यता और संस्कृति का, कलात्मक रूप से परिचय दिया, Grand Finale में वी आई पी, हावड़ा, मध्य कोलकाता दक्षिण कोलकाता ने मिलकर खूब धमाल किया। महिला संगठन शक्ति की पुस्तक में, एक सुनहरा पन्ना और जुड़ा... भव्य closing ceremony के साथ भव्य पुरस्कार वितरण समारोह किया गया।मुख्य अतिथि Gold Medallist West Bengal Rowing Championship -II India Inter Varsity Rowing Championship श्रीमती सुषमा जी बुबना के द्वारा सभी प्रतिभागियों को शील्ड तथा जीतने वाली टीमों को भव्य ट्रोफी दी गई।

पूरे तीन दिवसीय मैच में खट्टी मिट्ठी कॉमेंट्री हमारे ही भाई श्री राजीव जी सारडा के द्वारा की गई।

पंख क्रिकेट मैच में आयोजक संस्था हावड़ा अंचल

पर 100 जरूरतमंद बच्चों और बड़ों में मिठाई नमकीन, वृद्धाश्रम में राशन व वस्त्र वितरण गणतंत्र दिवस एवं गांधी जयंती के उपलक्ष्य मे बच्चों के लिए गायन प्रतियोगिता एवं फैसी डैस प्रतियोगिता जिसमे विशेष उपस्थिति राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष सुशीला जी काबरा की रही, प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से सम्मानित क्या गया। दक्षिण कोलकाता अंचल सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की शिक्षिका को 2000 वेतन, हर माह की तरह एक माहेश्वरी महिला को 1000 से सहयोग व 70 बच्चों को शिक्षा हेतु सहयोग।

की अध्यक्ष शशि नागौरीमंत्री संगीता काबरा एवं पूरी टीम के सदस्यों का भरपूर योगदान रहा।

प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष द्वारा अपने समाज के 5 बच्चों की फीस प्रतिमाह विद्यालय में जमा, प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा 1000 प्रति माह थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चे को इलाज के लिए, प्रदेश पदाधिकारी द्वारा एक विधवा महिला को प्रतिमाह 2000 की आर्थिक सहायता। प्रदेश द्वारा मकर सक्रांति से 7 दिन का सेवा कार्य किया गया जिसमें विवेक विहार एवं बंगाल जूट मिल के 70 चौकीदारों के मध्य कंबल वितरण, ज्योति निवास सेंटर शिवपुर हावड़ा में लेप्रोसी सेंटर में 50 लोगों को टीशर्ट एवं फल वितरण, पिंजरापोल गौशाला लिलवा में गायों के रखवाले बाल वालों के परिवार में 400 लोगों को खाना खिलाया गया साथ में 145 ग्वालों को बिछाने की चादर दी गई उनके बच्चों में कलर, ड्राइंग, कॉपीबिस्किट एवं टोपिया वितरण की गई गंगासागर में 80 लोगों को कंबल वितरण। जो जीता वही सिकंदर प्रतियोगिता का आयोजन, गंगा घाट

साहित्य समिति सामाजिक चिंतन मनन समिति हावड़ा अंचल संगठन के फेसबुक पेज पर देश भक्ति से संबंधित स्वचालित कविताएं प्रेषित की गई महिलाओं द्वारा एवं बच्चों द्वारा कविता पाठ की वीडियो एवं लेख प्रेषित।

प्रदेश अध्यक्ष–श्रीमती निर्मला मल्ल, वृहत्तर कोलकाता

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''सवाल हमारे जवाब आपके'' प्रतियोगिता का संयोजन

बंग दृश्यम– सभी समिति एवं संगठनो से1 वर्ष के कार्यो को पीपीटी द्वारा बनाकर पुर्वांचल उपाध्यक्ष मंजू जी कोठारी,संयुक्त मंत्री गिरिजा जी सारड़ा को जूम पर आमंत्रित कर उन्हें दिखाया गया। सिक्किम संगठन– वरिष्ठ न्यायमूर्ति श्री जेके माहेश्वरी को सिक्किम प्रदेश के हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश मनोनीत किया है इस विशेष अवसर पर संगठन द्वारा उनके आवास पर जाकर उनका अभिनंदन किया। और एक जरूरतमंद परिवार को इलाज के लिए 21000 रुकी राशि सहायता हेतु दी गई। रामपुरहाट संगठन– रामजन्म भूमि पर तैयार हो रहे मन्दिर

के लिये 11000/ रु की राशि भेजी।।

जलपाईगुड़ी– गोसेवा का पुण्य कमाते हुये चारे संग गुड़ की सेवा की गयी।पुरुलिया– अपना घर नामक संस्था में ऊनी वस्त्रों को वितरित किया गया।दुर्गापुर–

बृद्धा आश्रम में ऊनि कपड़े,भोजन बाटा। राष्ट्रीय स्तर पर आकांक्षा जी लड्ढा द्वारा स्वयं हिलिंग के छोटे छोटे ट्रिक्स की ज्ञानशाला। रामपुरहाट- रक्तदान शिविर लगाया गया तथा मनोरंजन के लिए ये कुछ खेलों का आयोजन किया। सिलीगुड़ी–ने सदस्यों संग वनभोज का आनंद लेते हुये खेल खेले। प्रदेश- सरोज जी मालपानी के नेतृत्व मेंसवाल हमारे जवाब आपके प्रतियोगिता की गई जिसमें सभी ने काफी उत्साह उमंग से भाग लिया । प्रथम स्थान श्रीमती नेहा चितलांगिया(मालदा) द्वितीयस्थान स्नेहा भराडिया जी(दिनहाटा) तृतीय स्थान जयश्री जी सारड़ा (पुरुलिया) जूम सभागार के माध्यम से बंग–दृश्यम प्रोग्राम का टेक्निकल संचालन किया गया।

दुर्गापुर–ने एक स्कूल में 150 बच्चों के बीच चित्र आंकने की प्रतियोगिता रखी।सभी बच्चों को पेंसिल, रबड़, चिप्स और चॉकलेट उपहार स्वरूप दिये। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बच्चों को पूड़ी, सब्जी व मिठाई का नाश्ता करवाया और हाऊजी गेम खेलाकर मनोरंजन किया एवं सभी विजेताओं को पुरष्कार दिये।रामपुरहा–भी बच्चों को कई तरह के आउटडोर गेम खेलाये और उन्हें उपहार दिये।

झारखंड बिहार माहेश्वरी महिला संगठन

''छू लो आसमां'' वेबनार का हुआ आयोजन

व्यक्तित्व विकास व कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला छू लो आसमां मे मुख्य अतिथि संदीपजी काबरा व जवाहर जी बिहानी द्वारा 56 बहनो ने प्रशिक्षण लिया।

ग्राम विकास व राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति के अन्तर्गत रांची समिति द्वारा गौशाला मे गायो को गुड़ अनाज सब्जी चारा आदि से तुलादान किया पटना समिति ने एक राजकीय स्कूल मे 5000/ तथा गुलाबबाग समिति ने वनवासी कल्याण आश्रम के पांच बचो का एक बर्ष का स्कूल शुल्क दिया पटना मुजफ्फरपुर रोसडा गुमला देवघर जमशेदपुर झूमरी तलैया समिति ने जरूरतमंद को कम्बल शॉल स्वेटर टोपी मोजे आदि को वितरण किया किशनगंज समिति ने गरीबो मे खाद्य सामग्री का वितरण व कई स्थानो पर गायो की सवामणि व गुड़चारा दिया गया

महिला अधिकार व सशक्तिकरण समिति के अन्तर्गत रांची मे रक्तदान शिविर व कैंसर जागरूकता अभियान चलाया गया।

स्वास्थ्य व पारिवारिक समरसता समिति के अन्तर्गत आकांक्षा लड्ढा द्वारा हेल्दी लाइफस्टाइल की कार्यशाला मे 70 बहनो ने लाभ उठाया गुलाब समिति ने पतंग उत्सव व देशी खेलकूद व की समितियो ने पिकनिक का आयोजन कर अंताक्षरी व विभिन्न खेलो का आयोजन किया। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य मे फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता (देशभक्त) तथा देशभक्ति गीत प्रतियोगिता करवाई गई।

संक्रांति पर्व के दिन होने वाले पारंपरिक नेगचार के वीडियोज मंगाये गये गणतंत्र दिवस पर कई समितियो ने झंडोत्तोलन किया।

अध्यक्ष–प्रमिला आगीवाल ✽ सचिव–उषा बागड़ी

पश्चिमांचल

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

चतुर्थ प्रादेशिक बैठक आयोजित

बसंती बयार मध्य मद मोहे बार-बार

पत्र झरे डार डार ऋतु फागण की आई रे ऋतुआई रे

बैठक की शुरुआत महेश वंदना से की गई सपना मंत्री रितिका मंत्री निकिता मंत्री द्वारा प्रस्तुत की गई की गई। स्वागत गीत शोभा माहेश्वरी, संगीता माहेश्वरी द्वारा प्रस्तुति दी गई। प्रदेश अध्यक्ष कुंती मूंदडा द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। सम्मानीय मुख्य अतिथि आशा माहेश्वरी का सानिध्य हमें मिला आपके द्वारा संगठन की जानकारी सखी एक्सपो पश्चिमी अंचल अधिवेशन 17से 27 की जानकारी दी गई प्रदेश को आपका आशीर्वचन मिला। कार्यालय मंत्री मधुजी बाहेती, संतोष तोषनीवाल कार्यसमिति सदस्य। सम्मानीय पुष्पा जी सोमानी राष्ट्रीय प्रभारी पर्व एवं संस्कृति समिती सम्मानीय निर्मला जी मारू राष्ट्रीय प्रभारी बाल विकास किशोरी विकास समिति आपकी उपस्थिति कार्यक्रम में रही। पुष्पा जी सोमानी द्वारा जीवती रे बेटी के फंड के बारे में जानकारी दी। प्रदेश मंत्री मंजू भराड़िया द्वारा मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। काव्य पाठ सभी जिले से 14 प्रतिभागी ने भाग लिया। जज परिचय सभी जिला सचिव द्वारा दिया गया भारती डागा कोटा, अनीता लाठी बूंदी, मनीषा चांडक बांरनिशा भराड़िया झालावाड़ कवयित्री सम्मेलन में जज गीता जी दाधीच, उर्मिला जी औदिचय मधु जी बाहेती पुष्पा जी सोमानी रहे प्रथम स्थान पल्लवी न्याति कोटा, द्वितीय स्थान सुशीला कोठारी झालावाड़, तृतीय स्थान सपना मंत्री बूंदी। आभार संगठन मंत्री निहारिका गगरानी द्वारा दिया गया कार्यक्रम में 70 बहनों की उपस्थिति रही।

अध्यक्ष-कुंती मूंदड़ा ❊ मंत्री-मंजू भराडिया

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

नेत्र प्रत्यारोपण के लिए 25 नेत्रहीन लोगों के ऑपरेशन

पश्चिमांचल उपाध्यक्ष श्री मति ममता जी मोदानी द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में वर्चुअल भ्रमण के अंतर्गत संगठन की जानकारी तथा इस सामिति के अंतर्गत होने वाले कार्यो की जानकारी दी गई ।

प्रदेश द्वारा अन्नपूर्णा क्षेत्र एवं जालौर जिले में मकर सक्रांति पर्व पर कंबल एवं लड्डू झुग्गी झोपड़ियों में बांटे गए। गरीब बच्चों को स्वेटर वितरण किए गए । एड्स पीड़ित बच्चों को ट्रैक सूट व बिस्किट वितरण किए गए। गौशाला में चारा डलवाया गया।

जोधपुर जिले में नेत्र प्रत्यारोपण के लिए 25 नेत्रहीन लोगों के ऑपरेशन व दवाइयों के लिए 25000 की राशि डॉक्टरों को दी गई।

पश्चिमी राजस्थान में काव्य प्रतियोगिता हुई उसमें सभी जिलों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रतियोगी को पुरस्कृत किया गया। जोधपुर जिला में काव्य प्रतियोगिता हुई उसमें 18 प्रतिभागी ने भाग लिया उसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय बहनों को पुरस्कृत किया गया।

मकर सक्रांति पर 265 ब्राह्मणों को, कोरोना के डिस्टेंस को देखते हुए ब्राह्मण भोजन कराया एवं फल वितरित की गई। प्रत्येक रविवार को जूम एप पर गीता क्लास लगाई जाती है सनातन संस्कृति की वैज्ञानिकता विषय पर आयोजन रखा जाता है।

भ्रमण-पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता जी मोदानी एवं पश्रिचमांचल संयुक्त मंत्री सविता जी पटवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में जालौर, जैसलमेर एवं पाली जिले का भ्रमण किया।

प्र.अध्यक्ष रामेश्वरी भूतड़ा ❊ प्र.सचिव कमला मूंदड़ा

पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

शहीदों को श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के कम्प्युटर एवं नेटवर्किंग समिति के अंतर्गत त्रिदिवसिया कार्यशाला ' बढते कदम' का आयोजन किया गया जिसमे 17 जनवरी 2021 को पूर्वोत्तर राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन की कम्प्युटर समिति की संयोजिका श्रीमती सनिता माहेश्वरी ने त्रैमासिक रिपोर्ट कैसे बनाते है, की कार्यशाला ली जो की ज्ञानवर्धक था।

पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत 25 जनवरी 2021, 72वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष पर सभी बहनों को अपने भावों को प्रस्तुत करने हेतु खुला मंच-2 का आयोजन किया गया। हमारे देश के शहीदों को श्रद्धांजलि देने बहनों ने कविता, गीत, नृत्य व प्रेरणा दायक शब्द के रूप में अपने भावों को प्रकट किए।

30 जनवरी 2021 को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा जयपुर प्रदेश में आंचलिक भ्रमण किया गिया जिसके अंतर्गत राष्ट्रिय उपाध्यक्ष श्रीमती ममता मोदानी ने संगठन के विषयों की सम्पूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जो की बहुत ही लाभान्वित था। राष्ट्रिय संयुक्त मंत्री श्रीमती सविता पटवारी ने शुभकामना संदेश संगठन के स्थाई प्रकल्पों कि जानकारी दी। कम्प्युटर समिति की संयोजिका श्रीमती सनिता माहेश्वरी ने 'संपर्क एप' की जानकारी दी। मकर सक्रांति पर्व पर ग्राम विकास समिति के अंतर्गत वनबंधु परिषद को पूर्वोत्तर राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन, जयपुर प्रदेश की ओर से 11000/- सहयोग राशि दी गयी। पूर्वोत्तर राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन, जयपुर प्रदेश की ओर से विराटनगर से आए बुजुर्ग दंपति, जिनका परिवार का कोई नहीं था व कोरोना के लोक डाउन के चलते जयपुर में फंस गए थे, उनका इलाज़ करवाया व 5000/- सहयोग राशि दी गयी व ज़ीरो बैलेन्स बैंक अकाउंट भी खुलवाया।

अध्यक्ष-श्रीमती विजयश्री तापड़िया
सचिव-श्रीमती पूनम दरगड

उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

परिचय पुस्तिका का विमोचन

ग्राम विकास एवं राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति - के अंतर्गत चुरू जिला में झुग्गी वासियों को कंबल दरी गर्म कपड़े राशन देकर बच्चों को नाश्ता करवाया गया। अपाहिज व्यक्ति इसके दोनों हाथ कटे हुए उसे 1 महीने के राशन की व्यवस्था व अन्नपूर्णा रसोई भंडारे में साधु संतों को मिठाई के पैकेट और जरूरतमंद समान वितरित कर सहायता की। हनुमानगढ़ जिला द्वारा ब्राह्मण परिवार को राशन किट व सक्रांति के उपलक्ष में जरूरतमंद परिवार को 1 साल तक हर महीने 2000 की राशि देने का संकल्प किया। बच्चों को मूंगफली, रेवड़ी, लड्डू व बिस्किट का वितरण किया गया।

बीकानेर जिला द्वारा पीबीएम हॉस्पिटल के सामने मां रोटी बैंक में जरूरतमंदों को भोजन करवाया गया समिति की कई बहनों द्वारा इस संस्था में निरंतर सहयोग किया जा रहा है। होम्योपैथिक चिकित्सालय में एक व्हीलचेयर भेंट की गई। नर सेवा नारायण सेवा संस्थान पर बिस्तर रजाई , चारपाई व गर्म कपड़े, बर्तन, मिठाई और जरूरत का सामान भेंट किया गया।

प्रदेश से 5100 रुपए की राशि वन बंधु परिषद को प्रेषित की गई। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में चूरू जिला में युवा मंडल द्वारा कोरोना काल में किए गए सेवा कार्य के लिए रतनगढ़ महिला मंडल को सम्मानित किया वही गंगानगर जिला में कोरोना गाइड लाइन के तहत सादगी पूर्ण मनाया गया गणतंत्रता दिवस।

विवाह संबंध सहयोग समिति-के अंतर्गत प्रदेश से 31 बायोडाटा का आदान-प्रदान हुआ।

साहित्य समिति सामाजिक चिंतन मनन-समिति के अंतर्गत बीकानेर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा परिचय पत्रिका 2021 का विमोचन किया गया, साथ ही 2020 में

आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता के विजेताओं का व समाज के विशिष्ट लोगों का विशेष सम्मान किया गया। समिति के अंतर्गत कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिनप्रतियोगिता के विषय में व्हाटसएप द्वारा अवगत करवाया जा रहा है। स्वाध्याय एवं अध्यात्म समिति–के अंतर्गत नव वर्ष के अवसर पर चूरू जिला द्वारा मंदिर में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन कर नववर्ष का किया आगाज वहीं बीकानेर जिला द्वारा भजन कीर्तन कर समाज में महिला सम्मान स्थापना का लिया प्रण।

विशेष –: पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता जी मोदानी एवं पश्रिचमांचल संयुक्त मंत्री सविता जी पटवारी विशिष्ट अतिथि ने जिला चूरू व हनुमानगढ़ का भ्रमण किया , प्रदेश व संगठन की बहनों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए ट्रस्टों की जानकारी व संपर्क ऐप से परिवारों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया, साथ ही संगठन की महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत करवाया।

प्र.अध्यक्ष–सरिता बिहानी ✲ प्र. मंत्री–सरोज लखोटिया

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

स्त्री रोग निवारण शिविर का आयोजन

मकर सक्रांति के अवसर पर आओ खुशियां बांटे कार्यक्रम के तहत जरूरतमंदों को कंबल, स्वेटर, चप्पल, मौजे, खाद्य सामग्री आदि का वितरण। वृद्धाश्रम एवं गौशाला में सहयोग दिया।कुल 4 लाख से ऊपर का सहयोग हुआ व 2450 लोग लाभान्वित हुए। 16300 रुपए बनवासी बच्चों की पढ़ाई हेतु अनुदान दिया। इको ब्रिक्स पर कार्यशाला में प्लास्टिकमुक्त भारत बनाएं हेतु कार्य हुआ। औषधीय पौधों की जानकारी दी गई। भीलवाड़ा व उदयपुर में जरूरतमंद महिलाओं व परिवारों के मेडिकल कार्ड बनवाए।चित्तौड़गढ़ में बुक बैंक शुरू किया। प्रदेश में ब्लड डोनेशन कैम्प लगाए। वेबीनार हमारी बहू बेटियां का आयोजन ज़ूम पर किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जी गगरानी ने बेटियों के पालन–पोषण के बारे में और मुख्य वक्ता निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मूंदड़ा ने बहुओं से कैसे करें व्यवहार के बारे में बताया।

घरेलू उद्योगों के द्वारा 60 महिलाओं को रोजगार। 21 जोड़ों को साड़ियां,घड़ी और कॉस्मेटिक सामान का वितरण। 100 बच्चों को बेबी किट वितरित किये। बच्चों को गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय पाठ सिखाया। जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा पर 30% से 50% की सहायता राशि दी गई।

शादियों में लुप्त होते रिवाजों पर आधारित लघु नाटिका कार्यशाला हुई। प्रदेश द्वारा 41 गठबंधन कराए गए। राष्ट्रीय स्तर पर जागृति कवयित्री सम्मेलन के अंतर्गत छवि भदादा ने अपनी प्रस्तुति दी। मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम मस्ती का गुलदस्ता का आयोजन ज़ूम सभागार में

किया गया,जिसमें आकर्षक खेलों के जरिए महिलाओं को अभिव्यक्ति के गुर सिखाए।राष्ट्रीय साहित्य प्रभारी मंजू जी मानधना व कार्यालय मंत्री मधु जी बाहेती अतिथि रहे। काव्यांजलि कवयित्री सम्मेलन में सभी जिलों की विभिन्न तहसीलों से 25 कवयित्रियों के द्वारा स्वरचित कविता का पठन जूम सभागार में हुआ।

आदिवासी इलाके में 10 सुदूर गावों हेतु निःशुल्क स्त्री रोग निदान शिविर लगाया, जिसमे भीलवाड़ा से डॉक्टरों की टीम ले कर गए। महिलाओं व बच्चों जांच कर दवाइयां दी। उन्हें स्वच्छता का संदेश दिया,कैंसर के बारे में बताया,फल व मास्क वितरण किया। 100 से अधिक बच्चों को कपड़े वितरित किये। राष्ट्रीय समिति प्रभारी शिखा जी भदादा व सह प्रभारी पुष्पाजी राठी, व प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे। पश्रिचमांचल उपाध्यक्ष ममता जी मोदानी व संयुक्त मंत्री सविता जी पटवारी द्वारा प्रदेश भ्रमण हुआ, जिसमें संगठन में कैसे कार्य व क्या कार्य करना सिखाया।आगामी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्हीं के निर्देशन में पश्रिचमांचल युवा उड़ान 2021 10 दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ ,जिसमें प्रदेश द्वारा साइकोलॉजिकल

काउंसलिंग व कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम पूरे भारत के बच्चों हेतु आयोजित हुए। साथ ही कार्यक्रम रीति–रिवाजों का वैज्ञानिक महत्व वैदिक मैथ्स, मारवाड़ी बोलो मिश्री घोलो ,कवि सम्मेलन ,सोलह संस्कारों का महत्व ,अपना डॉक्टर स्वयं बने ,प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला', हमारी रसोई हमारी वेधशाला आदि कार्यक्रमों में प्रदेश सदस्यों की भागीदारी रही।आंचलिक प्रतियोगिताएं,व्यक्तित्व विकास व महिलाओं हेतु उद्यम में महिलाओं ने बढ़ चढ़ के भाग लिया व इनाम जीते। इसमें राष्ट्रीय महामंत्री मंजू जी बांगड़ व मिसेस इंडिया यूनिवर्स रूपल जी मोहता पधारे।

प्र.अध्यक्ष–कुन्तल तोषनीवाल ❊प्र.सचिव अनिला अजमेरा

शोक समाचार

कमलेशजी बल्दवा का गोलोकधाम गमन

सुनहु भरत भावी प्रबल , बिलखि कहेउ मुनिनाथ
हानि , लाभ , जीवन , मरण , यश , अपयश हरि हाथ

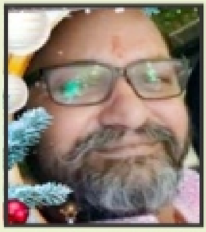

अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व कार्यकारिणी सदस्य (दक्षिणी राजस्थान) श्रीमती प्रेम जी बल्दवा के पति आ. कमलेश जी बल्दवा का असामयिक गोलोकधाम गमन 20 जनवरी को हो गया है। दुःख की इस घड़ी में महिला संगठन शोक संवेदना प्रेषित करता है , ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शरणागति प्रदान करें एवम परिवार को इस असहनीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

श्री रमेश जी करवा का दुखद अवसान

हमारी मध्यांचल की संयुक्त मंत्री श्रीमती उषा जी करवा के पति श्री रमेश जी करवा का दुखद अवसान हुआ है ... हृदय विदारक अत्यंत दुख की इस घड़ी में हम प्रिय उषा जी एवं संपूर्ण करवा परिवार के साथ हैं .... हम परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्री चरणों में स्थान दे एवं इस शोकाकुल घड़ी में समस्त करवा परिवार को इस अपूरणीय क्षति व असीम दुख को सहने की शक्ति तथा धैर्य प्रदान करें।

श्री रमाकांतजी सारड़ा का श्रीजीशरण

आंध्रप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की की निवृत्तमान प्रदेश अध्यक्ष रेणुजी सारडा के पति श्री रमाकांतजी सारड़ा का श्रीजीशरण हो गया। श्री सारड़ा मिलनसार, विशाल हृदय व हंसमुख मिजाज के व्यक्ति थे। उनके निधन पर माहेश्वरी महिला संगठन श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

श्रीमती कृष्णा खटोड़

जयपुर। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन में अति सक्रिय एवं द्वादश सत्र में गठबंधन समिति में पूर्वोत्तर राजस्थान जयपुर से प्रादेशिक संयोजिका का देहावसान 26 जनवरी 2021 को हो गया। वे करीब 30 वर्षों से सामाजिक क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए माहेश्वरी महिला परिषद जयपुर की अध्यक्ष रही हैं। सक्रिय कार्यकर्ता से समाज को अपूरणीय क्षति हुई। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

श्रीमती ज्योति मूंदड़ा

राजनांदगांव। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के भूतपूर्व कोषाध्यक्ष श्री दामोदरदासजी मूंदड़ा की बड़ी बहू श्रीमती ज्योति मूंदड़ा का दुःखद निधन हो गया। आप मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थीं।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी

होळी व गणगौर कि हार्दिक शुभकाकामनांए

सुनीता पलोड

निर्मला कस्वा

मंगल भंडारी

सविता राठी

अंजली तापडीया

अंजली जाजू

डॉ. ईंदिरा मुंदडा

अरुणा लाहोटी

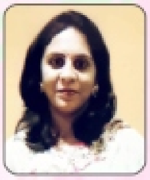
सपना लाहोटी

सरोज तोष्णीवाल

सुर्यमाला मालानी

सुजाता झंवर

सुनीता चरखा

कांता लाहोटी

अनिता मालू

अर्चना सोनी

शोभा बिर्ला

कांचन बाहेती

निर्मला साबू

अजया जाखोटिया

उर्मिला बियाणी

मीना नावंदर

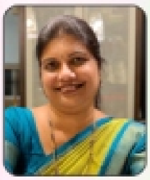
नयना हेडा

स्वाती बूब

नीलकमल बलदवा

प्रतिभा कर्लची

अंजु भराडिया

उषा कावरा

शोभा बाहेती

प्रमिला चांडक

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

होळी व गणगौर कि हार्दिक शुभकाकामनांए

लता लाहोटी
(रा. पूर्वाध्यक्षा)

कल्पना गगरानी
(नि. राष्ट्रीय अध्यक्ष)

शैला कलंत्री
(रा. संगठन मंत्री)

पुष्पा तोषनीवाल
(द. संयुक्त मंत्री)

अरुणा लड्ढा
(रा. अध्यात्म प्र. प्रभारी)

शान्ति मुंदडा
(रा. कार्यसमिती)

ज्योत्स्ना लाहोटी
(नि. अध्यक्षा)

मंगल मानधना
(रा. कार्यसमिती)

अनुसूया मालू
(प्रदेश अध्यक्षा)

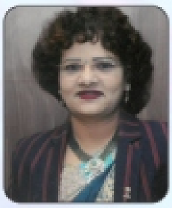

डॉ. संगीता चियानी
(दक्षिणांचल सह प्रभारी,
बाल संस्कार एवं किशोरी विकास समिति)

चंदा काबरा
(दक्षिणांचल सह प्रभारी
पर्व एवं सांस्कृतिक समिति)

C.A. भाग्यश्री चांडक
(दक्षिणांचल सह प्रभारी, कंप्यूटर नेटवर्किंग
एवं एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति)

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक 2 मार्च 2021
प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, यशवंत निवास रोड
इन्दौर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक-श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।